खबरों के 70 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com
पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
जबलपुर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026 । वर्ष –70 । अंक –287 पृष्ठ –12 मूल्य – 3.00 रु.

■ नस्लीय नफरत का...
■ असलियत से ज्यादा... 04
■ जिस चीन पर पाकिस्तान को था भरोसा उसी...
■ सबसे ज्यादा सैलरी वाले प्रधानमंत्री कौन हैं... 09
■ पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से...
■ ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार 11
■ भारतीय टीम ऑलम्पिक...
■ खिलाब की ओर ईस्ट... 10

मोदी कैबिनेट के अहम फैसले

रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक

नई दिल्ली, देशबन्धु। केंद्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि- आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं। वैष्णव ने बताया कि-सात हाई-डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-ट्रैक करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, चेन्नई-कोलकाता और कोलकाता-दिल्ली मार्ग मिलकर गोल्डन क्वाड्रिलेटरल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-चेन्नई और मुंबई-कोलकाता इसके दो डायगोनल हैं।

इसके अलावा दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर भी इस योजना में शामिल है। इस तरह कुल सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को चार-लेन किया जा रहा है। वैष्णव के मुताबिक, इन सभी परियोजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ रहा है। फिलहाल करीब 4,000 किलोमीटर के हिस्से के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

3-मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

कैबिनेट समिति ने बुधवार को रेलवे मंत्रालय की तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है। इनके पूरा होने के बाद रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

इन रेल मार्गों पर होगा काम-मंजूर की गई परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन बनाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, अतिरिक्त रेल लाइन बनने से इन मार्गों की क्षमता बढ़ेगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होने के साथ परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग से रेलवे परिचालन को सुचारु बनाने और भीड़भाड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसका फोकस मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स क्षमता को बेहतर बनाने पर है। इसके लिए एकीकृत योजना और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श को आधार बनाया गया है।

◆ कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता
◆ गोल्डन क्वाड्रिलेटरल और उसके दोनों डायगोनल पर बढ़ेगी क्षमता

पांच राज्यों के 14 जिलों को मिलेगा फायदा ?

ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छग के 14 जिलों से होकर गुजरेंगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री एवं रेलमंत्री का माना आभार

भोपाल, देशबन्धु। पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के 14 जिलों को लाभान्वित करने वाली 3 मल्टी-ट्रैकिंग रेल परियोजनाओं की सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं रेल मंत्री श्री वैष्णव का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

दुबई में मध्यप्रदेश को 53 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले

◆ दुबई के निवेशकों को भाया मध्यप्रदेश
◆ मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता से रूबरू हुआ वैश्विक उद्योग जगत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 6 से 8 सितंबर का दुबई दौरा मध्यप्रदेश की निवेश रणनीति को वैश्विक मंच पर नए विस्तार देने वाला रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा निवेश के साथ तकनीक, बाजार, निर्यात और रोजगार को जोड़कर मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है।

एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को केवल निवेश के गंतव्य के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक कंपनियों और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया। दुबई प्रवास के दौरान लगभग 53 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। यूएई के शीर्ष मंत्रियों, तातारस्तान के नेतृत्व, विश्व बैंक और डीपी वर्ल्ड, क्रिसेंट एंटरप्राइज़, जेम्स एजुकेशन, शराफ ग्रुप, चोइथराम्स, राणा होल्डिंग्स, वीएफएस ग्लोबल और BEEAH जैसी कंपनियों के साथ हुई बैठकों में लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, एआई एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा, शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आधुनिक विनिर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं। दुबई ने मध्यप्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने, विमानन संपर्क बढ़ाने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में उच्चस्तरीय निवेशक दल के साथ भागीदारी की दिशा में सहमति जताई, वहीं विश्व बैंक ने एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं में सहयोग में रुचि दिखाई। डीपी वर्ल्ड और शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, BEEAH के साथ कचरा प्रबंधन एवं वेस्ट-टू-एनर्जी, GEMS के साथ एजुकेशन और कौशल विकास तथा चोइथराम्स के साथ रिटेल और फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं ने दौरे को ठोस कारोबारी अवसरों से जोड़ा।

मुख्यमंत्री ने दुनिया के उद्योग जगत को दिया म.प्र. आने का न्योता

सार संक्षेप

तीस से अधिक बच्चों की मौत के बाद जागा प्रशासन

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। बालाघाट जिले में संक्रामक बीमारियों के कारण तीस से अधिक बच्चो की मौत को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। याचिकाकर्ता ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के बाद हलफनामे के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित की गयी है। गौरतलब है कि नरसिंहपुर निवासी अंशुल तिवारी की तरफ से समाचार पत्रों में प्रकशित खबरों के आधार पर बालाघाट में संक्रामक बीमारियों के कारण तीस से अधिक बच्चों की मौत के संबंध में जनहित याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि बच्चों को पर्याप्त उपचार नही मिल रहा है। 50 बिस्तरों की क्षमता वाले अस्पताल में करीब 400 बच्चों का इलाज किया जा रहा है। अधिवक्ता अभिषेक पांडे, अधिवक्ता अतुल शुक्ला ने सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया कि कोर्ट के आदेश पर प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया था।

पुणे में पेपर लीक विवाद के बीच छात्र ने की आत्महत्या

पुणे। पुणे में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) परीक्षा की तैयारी कर रहे एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पेपर लीक की बार-बार हो रही घटनाओं और आर्थिक तंगी के कारण उसने यह कदम उठाया। मृतक की पहचान प्रथमेश देशमुख के तौर पर हुई है। पुलिस को शक है कि गंभीर आर्थिक परेशानियों, जिसमें 2.5 लाख रुपए का बकाया कर्ज भी शामिल है, के कारण उसने यह कठोर कदम उठाया।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- रोक के बाद भी छात्र को नोटिस भेजने पर सीजेआई बोले- मजिस्ट्रेट की इतनी हिम्मत कैसे हुई ?
चुहिया- हां प्रिये- इन दिनों 'पालिका' चाहे जो हो, हिम्मत तो सत्ता बल से ही आती है।

हाईकोर्ट ने डुप्लीकेट फैकल्टी वाले कॉलेजों पर तय की जवाबदेही

तीन लाख जुर्माना भरो, फिर परीक्षा में बैठेंगे नर्सिंग छात्र

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट जस्टिस आनंद पाठक तथा जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने प्रत्येक डुप्लीकेट फैक्टली पर नर्सिंग कॉलेज पर तीन-तीन लाख रूपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा प्रत्येक कॉलेज में पचास-पचास पेड़ लगाकर उनकी देखरेख के निर्देश कॉलेज प्रबंधन को दिये है। पौधारोपण की तस्वीरें निसर्ग ऐप पर अपलोड करनी होंगी। कॉलेज प्रबंधन को जुर्माने की राशि एक माह में जमा करनी होगा। तभी उक्त कॉलेजों को उपयुक्त माना जायेगा और छात्रों को परीक्षा में शामिल होने तथा रिजल्ट जारी करने की अनुमति मिलेगी।

परिसर में पचास पेड लगाकर देखरेख के दिये निर्देश

लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के विशाल बघेल की तरफ से दायर याचिका में प्रदेश में मान्यता प्रक्रिया के विपरित नर्सिंग कॉलेज के संचालन को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि नर्सिंग कॉलेजों के मान्यता देने में निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया गया है। कागजों में संचालित नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता प्रदान की गयी है। हाईकोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए प्रदेश में संचालित नर्सिंग कॉलेज की जांच के निर्देश सीबीआई को दिये थे।

युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए इन कॉलेजों के छात्रों को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान करते हुए पूर्व में हुई परीक्षा के रिजल्ट जारी करने के निर्देश दिये है। यह राहत बीएससी, एमएससी और पोस्ट बेसिक बीएससी छात्रों को मिलेगी ।

सागर पहुंचे मुख्यमंत्री,जहरीली शराब से पीड़ितों के हाल जाने

निर्देश- जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाए

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि- सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब से लोगों की हुई मृत्यु के प्रकरण में कठोरतापूवर्क कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाए। जिले में नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जाए जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज सागर के बुन्देलखंड मेडिकल चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य शासन अपराध और असामाजिक गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले के साथ-साथ आस-पास और सीमावर्ती क्षेत्रों में गहन जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा जहाँ कहीं भी शंका या संदिग्ध गतिविधि की गुंजाइश हो, वहाँ तत्परता से पड़ताल की जाए और सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से नशामुक्ति अभियान जनसहयोग से चलाने कहा है।

◆ लोगों की मृत्यु पर व्यक्त किया शोक
◆ पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की हुई संयुक्त बैठक
◆ अधिकारियों, जनप्रतिनिधयों से जन-सहयोग से नशा मुक्ति अभियान चलाने कहा

अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो

मुख्यमंत्री ने शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से सोशल मीडिया या अन्य विभिन्न माध्यमों पर अनावश्यक अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर पैनी नजर रखने और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

छात्र को नोटिस पर भड़के सीजेआई

बोले- मजिस्ट्रेट की इतनी हिम्मत कैसे हुई?

नई दिल्ली, देशबन्धु। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गौतम बुद्ध नगर प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। प्रशासन ने कानून की पढ़ाई कर रहे एक 20 साल के छात्र को 'सरकार-विरोधी प्रचार' फैलाने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए साथी छात्रों को उकसाने के आरोप में प्रिवेंटिव नोटिस (एहतियाती नोटिस) जारी किया था।

कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शनों में शामिल होने वाले छात्रों की सुरक्षा के लिए स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद कोई भी एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ऐसा आदेश जारी नहीं कर सकता था। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि- जब सीनियर वकील विश्वजीत भट्टाचार्य ने बेंच का ध्यान गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के छात्र अक्षत त्रिपाठी को 4 सितंबर को जारी किए गए नोटिस की ओर दिलाया, तो कोर्ट गौतम बुद्ध नगर ज़िले और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट से इस बारे में जवाब मांगेगा। सीजेआई ने कहा- कोई मजिस्ट्रेट नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे कर सकता है? हमने साफ़ कर दिया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी! कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता। सीजेआई ने भट्टाचार्य की इस बात से सहमति जताई कि नोटिस जारी करना-भले ही उसे अगले दिन वापस ले लिया गया हो-प्रथम दृष्टया सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर के आदेश का उल्लंघन था। सीजेआई ने कहा, 'हमारे स्पष्ट और साफ़ आदेश को देखते हुए किसी युवा के ख़िलाफ़ कार्रवाई का सवाल ही नहीं उठता।

JAN JYOTI
SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा
मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121 janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2026-27
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

80 साल की बुजुर्ग बोलीं- शौर्य चक्र वापस ले लो

बेटे की शहादत के 22 साल बाद भी नहीं दिया गया प्लॉट

नई दिल्ली। वतन के लिए जान फिदा करने वाले वीरों के परिवारों को अगर घोषणा के बाद भी समुचित राहत न दी जाए, या देने में बहुत देर कर दी जाए तो इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या होगा? इन्हीं परिस्थितियों में लखनऊ की रहने वाली 80 वर्षीय की सावित्री सक्सेना ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि या तो उनके बलिदान हुए बेटे को लेकर किए गए वादों को पूरा किया जाए, या फिर मरणोपरांत मिला 'शौर्य चक्र' और अन्य सम्मान वापस ले लिए जाएं।

सावित्री सक्सेना के छोटे बेटे, असिस्टेंट कमांडेंट विवेक सक्सेना 8 जनवरी 2003 को मणिपुर में आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए बलिदान हो गए थे। उनकी इस बहादुरी के लिए उन्हें देश के प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार 'शौर्य चक्र' और 'राष्ट्रपति पुलिस पदक' से सम्मानित किया गया था। विवेक सक्सेना के बलिदानी होने का बाद सरकार की तरफ से परिवार को जमीन और एक स्मारक बनवाने जैसी कई सहायता देने का वादा किया गया था। लेकिन 22 साल बीत जाने के बाद भी परिवार दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक चुका है, और वादे सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। ऐसे में परिवार का आरोप है कि उन्हें बार-बार यह साबित करने के लिए कहा गया कि वे उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं या नहीं। जबकि वे सालों से लखनऊ में ही रहे, यहीं पढ़ाई की, और शहीद बेटे की याद से जुड़ी चीजें भी यहीं एयरफोर्स स्टेशन पर मौजूद हैं।

आर्थिक सम्मान मिलने में भी लग गए 21 साल- इतना ही नहीं गौर करने वाली बात यह भी है कि शौर्य चक्र के साथ मिलने वाली मौद्रिक सहायता परिवार को साल 2024 में जाकर मिली। यानी बेटे की शहादत के पूरे 21 साल बाद। फाइलें अलग-अलग विभागों के चक्कर काटती रहीं और अधिकारी बार-बार वेरिफिकेशन के नाम पर लटकाते रहे। बलिदानी असिस्टेंट कमांडेंट विवेक सक्सेना की मां बतातीं हैं कि उनकी उम्र 80 वर्ष हो चुकी है। इस उम्र में सरकारी दफ्तरों के धक्के खाना उनके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कष्टदायक हो गया है। उनका कहना है कि अब उनमें और भागदौड़ करने की ताकत नहीं बची है।

अधिकारी पूछ रहे अजीबोगरीब सवाल

हद तो तब हो गई जब अधिकारियों ने यह तक पूछ लिया कि शादी से पहले मां कहां रहती थीं। परिवार का सवाल है कि जिस पते पर सरकार ने सालों पहले खुद 75000 रुपये का चेक भेजा था, उसी पते पर आज उनकी नागरिकता पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं?

बरगवां रेल हादसा, दो की मौत, एक गंभीर

सिंगरौली। पमरे के जबलपुर मंडल अंतर्गत सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के कसर इलाके में मंगलवार देर रात रेलवे ट्रैक पार करते समय तीन लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान रैला थाना माड़ा निवासी जगनारायण साहू (45) और झकरकटिया निवासी जगदीश गुर्जर (60) के रूप में हुई है। हादसे में घायल बंधुलाल गुर्जर (31) का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, सिवनी (म.प्र.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमाक /4695/न.पा.प./2026 सिवनी, दिनाक 08/09/2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमाक जारी दिनांक	प्रस्तावित निर्माण कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD _534486_1	किदवई वार्ड में निलेश पालीवाल के मकान से आंगनवाडी तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	30 दिवस 157530	1000 3200	25/09/2026
2	2026_UAD _534487_1	रानी दुर्गावती वार्ड में भगवती अग्रवाल के मकान से राजू यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	30 दिवस 449736	2000 4500	25/09/2026
3	2026_UAD _534488_1	कस्तूरबा वार्ड में आंगनवाड़ी से बड़े शिव मंदिर होते हुये पाण्डेय चौक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	45 दिवस 786024	2000 7900	25/09/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in/ बेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद सिवनी (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

(मेन रोड, फुहारा चौक, गोटेगांव)
E-mail-cmogotegaon@mpurban.gov.in pin 487118 Phone-07794-282048

क्रमांक-522/न.पा./ 2026 गोटेगांव, दिनांक 09/09/2026

नामांतरण इश्तहार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद गोटेगांव जिला नरसिंहपुर क्षेत्रातर्गत निम्नानुसार व्यक्तियों के द्वारा भवन/प्लॉट के नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं इस नामांतरण में यदि किसी भी पक्षकार को कोई आपति व एतराज हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से 20 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति लिखित में प्रमाणों सहित प्रस्तुत कर सकेगा। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	वार्ड	खसरा / मकान नं.	संपत्ति का विवरण	नामांतरण का आधार
1	76	श्री राहुल तिवारी आ. श्री देवेन्द्र तिवारी	श्रीमति अंजू सोनी w/o श्री संतोष कुमार सोनी, श्री अंकित सोनी / संतोष सोनी	देव मुरलीधर वार्ड	280/1/1/1/1 /1/1/1/1/1/1/1/ /1/1/1/1/1/1/1//1	15×50=750 वर्गफुट प्लाट	रजिस्ट्री
2	77	श्री कृष्ण कुमार नामदेव आ. श्री गणेश प्रसाद नामदेव	श्री बहीद खान आ. श्री शेख सलीम खान	बोस वार्ड	111/8/1	3050 वर्गफुट प्लाट	रजिस्ट्री
3	78	श्री गणेश प्रसाद आ. श्री भगवतसिंह लोधी	श्रीमती मधु विश्वकर्मा w/o श्री लीलाधर विश्वकर्मा	कॉमथ वार्ड	262/20	1187 वर्गफुट भवन	रजिस्ट्री
4	79	श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल आ. श्री शिवकुमार अग्रवाल	श्रीमती सरिता शर्मा w/o श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्रीमती निकिता शर्मा w/o श्री अखिलानंद पांडे	श्री देव मुरलीधर वार्ड	283/26/2	10×50=5000 वर्गफुट भवन	रजिस्ट्री
5	80	श्री ब्रजभूषण नेमा आ. कन्छेदीलाल नेमा	श्री सुशील कुमार, संजय कुमार नेमा आ. ब्रजभूषण नेमा	शास्त्री वार्ड	आबादी क्षेत्र	1007 वर्गफुट भवन	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र सहमति पत्र के आधार से

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गोटेगांव

कार्यालय नगरपालिका परिषद, सिवनी (म.प्र.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमाक /4751/न.पा.प./2026 सिवनी, दिनाक 09/09/2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमाक जारी दिनांक	प्रस्तावित निर्माण कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD _534984	वार्ड क्रमांक 06 कबीर वार्ड में प्रेमनगर में शिवनंदन सनोड़िया जी के मकान से श्री नारायण बिसेन जी के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	03 माह 836850	2000 8400	28/09/2026
2	2026_UAD _534985	वार्ड क्रमांक 05 सी.व्ही. रमन वार्ड में श्री सूरज डेहरिया जी के मकान से वृद्धाआश्रम के पीछे तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	03 माह 528569	2000 5300	28/09/2026
3	2026_UAD _534986	वार्ड क्रमांक 01 महामाया वार्ड में पी.जी कॉलेज की बाउड्रीवाल से लेकर सरजू बघेल के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	03 माह 837250	2000 8400	28/09/2026
4	2026_UAD _534987	वार्ड कमांक 06 कबीर वार्ड मे महानंद बिसेन जी के मकान से श्री अनिल पाण्डेय जी के मकान तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	03 माह 566324	2000 5700	28/09/2026
5	2026_UAD _534988	वार्ड कमांक 07 नंदू सोनकेसरिया जी के मकान से अभिषेक पराशर के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य।	03 माह 721613	2000 7300	28/09/2026
6	2026_UAD _534989	वार्ड कमांक 01 महामाया वार्ड में हर्ष नगर में मेन रोड से मुनीम जी के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	03 माह 828880	2000 8300	28/09/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in/ बेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद सिवनी (म.प्र.)

अमेरिका की ओर से तेल टैंकरों पर हमले के बाद

ईरान का पलटवार, होर्मुज में 20 जहाजों पर हमला

तेहरान। मिडिल-ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। बुधवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से ईरान के पांच तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने के बाद तेहरान ने भी पलटवार किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने फारस की खाड़ी में 10 जहाजों, जिनमें दो अमेरिकी जहाज भी शामिल थे, और होर्मुज स्ट्रेट के पास 10 अन्य जहाजों पर हमला किया। इसके साथ ही ईरान ने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर कई मिसाइलें भी दागीं। जॉर्डन के मुताबिक, उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने दागी गई 20 मिसाइलों में से 18 को हवा में ही रोक दिया। इससे पहले सोमवार को ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया था कि उसकी नई कासिम बशीर बैलिस्टिक मिसाइल देश की सैन्य नीति में बदलाव का संकेत है। ईरान ने चेतावनी दी है कि किसी भी खतरे के खिलाफ वह जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रमुख मोहसिन रेजाई ने दावा किया कि इस मिसाइल का परीक्षण एक अमेरिकी युद्धपोत के खिलाफ किया गया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि जिस हथियार का परीक्षण किया गया, वह वास्तव में कासिम बशीर मिसाइल ही थी या नहीं। ईरानी मीडिया ने कासिम बशीर मिसाइल को बड़ी सैन्य कामयाबी बताया है। इस मिसाइल को पिछले साल पेश किया गया था और इसकी मारक क्षमता कम से कम 1,200 किलोमीटर बताई गई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा बिजुरी बाजार एरिया वार्ड नं. 11 हल्का पटवारी बिजुरी, रा.नि.मं. बिजुरी, तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.) स्थित भूखंड/प्लॉट नं. 81, आकार 50×50 फीट, कुल क्षेत्रफल 2500 वर्गफुट है, जिसका विक्रय रूपेश कुमार अग्रवाल पिता स्व. दशरथ प्रसाद अग्रवाल आयु 49 वर्ष निवासी वार्ड 11 बिजुरी थाना बिजुरी द्वारा क्रेता रुद्र कुमार शुक्ला पिता स्व. जयगोविंद शुक्ला आयु 51 वर्ष निवासी वार्ड 11 बिजुरी थाना बिजुरी द्वारा इकरारनामा निष्पादित किया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा अथवा हित हो तो वह उचित दस्तावेजों सहित निर्धारित समय में प्रस्तुत करे। अन्यथा किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
बिजुरी, जिला अनूपपुर

CHANGE OF NAME

I hitherto known as Sampa W/o Ishvar Dhakiya residing at Bhura Pani, Vtc-Khutaja Bada, Po-Badakhuntaja, Sub Dist- Bhavra, Dist-Alirajpur, Madhya Pradesh - 457882, have changed my name and shall hereafter be known as Champa Dhakiya.

कृति

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा बिजुरी बाजार एरिया वार्ड नं. 09, नगर पालिका परिषद बिजुरी, प.ह. बिजुरी, रा.नि.मं. बिजुरी, तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.) स्थित भूखंड/प्लॉट नं. 85, के अंश भाग आकार 30×100 फीट, कुल क्षेत्रफल 3000 वर्गफुट, जिस पर पक्का आवासीय मकान निर्मित है, का विक्रय पवन कुमार गोयनका उम्र 66 वर्ष पिता ब्रम्हदत्त गोयनका निवासी वार्ड 11 काली मंदिर के पास बिजुरी द्वारा क्रेता अजय कुमार शुक्ला आयु 48 वर्ष पिता जय गोविंद शुक्ला एवं कपिल देव शुक्लां आयु 44 वर्ष पिता जय गोविंद शुक्ला दोनो निवासी वार्ड नं.11 बिजुरी थाना बिजुरी द्वारा इकरारनामा दिनांक 08/07/2026 को निष्पादित किया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा अथवा हित हो तो वह उचित दस्तावेजों सहित निर्धारित समय में प्रस्तुत करे। अन्यथा किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
बिजुरी, जिला अनूपपुर

कार्यालय बी पैक्स - बरही पंजीयन क्रमांक - 328

क्रमांक/सा.सम्मिलन /2026 दिनांक 07/09/2026

वार्षिक साधारण सम्मिलन की सूचना

बी पैक्स बरही पंजीयन क्रमांक 328 की वार्षिक साधारण सम्मिलन प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 23.9.2026 दिन बुधवार को समिति कार्यालय बरही में समय 12:00 बजे से प्रशासक महोदय श्री रामचंद्र अहिरवार जी की अध्यक्षता में आयोजित होगी ।

जिसमें संस्था बी पैक्स बरही कार्यक्षेत्रांतर्गत समस्त ग्रामों के कृषक वंधुओं,की उपस्थिती प्रार्थनीय है।

कोरम के अभाव में बैठक स्थगित कर 0.30 घंटे (30 मिनट) बाद पुनः 12.30 बजे से प्रारंभ कर दी जाएगी।

समिति प्रवंधक
बी पैक्स -बरही

जबलपुर विद्युत प्रमंडल कर्मचारी सहकारी समिति मर्यादित जबलपुर

पंजी क्र. - 249/65

क्रमांक 65 दिनांक - 31.08.2026

वार्षिक आम सभा की सूचना

समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि संस्था की वार्षिक आम सभा सोमवार 21.09.2026 को जे.के. सेलिब्रेशन शिवाजी ग्राउंड के सामने सदर, जबलपुर में दोपहर 12:00 बजे से आयोजित है, जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय सूचि
1. विगत आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि । 2. वित्तीय वर्ष 2025-26 की गतिविधि, प्रबंध समिति की बैठकों की जानकारी एवं पुष्टि पावत । 3. संस्था के सदस्यों की आवर्ती जमा राशि पर ब्याज संबंधी। 4. वर्ष 2025-26 के वित्तीय पत्रको का अवलोकन, अनमोदन व ऑडिट संबंधी। 5. वित्तीय वर्ष 2026-27 के कार्यक्रम एवं बजट संबंधी। 6. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।
नोटः 1. कोरम के अभाव में बैठक आधा घंटा रूककर पुनः इसी स्थान पर होगी। 2. कृपया अपने आई.डी. के साथ पधारे। 3. लंच की व्यवस्था।
कृपया अपने क्षेत्र के सदस्यों को व्यक्तिगत रुप से सूचित करने की कृपा करें।

अध्यक्ष
जबलपुर विद्युत प्रमं.कर्म.बह. समिति मर्या. (जे.व्ही.पी.के.एम.एम.)
जबलपुर
र.नं. 1129

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

Change of Name

I Swetabh Sharma, son of Shri Dinesh Kumar Sharma, residing at LIG 8, Puneet Nagar Adhartal Jabalpur, do hereby solemnly affirm and state as follows:
That I am the natural father of Ananya Sharma, studying in Class 10th A at Kendriya Vidyalaya, School Branch COD Jabalpur.
That in my daughter's school records, my name is mistakenly recorded as Shwetabh instead of Swetabh.
That Shwetabh and Swetabh refer to one and the same person, i.e., myself. That my correct legal name is Swetabh, as per my official identity documents Aadhaar No. 2648 1251 0206.
That I request the authorities of Kendriya Vidyalaya to rectify my name from Shwetabh to Swetabh in all school records
That the contents above are true to the best of my knowledge and belief.

Deponent (Swetabh)
R.No. 2136

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

// द्वितीय निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID- 2026_UAD_532971_1 Pro- 553 Date- 09/09/2026	संभाग क्रमांक 02 अंतर्गत विभिन्न मार्गो पर मरम्मत, ग्रिल पेंटिंग व विभिन्न अन्य आवश्यक कार्य।	02 माह 4.23 लाख	2000 4237	18/09/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, नगर पालिक निगम जबलपुर

In The Court Of II Civil Judge Class I Districts court, Katni
Presiding Officer:
श्रीमती मनीषा (जैन) तिवारी
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MUC SUC/0000015/2026)
रामभगत ढीमर ... आवेदक
Vs
रेखा बाई... अनावेदक
Process Id-/ 2026
पेशी दिनांक.:-22/09/2026
प्रो. क्रमांक- 299/26

प्रेषिती-(1) आम जनता पता- कटनी म.प्र.

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामभगत ढीमर पता ने मृतक परमसुख रैकवार एवं दीनदयाल ढीमर दोनों निवासी ग्राम गोदाना तहसील व थाना रीठी जिला कटनी म.प्र. भारतीय जीवन बीमा निगम परमसुख की पॉलिसी क्र. 34576372084 राशि 7000 रूपये एवं दीनदयाल की पॉलिसी क्र. 76001000135 राशि 2,00,000 रूपये राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 22 सितम्बर 2026 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 22 सितम्बर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 31 जुलाई 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - पेपर प्रकाशन
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(मनीषा (जैन) तिवारी)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
कटनी (म.प्र.)

क्रय-विक्रय
न्यायालय तहसीलदार महोदय, तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्रं. 1991/अ-6/26-27
जबलपुर, दिनांक 07.09.2026

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमति हीरा देवी यादव पति स्व. श्री त्रिभुवन सिंह यादव, निवासी 623/अ, त्रिभुवन छाया, स्नेह नगर, पंचमुखी मंदिर के पास, कमला नेहरू नगर वार्ड, अगासोद, जबलपुर म.प्र. के द्वारा ग्राम हिनौतिया, नं.बं. 754, तहसील अधारताल, जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 72 का भाग, रकवा 1973 वर्गफुट भूमि जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख क्रमांक 5071, दिनांक 01/02/2013 के माध्यम से विक्रेतागण श्रीमति ममता नेमा पति स्व. श्री गोविन्द प्रसाद नेमा एवं सुमित नेमा पिता श्री गोविन्द प्रसाद नेमा, निवासी गुडविल अपार्टमेंट, नियर आनंद टॉकीज, जबलपुर से क्रय किया गया। विक्रेतागण के द्वारा उक्त भूमि जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 19.10.1966 के माध्यम से विक्रेता श्री कौपार्य गजानन प्रसाद पिता गंगाराम यादव जी व वहैसियत पिता तथा संरपच की हैसियत से एवं स्वयं गंगाराम पिता तुलाराम यादव, निवासी कांचघर, घमापुर, जबलपुर से क्रय किया गया। विक्रेता गजानन के पिता श्री गंगाराम यादव पिता तुलाराम यादव, निवासी जबलपुर के द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 09/08/1960 के माध्यम से विक्रेता मूलचन्द पिता बाबूलाल सैनी, लाडलीबाई विधवा बाबूलाल सैनी, निवासी कछियाना, गढ़ाफाटक, जबलपुर से तथा मूलचन्द पिता बाबूलाल सैनी, वगैरह के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से मूल विक्रेता रहीमउल्ला शाह से क्रय किया गया। वर्तमान राजस्व अभिलेख में मौजा हिनौतिया के खसरा नं. 72/1/2, रकवा 0.9133 हे. के 860/913 भाग भूमि पर उक्त मूल विक्रेता रहीमउल्ला शाह के वारिसान कलीम उल्ला शाह पिता स्व. श्री रहीम उल्ला शाह, वगैरह, निवासी जबलपुर का नाम दर्ज है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 22/09/2026 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 07/09/2026
पेशी दिनांक - 22/09/2026

तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर
र.नं. 2133

आम सूचना

मैं श्रीमति कला सोनकर पति स्व. श्री ज्ञानचंद्र सोनकर उम्र लगभग 68 वर्ष स्थाई पता-802, बड़ी ओमती जबलपुर वर्तमान पता- मधुवन कॉलोनी तिलहरी जबलपुर मेरे स्वामित्व के 3 मकान, मकान नं. क्रमशः 802, 803, एवं 740 बड़ी ओमती पंडित बाल गंगाधर तिलक वार्ड जबलपुर में स्थित है। जिसमें से मकान नं. 740 किराये पर चलता है जिसका किराया मुझे प्राप्त होता है। तथा मेरे नाम से कलाश्री केबल नेटवर्क संचालित होता है। बड़ी ओमती के आसपास केबल कनेक्शन का किराया लेने की मैं अधिकारी हूं। मेरे द्वारा कुछ दिन पूर्व अपने पोते अनीश व ऋषि सोनकर को केबल का किराया वसूलने के लिए कह दिया था जो अनीश सोनकर ने केबल का किराया मुझे न देकर स्वयं के उपयोग मे खर्च कर लिया है इसलिए इस आम सूचना के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे केबल नेटवर्क का किराया एवं मकान का किराया संबंधित व्यक्ति अनीश सोनकर को न देवें। आज दिनांक से केबल नेटवर्क का किराया और मकान किराया वसूल करने के लिए मैं अपने पुत्र अनिल सोनकर एवं विकास उर्फ चिंटू सोनकर को अधिकृत कर रही हूं। मेरे पुत्रों को ही मकान किराया और केबल नेटवर्क किराया राशि को वसूल करने का अधिकार होगा अनाधिकृत व्यक्ति को किराया भुगतान करने पर संबंधित पक्षकार स्वयं उत्तरदायी होगा।
जबलपुर
दिनांक- 08.09.2024

श्रीमति कला सोनकर
र.नं. 2134 मो.नं. - 9479968932

बीज माफियाओं के खिलाफ 'सीड एक्ट' लाने की तैयारी

नई दिल्ली। देश के अन्नदाताओं को नकली और घटिया बीजों के नुकसान से हमेशा के लिए सुरक्षित करने की दिशा में मोदी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समृद्ध और आत्मनिर्भर किसान के विजन को अमलीजामा पहनाते हुए केंद्र सरकार एक नया और सख्त 'सीड एक्ट' लाने की तैयारी में है। इस कानून को अंतिम रूप देने से पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितंबर को देशभर के प्रमुख किसान संगठनों के शीर्ष नेताओं के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सीड कानून के मसौदे पर सीधे किसानों के जमीनी अनुभव, सुझाव और पक्ष को शामिल करना है ताकि बीज माफियाओं के खिलाफ एक अचूक और प्रभावी व्यवस्था खड़ी की जा सके। प्रस्तावित नए 'सीड एक्ट' के तहत नकली, मिलावटी या घटिया बीज बेचने वाली कंपनियों और कारोबारियों के खिलाफ भारी जुर्माने और जेल की सजा जैसे बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए जा रहे हैं। कई बार खराब बीज के कारण किसान की महीनों की गाढ़ी कमाई और खून-पसीने की मेहनत बर्बाद हो जाती है। केंद्र सरकार का स्पष्ट रुख है कि कानून ऐसा बने जो बीज की गुणवत्ता और पारदर्शी ट्रेसिंग सिस्टम की शत-प्रतिशत गारंटी दे, साथ ही किसानों के पारंपरिक बीजों के अधिकारों की भी रक्षा करे। 10 सितंबर को आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय विमर्श में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के किसान प्रतिनिधि एक मंच पर उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में भारतीय किसान संघ, बीकेयू (विभिन्न घटक), अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति, किसान महापंचायत, भारतीय कृषक समाज, गांव किसान उन्नयन और सोसाइटी फॉर इंडिपेंडेंट फार्मर्स एसोसिएशन का शीर्ष नेतृत्व शामिल होगा। इसके साथ ही कर्नाटक रैयत संघ, तेलंगाना रैयत संघ, महाराष्ट्र का शेतकारी संगठन, गुजरात का खेदुत समाज, राजस्थान व बिहार की राष्ट्रीय किसान प्रोग्रेसिव एसोसिएशन, तमिलनाडु का व्यवसाइगल संघम, झारखंड का प्रगतिशील कृषि मंच तथा केरल के कोट्टायम का कृषक संगठन सहित कई राज्यों के जमीनी किसान प्रतिनिधि भी सीधे कृषि मंत्री के समक्ष अपनी बात रखेंगे।

शराब कांड की होगी न्यायिक जांच

दिलीप कुमार ने संभागायुक्त की कमान संभाली, इरशाद को आईजी का जिम्मा

सागर/भोपाल, देशबन्धु। सागर में अवैध शराब मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं, ताकि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के साथ तथ्यों और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण हो सके। डॉ. यादव के निर्देश पर दिलीप कुमार ने सागर संभाग के आयुक्त के रूप में कमान संभाल ली है। वहीं, इरशाद वली को सागर संभाग की पुलिस की जिम्मेदारी सौंपते हुए आईजी बनाया गया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले से सरकार की सख्त प्रशासनिक कार्यशैली और जवाबदेही तय करने की नीति स्पष्ट होती है। गौरतलब है कि डॉ. यादव का कहना है कि गंभीर मामलों में लापरवाही अथवा अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद चिकित्सा छात्रों का आंदोलन खत्म

स्टाइपेंड में 50 प्रतिशत वृद्धि होगी

बल प्रयोग पर 2 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चिकित्सा छात्रों के स्टाइपेंड में 50 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया है। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान ये जानकारी दी। उन्होंने मीडिया को बताया कि छात्रों की इस मांग पर पहले से ही चर्चा चल रही थी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस विषय पर सतत संवाद कर रहे थे। प्रतिनिधिमंडल ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त हुए आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की और काम पर लौट आए। शुक्ल ने आंदोलन के पहले दिन छात्रों के साथ पुलिस द्वारा बल प्रयोग के मामले में कार्रवाई करते हुए 2 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने युवा चिकित्सकों से ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा भाव और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सेवा करने से चिकित्सकों को वास्तविक परिस्थितियों को समझने और व्यापक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

छात्रों पर कार्रवाई नहीं होगी

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शांतिपूर्वक अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार की घटना नहीं होनी चाहिए। मेडिकल कैंपस में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्र-छात्राओं पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी। घटना में घायल छात्रों के समुचित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

समन्वय से निकला समाधान

प्रशिक्षु, जूडा एवं एमटीए सहित विभिन्न संगठनों के बीच समन्वय और संवाद स्थापित करने में विद्यार्थी परिषद, डॉ. हितेश वाजपेयी एवं एमटीए अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी पक्षों के बीच सकारात्मक संवाद और आपसी सहमति से पूरे प्रकरण का सौहार्दपूर्ण समाधान निकला। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी प्रतिनिधियों को सकारात्मक पहल के लिए बधाई दी। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का आभार व्यक्त किया।

इंदौर में अतिक्रमण हटाने की दौरान हंगामा

एडिशनल डीसीपी को धक्का दिया, 6 हिरासत में

इंदौर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के साउथ टोड़ा इलाके में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हंगामा हो गया। कुछ स्थानीय लोगों ने कथित अवैध निर्माणों को तोड़े जाने का विरोध किया, जिसके बाद मामला बढ़ गया। निगम की कार्रवाई के दौरान एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को एक युवक ने धक्का दे दिया। धक्का लगने से वह जमीन पर गिर पड़े। पुलिस ने हंगामे के बाद 6 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि अतिक्रमण हटाने निगम की टीम पहुंची थी और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौके पर तैनात थे। निगम की 100 से ज्यादा कर्मचारियों की टीम कार्रवाई में जुटी थी। नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम ने बुधवार सुबह एक बडी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने साउथ तोड़ा क्षेत्र में कान्ह नदी किनारे बने 7 पक्के मकान और 45 कारखाने हटाए। ये सभी शासकीय भूमि पर बने हुए थे। कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। निगम के अधिकारियों का कहना है कि कई बार नोटिस देकर लोगों से अवैध निर्माण हटाने के लिए कहा था, बावजूद इसके जब अवैध निर्माण नहीं हटे तो कार्रवाई करना पड़ी, जबकि लोग कह रहे हैं कि उन्हें सामान हटाने का मौका तक नहीं दिया गया

राज्यपाल से मनोनीत मुख्य न्यायाधीश कोगजे ने की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मनोनीत मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे ने बुधवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री कोगजे की पत्नी अर्चना अल्पेश कोगजे उनके साथ थीं। इससे पूर्व लोकभवन आगमन पर मनोनीत मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे का अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे।

संदीप ने महिला एवं बाल विकास आयुक्त का कार्यभार संभाला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संदीप जी.आर. ने बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त का कार्यभार ग्रहण किया। राज्य शासन द्वारा उन्हें इस विभाग के अपर सचिव तथा पदेन मिशन संचालक, अटल बिहारी वाजपेयी बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन का दायित्व भी सौंपा गया है। संदीप वर्ष 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वे छतरपुर एवं सागर जिले के कलेक्टर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। सागर कलेक्टर के रूप में उन्होंने प्रशासन में तकनीक के प्रभावी उपयोग, जनभागीदारी और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए कई अभिनव पहल कीं।

जहरीली शराब कांड : दिग्विजय और राजपूत आमने-सामने

भोपाल, देशबन्धु। सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और मंत्री गोविंद राजपूत आमने-सामने आ गए हैं। दिग्विजय ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया था कि जानलेवा शराब बनाने और बेचने वालों को भाजपा नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों का संरक्षण था। उन्होंने यह भी कहा कि जहरीली शराब मामले में उनके परिजन भी शामिल हैं। इससे नाराज मंत्री

राजपूत ने वीडियो जारी कर कहा कि विपक्ष राजनीति करने के बजाय सच्चाई सामने लाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर बिना तथ्य के किसी व्यक्ति या परिवार को बदनाम करने वाली भ्रामक जानकारी प्रसारित न की जाए, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं और सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि किसी गांव के एक व्यक्ति का संबंध मेरे परिवार से है अथवा वह मेरा रिश्तेदार है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं पुलिस अधीक्षक सागर से स्पष्ट रूप से कहा है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। मंत्री राजपूत द्वारा मंगलवार रात जारी इस बयान के बाद दिग्विजय सिंह ने उनके द्वारा दी गई कानूनी कार्रवाई की चेतावनी के बाद एक बैनर के आधार पर मंत्री राजपूत को घेरा और एक शराब ठेकेदार का नाम उनसे जोड़ दिया।

अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। सिंह ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक जनसमस्या का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े विषयों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आमजन की जनसमस्याओं का समाधान और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

कांग्रेस ने कागजी पार्टियों के चंदा मामले की जेपीसी से जांच कराने की मांग की

चंदे के नाम पर 10 हजार करोड़ की हेराफेरी

- भाजपा ने कई को अपनी सी टीम के रूप में खड़ा किया
- देशभर में ऐसे राजनीतिक दलों की संख्या करीब 3260

नई दिल्ली, देशबन्धु। कागजी पार्टियों के जरिए 10 हजार करोड़ रुपए की हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने इसकी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा ने देशभर में बहुत सारे पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी सी टीम के रूप में खड़ा किया है। बुधवार को कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कुछ दिनों पहले एक मीडिया संस्थान द्वारा प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए कहा कि यह देश का सबसे बड़ा टैक्स घोटाला है। जो तथ्य सामने आए हैं उसमें गंभीर अनियमितता नजर आ रही है, लेकिन सरकार अपने चहेतों को बचाने के लिए कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2025 में एडीआर की रिपोर्ट आई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। झारखंड के कुछ आयकर अधिकारियों ने इस फर्जीवाड़े को आपराधिक मामला बताते हुए मामला दर्ज करने की सिफारिश की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गोहिल आरोप लगाया कि भाजपा ने पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त कई दलों को अपनी सी टीम के रूप में खड़ा किया है, जिनके जरिए टैक्स की चोरी और काले धन को सफेद बनाने का काम किया जा रहा है। देशभर में ऐसे दलों की संख्या करीब 3260 है। इन फर्जी दलों को चंदा देकर

टैक्स चोरी करने वाले बोगस डोनर्स पर आयकर कानून के तहत 200 फीसदी जुर्माना और आपराधिक मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इस फर्जीवाड़े में शामिल चार्टर्ड एकाउंटेंट्स व फर्जी दलों के कर्ता धर्ताओं और चंदा देने वाली कंपनियों के नाम भी सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही यह भी बताया जाए कि इन फर्जी दलों के चलाने वाले कितने लोग अब भाजपा में हैं? गोहिल का कहना था कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत राजनीतिक दलों को दिए गए चंदे पर टैक्स की छूट का प्रावधान है। इसी का दुरुपयोग कर इन फर्जी दलों को 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का चंदा दिया गया। इसके बदले इन फर्जी दलों के लोगों ने दो से 15 फीसदी कमीशन काटकर शेष राशि चंदा देने वालों को लौटा दी। आयकर विभाग और ट्रिब्यूनल ने भी इस फर्जीवाड़े को स्वीकार किया है।

काले धन को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके तहत राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों की जिम्मेदारी थी कि वे राजनीतिक दलों को मिले चंदे और उनके खर्च का पूरा ब्योरा अपनी वेबसाइट पर जारी करते, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। काले धन को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन इस मामले पर अभी तक खामोशी क्यों है? इस मामले की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाए ताकि पूरा सच सामने आ सके।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, KAMALJEET is legally wedded spouse of Army No- TJ006607H Rank- SUB NAME- DARSHAN LAL UNIT-126 INF BN (TA) JAK RIF of Presently residing at Vill BHAGO KAWAN, P/O- MAGAR MUDIAN, TEH-GURDASPUR, DISTT- GURDASPUR, (PB) PIN 143526, शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम मेरे पति के आर्मी रिकार्ड में KAMALJEET दर्ज है जो कि गलत है मेरा सही एवं वास्तविक नाम KAMALJIT है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरे इस नाम को मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में पढ़ा व सुना एवं एवं मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं 79AA 812940 दिनांक 09/09/2026 नोटरी जबलपुर म प्र

गलत नाम - KAMALJEET
सही नाम - KAMALJIT

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ARMY NO 2694632L, RANK- EX NK, NAME- ALEEM KHAN, UNIT- 23 GRENADIERS R/O VILLAGE- KHUNKHUNA STATION, POST- KHUNKHUNA STATION, TEH- DIDWANA DISTT- DIDWANA-KUCHAMAN, STATE- RAJASTHAN PIN- 341318, शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम MOHD ALTAF दर्ज है जो कि गलत है मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम MO ALTAF है जो कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरे पुत्र के इस नाम MO ALTAF को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

गलत नाम - MOHD ALTAF
सही नाम - MO ALTAF

न्यायालय नायब तहसीलदार खम्हरिया वृत्त जबलपुर

रा.प्र.क्र.1433/अ-6/2026-27

आम ईश्तहार

ग्राम जमुनिया तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक संतोष कुमार पिता स्व. पूरन लाल निवासी: बिछिया, बहोरीबंद कटनी ने ग्राम जमुनिया, प.ह.नं. 81 राजस्व निरीक्षक मंडल खम्हरिया स्थित भूमि ख.नं. 181 रकवा 1.630हे. भूमि पर पूरन लाल पिता स्व. मदारी रैकवार निवासी: बिछिया बहोरीबंद कटनी के नाम भूमिस्वामी हक है। यह कि भूमिस्वामी पूरन लाल पिता स्व. मदारी रैकवार सा. देह की मृत्यु दिनांक 16/07/2025 है जिसके अनुसार पूरन फौत के वारसान पत्नी श्रीमती मीना बाई, पुत्र संतोष कुमार, मनोज कुमार, पुत्री स्व. अंजू, भारती बर्मन और मृतक अंजू के विधिक वारसान पुत्री रागिनी, सलोनी, महक, पुत्र दीपक बर्मन, लकी, आशीष बर्मन है जिसके अनुसार विधिक वारसान का नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया है।

अतः उक्त भूमि के फौती नामांतरण तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 23.9.26 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी दिनांक व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

इश्तहार आज दिनांक 8.9.26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया ।

जारी दिनांक 08/09/2026
पेशी दिनांक 23/09/2026

नायब तहसीलदार
खम्हरिया वृत्त जबलपुर
र.नं. 2138

नवाम्बे कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बरेला जबलपुर

बी.ए.बी.एड. हेतु एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार

आवश्यकता

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्ध कॉलेज में बी.ए.बी.एड. पाठ्यक्रम में परिनियम कॉलेज कोड-28 के तहत सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति हेतु आवेदक अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं दो छायाचित्रों के साथ कॉलेज कार्यालय या सिटी ऑफिस जबलपुर में जमा करें।

क्र.	पद विवरण	पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव
01	हिन्दी	01	एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार तथा संबंधित विषय में -
	अंग्रेजी	01	* स्नातकोत्तर -55%
	अर्थशास्त्र	01	* एम.एड./एम.ए. (शिक्षा)-55%
	राजनीति शास्त्र	01	* पी.एच.डी./नेट/स्लेट
	इतिहास	01	
	मनोविज्ञान	01	
02	ललित कला	01	एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार संबंधित विषय में स्नातकोत्तर 55%
03	प्रदर्शन कला संगीत/नृत्य	01	एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार संबंधित विषय में स्नातकोत्तर 55%

नोट :- उपरोक्त पद के लिए चयन एवं वेतन UGC/NCTE के नियमानुसार किया जाएगा। आवेदन पत्र कॉलेज के पते पर दिनांक 16/9/2026 तक स्वयं या डाक द्वारा कार्यालयीन समय में सत्यापित दस्तावेजों के साथ जमा करें।

ऑफिस का पता :-1. नवाम्बे कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पुरवा बरेला, जबलपुर 2. सिटी ऑफिस : नवाम्बे भवन 39, मित्रा अपार्टमेंट, रसल चौक, जबलपुर अस्पताल के सामने, जबलपुर।

अधिक जानकारी के लिए: Website: www.navambey.org/Email: navambey003344@gmail.com

प्राचार्य
0761-2450410,9617222225

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्रं.स.अधि./सं.क्र. 12/ 2026-27/ एम/23 दिनांक 21.08.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती अंकिता यादव पति श्री चन्द्रकांत यादव ने मकान नं. 530 वार्ड- पं. मदन मोहन मालवीय, कुल क्षेत्रफल 805 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 1300 व.फु. भूतल 700 व.फु. प्रथम तल 600 व.फु. पर विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक -12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर
र.नं. 2137

न्यायालय अति. तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र./ 1650/ अ-6/ 2025-2026
जबलपुर, दिनांक ....

// आम इश्तहार //

एदत् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राबिन्स मेहरा पिता रविनंदन मेहरा निवासी- माढ़ोताल द्वारा मौजा करमेता नं.बं..... प.ह.नं....... राजस्व निरीक्षक मंडल माढ़ोताल में स्थित खसरा नं.462/13 का भाग रकवा 1500 वर्गफुट/हे.भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा/ बंटवारानामा क्रं.33829/4 दिनांक 07/6/19 के माध्यम से क्रय की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में भूमि श्रीमती कौशल्या बाई झारिया पिता/ पति स्व. वाला प्रसाद मेहरा के नाम दर्ज हैं तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक......... तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-17/08/26
पेशी दिनांक- 03/09/26

सील
अति. तहसीलदार
अधारताल,जबलपुर

न्यायालय अति. तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र./ 0482/ अ-6/ 2026-27
जबलपुर, दिनांक ....

// आम इश्तहार //

एदत् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री छगनलाल केवट पिता एस.पी. केवट निवासी- काँचघर, भोला भवन, हाईकोर्ट रोड द्वारा ग्राम रिमझा नं.बं..... प.ह.नं....... राजस्व निरीक्षक मंडल जबलपुर में स्थित खसरा नं.04 का भाग रकवा 1100 वर्गफुट/ हे.भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा/ बंटवारानामा क्रं. .... दिनांक ..... के माध्यम से क्रय की गई भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में भूमि श्रीमती सावित्री केवट पति श्री छगनलाल केवट के नाम दर्ज हैं तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक......... तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-17/08/26
पेशी दिनांक......

सील
अति. तहसीलदार
अधारताल,जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार खम्हरिया वृत्त, जबलपुर

रा. प्र. क्र. 1656/अ-6/2026-27

// आम इश्तहार //

ग्राम लहंगी तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक सुरेन्द्र ज्योतिकी पिता श्री अरविंद ज्योतिकी निवासी- ग्राम पडवार, जबलपुर ने ग्राम हिनौतिया, प.ह.न. 82, राजस्व निरीक्षक मंडल खम्हरिया स्थित भूमि ख.न. 223/3 रकवा 0.39 हे. भूमि पर अतुल कुमार ज्योतिकी पिता अरविंद ज्योतिकी, नितेश नामदेव पिता किशोर नामदेव सा. देह के नाम भूमिस्वामी हक है। यह कि भूमिस्वामी अतुल कुमार ज्योतिकी पिता अरविंद ज्योतिकी की मृत्यु दिनांक 14/08/2026 है। जिसके अनुसार अतुल कुमार ज्योतिकी पिता अरविंद ज्योतिकी अओलांद फौत है जिसके अनुसार विधिक वारसान का नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया है। अत: उक्त भूमि के फौती नामांतरण तत्संबंध में जिसे किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 23.09.2026 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी दिनांक व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जाऐगा। इश्तहार आज दिनांक 08.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 08.09.2026
पेशी दिनांक- 23.09.2026

नायब तहसीलदार
खम्हरिया वृत्त जबलपुर

स्पेलिंग सुधार सूचना

मैं रूचि तोमर (Ruchi tomar) पिता खूबचंद खटीक निवासी- बी-17, साकार उदय तुलसी नगर जबलपुर म.प्र. पिन 482002 शपथ पूर्वक घोषणा करती हूँ कि मेरी 10वीं की मार्कशीट में मेरे नाम की स्पेलिंग रूचि तोमर (Ruchi tomer) दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे आधारकार्ड, पेनकार्ड एवं बैंक में मेरा नाम रूचि तोमर (Ruchi tomar) दर्ज है जो कि सही है यह कि रूचि तोमर (Ruchi tomar)एवं रूचि तोमर (Ruchi tomer)एक ही व्यक्ति अर्थात मुझ शपथकर्ता के ही नाम है अतः अब से मेरे नाम की स्पेलिंग रूचि तोमर (Ruchi tomer) के स्थान पर सही स्पेलिंग रूचि तोमर (Ruchi tomar) जानी,जावें व दर्ज की जाये।

गलत स्पेलिंग/ नाम - रूचि तोमर (Ruchi Tomer)
सही स्पेलिंग/ नाम - रूचि तोमर (Ruchi Tomar)

CHANGE OF NAME

I, PRAMOD is real/ legally FATHER of Army No. - 15718755Y, Name - NAGRALE KULDIP PRAMOD, Rank - Nk, Unit - 1TTR, Home - address Mohalla - GADGENAGAR, Village - NACHANGAON, Post - PULGAON, Teh - DEOLI, Dist - WARDHA, State - MAHARASHTRA, Pin - 442302., I have changed my Name from PRAMOD to PRAMOD PUNDLIKRAO NAGRALE Vide Affidavit No. BY 585654 Dated 09/09/2026 before Notary, Jabalpur (MP).

INCORRECT NAME
PRAMOD
CORRECT NAME
PRAMOD PUNDLIKRAO NAGRALE

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1965/अ-6/2026-27
जबलपुर दिनांक 27/08/2026

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष कुमार राठौर उम्र 56 वर्ष पिता स्व. सुन्दर लाल राठौर निवासी 578, आनंद कॉलोनी, संग्राम कॉलोनी, उखरी रोड, चेरीताल, बल्देवबाग, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर, प.ह.नं. 04, स्थित खसरा नं. 216/1, 217/1, प्लाट नं. 11. रकवा 1225 वर्गफुट है। जिसमें वीरेन्द्र प्रताप सिंह पिता शिव नारायण सिंह का नाम दर्ज है। आवेदक के पिता स्व. सुन्दर लाल राठौर की मृत्यु दिनांक 14/11/1998 एवं आवेदक की मां स्व. हेमा बाई राठौर की मृत्यु दिनांक 24/12/2009 तथा आवेदक का भाई स्व. सुरेश चन्द्र राठौर की मृत्यु दिनांक 14/01/2007 को हो चुकी है। स्व. सुरेश चन्द्र राठौर की पत्नि स्व. मधु राठौर की मृत्यु दिनांक 04/02/2008 को हो चुकी है। आवेदक द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर फौती नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक... तक कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 27/08/2026
पेशी दिनांक- 15/09/2026

तहसीलदार,
अधारताल जबलपुर
र.नं. 2139

नाम सुधार सूचना

मैं दीन दयाल गोंड पिता रघुनाथ सिंह गोंड निवासी मकान नंबर 371 लालमाटी शुक्ला होटल के पीछे वार्ड 46 पं. द्वारिका प्रसाद मिश्रा जबलपुर मध्य प्रदेश-482001 शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं कि, 1. मेरी पुत्री का सही नाम आस्था गोंड (AASTHA GOND) है, आधार में त्रुटिवश मेरी पुत्री का नाम आस्था गोंड (AASTHA GAUND) अंकित हो गया है। अतः प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री का सही नाम आस्था गोंड (AASTHA GOND) के नाम से जाना पहचाना एवं सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में यही नाम दर्ज किया जावे।

(गलत नाम)
आस्था गोंड
(AASTHA GAUND)
(सही नाम)
आस्था गोंड
(AASTHA GOND)

दिनांक - 09.09.2026
स्थान- जबलपुर
R.No. 2135

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्र. 1861/अ-6/2026-27
जबलपुर दिनांक 09/09/2026

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका- श्रीमती उषा खंडेलवाल उम्र 73 वर्ष पति स्व. सुरेश खंडेलवाल निवासी 127, उखरी रोड, जगदम्बा कॉलोनी, गुप्ता किराना के पास, बल्देवबाग, जबलपुर म.प्र. द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर, प.ह.नं. 04, रा.नि.मं. लक्ष्मीपुर, तह. अधारताल जिला जबलपुर स्थित खसरा नं. 226/1/32/1/1/1/1/1/1/2/1/1, रकवा 2300 वर्गफुट है। मेरे पति स्व. सुरेश खंडेलवाल की मृत्यु दिनांक 20/06/2010 को हो चुकी है। उक्त भूमि में लक्ष्मी कालोनाईजर का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 24/09/26 तक कार्यालय तहसीलदार तहसील अधारताल महोदय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 09/09/2026
पेशी दिनांक- 24/09/2026

तहसीलदार,
अधारताल जबलपुर
र.नं. 2140

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

(फौती)

रा.प्र.क्रं/973/अ-6/2026-2027

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक माखन प्रजापति पिता गोपाल प्रसाद प्रजापति नि. गुप्ता भवन शीतलामाई जबलपुर ने मौजा घमापुर नजूल ब्लाक नं./डाय. शीट नं. 128 प्लाट नं. 53 रकवा 1010 व.फु. खसरा नं. ... रकवा .... व.फु./हे. पर वारसान हक दिनांक .... के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 29/09/2009 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल घमापुर ब्लाक नं. 128 प्लाट नं. 53 रकवा 1010 व.फु./हे. ग्राम .... प.ह.नं. .... खसरा नं. .... रकवा ... व.फु./हे. पर बैजनाथ वल्द कालका प्रसाद, विमला बाई बेवा गोपाल प्रसाद राज कुमार माखन वल्द स्व. गोपाल प्रसाद सा. घमापुर का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 15/09/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 27/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 27/08/2026
पेशी दिनांक 15/09/2026

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 2141

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

(फौती)

रा.प्र.क्रं/993/अ-6/2026-2027

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित खरे पिता स्व. प्रकाश चंद खरे निवासी 1401 बचउ का बाड़ा कांचघर जबलपुर ने मौजा सिविल लाईन नजूल ब्लाक नं./डाय. शीट नं. 26 प्लाट नं. 3/5 ए-5 रकवा 980 व.फु. खसरा नं. ... रकवा .... व.फु./हे. पर वारसान हक दिनांक .... के आधार पर क्रेता/खातेदार की मृत्यु दिनांक 02/07/26 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल सिविल स्टेशन ब्लाक नं. 26 प्लाट नं. 3/5 ए-5 रकवा 98 व.फु./हे. ग्राम .... प.ह.नं. .... खसरा नं. .... रकवा ... व.फु./हे. पर प्रकाशचंद खरे आत्मज रामशरण खरे सा. लाइन जी.सी.एफ. का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 15/09/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 01/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 01/09/2026
पेशी दिनांक 15/09/2026

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 2141

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./3484/अ-6/2026-2027
जबलपुर, दिनांक ....

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक वर्षा यादव पिता स्व. धनीराम यादव निवासी हाउस नं 236/1 कंछीपुरम मढई व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर के द्वारा मौजा नंदनीरोंसरा में स्थित खसरा नं 79 ऐरिया 0.2400 हे. भूमि में से आवेदिका के पिता स्व. धनीराम यादव पिता खुशी राम की मृत्यु दिनांक 08/07/2022 एवं माता आनन्दी यादव पिता स्व. वैधराज की मृत्यु दिनांक 17/07/2007 को हो चुकी है। जिस संबंध फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 23/9/26 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 07/09/2026
पेशी दिनांक - 23/09/2026

अतिरिक्त तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

जबलपुर, गुरूवार, 10 सितम्बर 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नस्लीय नफरत का शिकार समाज

भारत जैसे उदार समझे जाने वाले देश में नफरत को इस कदर बढ़ावा दिया जा चुका है कि आम जनता के बीच से ही कुछ लोग हत्या जैसे जघन्य अपराध को करने में नहीं झिझक रहे हैं। राजधानी दिल्ली में बीते दिन मणिपुर के चर्चित गिटारिस्ट और संगीत शिक्षक चोंगथाम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला इसका ताजा उदाहरण है। चोंगथाम विक्रम सिंह का कसूर केवल इतना था कि उन्होंने अपने घर के पास शोर मचा रहे कुछ लोगों को टोका। हो सकता है टोकने का यह मामला हत्या तक नहीं पहुंचता, लेकिन चोंगथाम विक्रम सिंह का पूर्वोत्तर से होना क्या इस हत्या का एक अहम कारक बना है, इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा। राज्य और केंद्र की सत्ता पर बैठी भाजपा सरकार ने तो इसमें नस्लीय नफरत के नजरिए तो फौरन खारिज कर दिया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, जो खुद पूर्वोत्तर से आते हैं, का कहना है कि इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए, चोंगथाम विक्रम सिंह पूर्वोत्तर से हैं, ऐसा न देखकर ये देखना चाहिए कि वे भारतीय थे।

ऐसी बात सुनने में तो बहुत आदर्शवादी लगती है और कायदे से होना भी यही चाहिए, लेकिन किरण रिजिजू को ईमानदारी से बताना चाहिए कि क्या मोदी सरकार में ऐसा ही होता है। क्योंकि दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में पूर्वोत्तर के लोगों को लगातार नस्लीय हिंसा या उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। उत्तराखंड में ही पिछले साल 9 दिसंबर को त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा को चाइनीज़ और मोमो जैसे अपमानजनक शब्द कहते हुए पीट-पीट कर मार दिया गया था। इसलिए विक्रम सिंह मामले में यह पड़ताल भी करनी ही चाहिए कि इसके पीछे नस्लीय हिंसा थी या नहीं।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की दुखद मौत के लिए जिम्मेदार हमले की घटना से हम लोग बहुत परेशान हैं। इस घटना ने राजधानी में उत्तर-पूर्वी लोगों द्वारा झेली गई क्रूरता के दर्दनाक घावों को एक बार फिर से हरा कर दिया है। इसी तरह मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी समेत सामने आ रहे सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ तेजी से उचित कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित को जल्द न्याय मिलना चाहिए। क्या भाजपा इन लोगों के बयानों को भी राजनीति बताएगी, क्योंकि ये तो एनडीए नेताओं के ही बयान हैं।

वैसे ऐसी हरेक घटना पर राहुल गांधी की बात ही याद आती है कि नफरत का केरोसिन छिड़का जा चुका है और चिंगारी लगाने की देर है। कुछ वक्त पहले तक शायद इस चिंगारी को सुलगाने वाले लोगों को कानून का कुछ डर तो रहता ही होगा, लेकिन अब ये बेखौफ आग लगा रहे हैं, क्योंकि ऐसे आपराधिक तत्व कहीं न कहीं आश्वस्त हैं कि सत्ता में बैठे लोग उन्हें बचा ही लेंगे। दिल्ली में एक दलित को पीटने वाले स्वतंत्र भारद्वाज ने यही कहा था कि उसे पुलिस नहीं पकड़ेगी, क्योंकि मोदीजी उसके बड़े भाई हैं। देश में अब हर गली-कूचे में स्वतंत्र भारद्वाज जैसे लोगों का बढ़ जाना समाज के लिए काफी चिंताजनक है। क्योंकि अब बात केवल हिंदू-मुसलमान, दलित-स्वर्ण तक सीमित नहीं रही, समूचे समाज को यह नफरत लील रही है।

गौरतलब है कि 54 वर्षीय चोंगथाम विक्रम सिंह पिछले 17 वर्षों से दिल्ली में संगीत सिखाने का काम कर रहे थे। उन्हें मणिपुर के संगीत जगत में एक चर्चित गिटारिस्ट और पश्चिमी संगीत के प्रमुख कलाकारों में गिना जाता था। रविवार रात करीब 11:30 बजे उन के घर के पास कुछ लोग शोर-शराबा कर रहे थे। इनमें आसपास के ढाबों में काम करने वाले डिलीवरी और पैकेजिंग कर्मचारी भी शामिल थे। चोंगथाम विक्रम सिंह ने उन लोगों से शोर मचाने से मना किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि सिंह अपने घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा किया और इमारत की तीसरी मंजिल तक पहुंचकर उनके साथ उनको बेरहमी से पीटा। उनकी पत्नी और बेटे ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में तो लिया है, लेकिन इसके बावजूद उनके परिवार समेत पूर्वोत्तर के लोगों को नाइंसाफी की आशंका है। यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या गिरफ्तारी के साथ-साथ पूर्वोत्तर के नागरिकों की सुरक्षा और नस्ली भेदभाव से जुड़ी व्यापक समस्या पर भी सरकार ठोस कार्रवाई करेगी? क्योंकि अब तक ऐसी कोई मिसाल मोदी सरकार ने नहीं दी है।

नरेन्द्र मोदी को अपने प्रचार कार्यक्रमों में व्यस्त हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एक पिता की अपने ही घर के बाहर, देश की राजधानी में हत्या कर दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी कई घटनाओं के बाद दिल्ली में रहने वाला पूर्वोत्तर का हर परिवार आज खुद से पूछ रहा है- 'क्या हम यहां सुरक्षित हैं?' राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह का गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस इस बढ़ती अराजकता को रोकने के लिए क्या कर रहे हैं, खासकर पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ? तत्काल जांच होनी चाहिए और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

राहुल गांधी तो अपनी जवाबदेही निभा रहे हैं, सरकार कब काम करना शुरु करेगी इसका इंतजार है।

सिमोन द बुवा के देश में नारी उत्पीड़न

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

20वीं सदी के फ्रांस में वैश्विक नारीवाद की अहम किरदार थीं- सिमोन द बुवा। नारी सशक्तीकरण पर उनके मौलिक और क्रांतिकारी विचारों पर दुनिया में आज भी मंथन होता है। सिमोन द बुवा की सुप्रसिद्ध किताब है 'द सेकंड सेक्स'। इस किताब में सिमोन कहती हैं कि औरत पैदा नहीं होती है, बल्कि समाज औरत को गढ़ता है। वह बार-बार इस पर ज़ोर देती हैं कि हमारा धर्म, हमारी संस्कृति, हमारा समाज, लड़कियों को मजबूर करता है 'स्त्री' बनने के लिए। सिमोन का कहना है कि इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि हमारे धर्म में औरतों की भी पूजा होती है। धर्म तो वास्तव में आदमियों के द्वारा बनाया हुआ एक तरीका है औरतों पर शासन करने का।

फ्रांस ने दुनिया को केवल सिमोन द बुवा जैसी अद्भुत नारीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं दी, बल्कि उनसे पहले फ्रांसीसी क्रांति ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अद्भुत विचार दुनिया को दिया। यही लोकतंत्र की नींव बना और भारत के संविधान की बुनियाद भी इसी पर टिकी है। अब इसी फ्रांस में मानवता के लिए जरूरी इन मूल्यों पर कुठाराघात करने का काम किया है बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था यानी बीएपीएस ने। पाठकों को बता दूं कि गुजरात के बोचासन से इस संस्था का संबंध है। अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था का है। हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी।

इस संस्था के कहां कितने मंदिर बनते हैं यह अलग मुद्दा है। लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस संप्रदाय में महिला से दूरी बनाए रखने, महिला के साथ अकेले में बात न करने आदि के नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन इससे जुड़े लोग करते हैं। यह भी उनका निजी मामला है कि वे महिला से बात करें न करें। लेकिन पेरिस में मंदिर उद्घाटन के लिए संस्था का जो प्रतिनिधि मंडल पेरिस गया था, उसमें करीब 100 लोग एफिल टावर देखने पहुंचे तो उनके कहने पर वहां पहले बाकायदा महिला कर्मचारियों को हटाया गया।

एफिल टावर की कर्मचारी यूनियन की प्रतिनिधि डायने डावोइन के अनुसार, जब प्रतिनिधि मंडल टावर के अंदर से गुजर रहा था, तब महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटने के लिए कहा गया ताकि उनकी जगह पुरुष कर्मचारी खड़े हो सकें। कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ महिलाओं को अपनी पोस्ट छोड़कर दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया, जबकि कुछ स्थानों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। महिला कर्मचारियों को प्रतिनिधि मंडल की मौजूदगी के दौरान कुछ खास इलाकों में जाने या उन्हें पार करने से भी रोका गया।

> **जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा।**

जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटेगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा। गौरतलब है कि एफिल टावर दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और इसकी वेबसाइट के अनुसार यहां हर साल करीब 70 लाख लोग आते हैं। फिलहाल पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोआर ने मामले की जांच कराने की घोषणा की है। जबकि एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी एसईटीई ने माना कि हिंदू प्रतिनिधि मंडल की ओर से महिलाओं के साथ बातचीत या संपर्क को सीमित रखने की मांग की गई थी। कंपनी ने कहा कि ऐसी शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। एसईटीई के अध्यक्ष एरियल वेल ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा कि एफिल टावर फ्रांस के गणतांत्रिक मूल्यों तथा महिला और पुरुषों की समानता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था उसके मूल्यों और लैंगिक समानता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी तथा मामले में जांच की जाएगी। वहीं फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष याएल ब्राउन-पिवे ने भी घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों की मांग पूरी करने के लिए महिलाओं को पीछे हटने या सार्वजनिक जीवन से 'अदृश्य' होने के लिए नहीं कहा जा सकता। उनका कहना था कि दूसरे लोगों का स्वागत करने का अर्थ यह नहीं है कि फ्रांस अपने मूल्यों से समझौता करे। फ्रांस की समानता मंत्री ऑरोर बर्जे ने भी कहा कि फ्रांस में महिलाओं से खुद को 'मिटा देने' या पीछे हटने के लिए नहीं कहा जाता और कोई भी धार्मिक विचार गणराज्य के कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। फ्रांसीसी सरकार को यह देखने की भी जरूरत है कि उनके भीतर ऐसे कौन लोग बैठे हैं जिन्होंने महिला से दूर रहने जैसे संकीर्णतावादी विचार को बढ़ावा देने में मदद की। बीएपीएस का तो कहना है कि उसका प्रतिनिधि मंडल बड़ा था, इसलिए उसने एफिल टावर में व्यवस्था को बदलने कहा, लेकिन उसमें लैंगिक भेदभाव की बात नहीं थी। लेकिन जब टावर संचालन करने वाली कंपनी ही मान रही है कि बीएसपीएस की शर्तों को नहीं मानना चाहिए था, तो जरूर कहीं न कहीं लैंगिक भेदभाव हुआ ही होगा। बहरहाल फ्रांस तो इस मामले की जांच अपनी तरह से कर ही लेगा और जिस देश की बुनियाद उदार मानवतावादी मूल्यों पर पड़ी हो, वह खुद को दुरुस्त कर भी लेगा। लेकिन भारत इस वैश्विक शर्मिंदगी से कब और कैसे उबरेगा, यह एक बड़ा सवाल है।

बीएसपीएस का मंदिर पेरिस में बना तो नरेन्द्र मोदी ने इसे ग्रेट जॉय बताया था, तो क्या इस घटना के बाद उन्हें ग्रेट शेम महसूस नहीं हुई। क्योंकि बीएपीएस से उनकी नजदीकी बरसों पुरानी है। मोदी का वैवाहिक जीवन कैसा रहा और शादीशुदा होने के बावजूद वे अकेले क्यों रहते हैं, यह उनका निजी मामला है। लेकिन वैश्विक स्तर पर जब एक भारतीय धार्मिक संस्था पर महिलाविरोधी होने के आरोप लगते हैं, तो बतौर प्रधानमंत्री क्या उन्हें बीएपीएस से अपने संबंधों को स्पष्ट नहीं करना चाहिए।

वैसे बीएपीएस को भी इस बात पर विचार करना चाहिए कि अगर उन्हें महिलाओं से तकलीफ है, उन्हें देखना भी उनके नियमों में गवारा नहीं है, तो फिर दुनिया भर में मंदिर बनवाने निकले ही क्यों हैं। दुनिया से महिलाओं को तो गायब नहीं किया जा सकता। हो सकता है ये पूरा प्रतिनिधि मंडल चार्टर्ड फ्लाइट से पेरिस गया हो, जिसमें परिचारक ही रहे हों, परिचारिकाएं नहीं। लेकिन फिर वे पेरिस में मंदिर बनवा कर उसी फ्लाइट से भारत वापस आ जाते, उन्हें एफिल टावर या किसी भी विश्वप्रसिद्ध स्थल को देखने की जरूरत ही क्या है।

हमेशा की तरह इस बार भी इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कोई बयान या प्रतिक्रिया नहीं आया है। उन्होंने राष्ट्रपति पद को सही अर्थों में रबर स्टैम्प ही बना दिया है, जो केवल मोदी सरकार के हर फैसले, हर बात पर मुहर लगाती है। याद कीजिए कि जब उन्हें राष्ट्रपति बनाया गया था तो भाजपा ने इस बात का बड़ा श्रेय लिया था उसके शासन में देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिली है। लेकिन उनकी आदिवासी या महिला पहचान से देश में इन वर्गों की वस्तुस्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। मोदी सरकार में दलित, आदिवासी, मुसलमान, और महिला उत्पीड़न के मामले बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कभी ऐसी घटनाओं पर सार्थक हस्तक्षेप किया हो, याद नहीं पड़ता।

असलियत से ज़्यादा गणितीय हो सकती है भारत की तेज़ विकास दर

■ नन्तू बनर्जी

ऊर्जा की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव, क्षेत्रीय आपूर्ति में रुकावट, कम निवेश और बढ़ते व्यापार प्रतिबंधों की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है। ऐसे में, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की रिकॉर्ड वास्तविक जीडीपी विकास दर कुछ ज़्यादा ही अच्छी लग रही है। आर्थिक नज़रिए से भारत में वित्त वर्ष की पहली तिमाही को आम तौर पर 'धीमी विकास वाला समय' माना जाता है। देश की आधिकारिक आर्थिक विकास दर ने पहली बार एक बड़ा राजनीतिक और आर्थिक विवाद खड़ा कर दिया है। जीडीपी की तेज़ विकास घरेलू निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) और बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करने जैसे कमज़ोर संकेतकों को नहीं दिखाती है। यह ज़मीनी हकीकत को भी नहीं दिखाती है, जैसे कि ऊर्जा और खाद की ज़्यादा कीमतें, जो लगभग सभी सामान, औद्योगिक उत्पादों और लोगों की खपत की कीमतों पर असर डाल रही हैं। महंगाई को हटाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'इम्प्लिसिट प्राइस डिफ्लेटर'- खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नकारात्मक डिफ्लेटर – ने असली महंगाई को कम करके दिखाया है। आम नज़रिए से, बताई गई तेज़ आर्थिक विकास दर असलियत में ज़्यादा गणितीय लग सकती है।

देश की वास्तविक जीडीपी विकास दर दुनिया के रूझान के बिल्कुल उलट है। ओईसीडी ग्लोबल इकानॉमिक आउटलुक के विस्तृत अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की आर्थिक विकास दर 2026 में धीमी होकर अनुमानित 2.6 प्रतिशत से 2.7 प्रतिशत हो रही है, जो पिछले सालों की तुलना में कम है। यह सुस्ती मुख्य रूप से ऊर्जा की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव, क्षेत्रीय आपूर्ति में रुकावट, कम निवेश और बढ़ते व्यापार प्रतिबंधों के कारण है। ये कारक आम तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल रहे हैं। इस साल दुनिया की आर्थिक विकास दर पर मुख्य दबाव ऊर्जा के झटकों, बढ़ते व्यापार अवरोधों और ज़्यादा कर्ज़ और उधार का है। भू-राजनीतिक संघर्षों ने, खासकर पश्चिम एशिया में, ईंधन और गैस की आपूर्ति को कम कर दिया है, जिससे सभी स्तरों पर उत्पादन और खपत की लागत बढ़ गई है और महंगाई को बढ़ावा मिला है। एकतरफा टैरिफ उपायों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बिखराव ने सामान के व्यापार की मात्रा के अनुमानों को कम कर दिया है। उधार लेने की ज़्यादा लागत राजकोषीय गुंजाइश को सीमित कर रही है, खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए। भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, मार्च 2026 के आखिर में भारत का कुल विदेशी कर्ज़ 762.8 अरब तक पहुंच गया, जो पिछले साल के मुकाबले 26.3 अरब ज़्यादा है। इससे कर्ज़-जीडीपी अनुपात 20.8 प्रतिशत हो गया, जो कुल विदेशी देनदारियों में बढ़ोतरी को दिखाता है।

ऊंची ब्याज दरों और व्यापार में बदलावों की वजह से अमेरिकी जीडीपी की विकास दर धीमी होकर लगभग 1.5-2.0 प्रतिशत रह गई है। ऊर्जा पर ज़्यादा निर्भरता और स्थानीय औद्योगिक रुकावटों के कारण यूरो क्षेत्र की आर्थिक विकास दर 0.5 से 1.3 प्रतिशत के आसपास सुस्त बनी हुई है। घरेलू संरचनात्मक बदलावों के बीच चीन की अर्थव्यवस्था की रफ़्तार धीमी होकर लगभग 4.5-4.6 प्रतिशत हो गई है। मौजूदा साल में, दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाएं -अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान और यूके – 2.5 प्रतिशत से कम की बहुत धीमी रफ़्तार से आगे बढ़ रही हैं, जबकि छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत, 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.8 प्रतिशत की मज़बूत वास्तविक जीडीपी दर दिखा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी को 81.36 लाख करोड़ आंका, जो वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 75.46 लाख करोड़ था। इससे 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर मिली, जो रिज़र्व बैंक के 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है।

स्वतंत्र विश्लेषक और आलोचक बताते हैं कि आधार वर्ष बदलने, पुराने डेटा में संशोधन करने और पुराने आंकड़ों को नए इंडेक्स तरीकों के साथ मिलाने से साल-दर-साल प्रतिशत के नतीजों में बढ़ोतरी दिख सकती है। कुछ वैकल्पिक व्याख्याओं का तर्क है कि अगर पुराने या बेमेल आधार समायोजन को हटा दिया जाए, तो कुछ खास सब-सेगमेंट में वास्तविक विकास दर कम दिखती है। हालांकि, सकारात्मक पक्ष यह है कि सेवा और हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र उत्साहजनक रफ़्तार दिखा रहे हैं, जबकि प्राथमिक कृषि और ग्रामीण सेक्टर अपेक्षाकृत सुस्त बने हुए हैं (तीन प्रतिशत से कम की विकास दर के साथ)। वास्तविक रूप में सकल जमा पूंजी के निर्माण में 11.9 प्रतिशत की तेज़ी आई, जो तेज़ी से क्षमता बढ़ाने, निजी पूंजीगत व्यय और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार खर्च का संकेत है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन में 9.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिसमें बिजली और परिवहन उपकरण के क्षेत्र में हुई भारी बढ़त का अहम योगदान रहा। तृतीयक सेवा क्षेत्र में 10 प्रतिशत का विस्तार हुआ, जिसमें वित्तीय, जमीन जायदाद, आईटी और पेशेवर सेवाओं (जो 12.1 प्रतिशत की दर से बढ़ीं) की बड़ी भूमिका रही। निजी अंतिम उपभोग खर्च में 7.1 प्रतिशत की स्थिर वास्तविक वृद्धि बनी रही, जिससे घरेलू बाजार बाहरी वैश्विक चुनौतियों के असर से बचा रहा।

भारत ने अपने जीडीपी के आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। इसके साथ ही, जीएसटी, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण और अनिगमित क्षेत्र के उद्यम के सालाना सर्वेक्षण जैसे आधुनिक आंकड़ा स्रोतों को शामिल किया गया है और 'डबल डिफ्लेशन' की पद्धति अपनाई गई है।

> **स्वतंत्र विश्लेषक और आलोचक बताते हैं कि आधार वर्ष बदलने, पुराने डेटा में संशोधन करने और पुराने आंकड़ों को नए इंडेक्स तरीकों के साथ मिलाने से साल-दर-साल प्रतिशत के नतीजों में बढ़ोतरी दिख सकती है। कुछ वैकल्पिक व्याख्याओं का तर्क है कि अगर पुराने या बेमेल आधार समायोजन को हटा दिया जाए, तो कुछ खास सब-सेगमेंट में वास्तविक विकास दर कम दिखती है। हालांकि, सकारात्मक पक्ष यह है कि सेवा और हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र उत्साहजनक रफ़्तार दिखा रहे हैं।**

इन बड़े बदलावों का मकसद तेज़ी से डिजिटल और औपचारिक हो रही अर्थव्यवस्था को समझना है, हालांकि जब तक पुरानी श्रृंखला के आंकड़े नहीं आ जाते, तब तक पुराने आंकड़ों से तुलना करना मुश्किल होगा। आंकड़ा श्रृंखला में बदलाव के मुख्य कारणों में आधार वर्ष बदलना, नया आंकड़ा शामिल करना और तरीकों में सुधार करना शामिल है। आधार वर्ष को 2022-23 करने से अर्थव्यवस्था में हाल के संरचनात्मक बदलाव, खपत में बदलाव और कीमतों के सापेक्ष महत्व का पता चलता है। हाई-फ्रीक्वेंसी और बारीक डेटासेट को शामिल करने में जीएसटी रिटर्न, अनिगमित क्षेत्र सर्वेक्षण, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण और ई-वाहन रजिस्ट्रेशन जैसी चीज़ें शामिल हैं। तरीकों में सुधार के लिए आपूर्ति और उपयोग तालिका फ्रेमवर्क, तिमाही आंकड़ों के लिए आनुपातिक डेंटन बेंचमार्किंग और इनपुट लागत को बेहतर ढंग से समझने के लिए मैन्युफैक्चरिंग और कृषि में डबल डिफ़्लेशन जैसे तरीके अपनाए गए हैं। इन सबके कारण पुराने और अप्रचलित तरीकों के बजाय सीधे सर्वे डेटा के ज़रिए अनौपचारिक और डिजिटल/गिग अर्थव्यवस्था के हिस्सों को बेहतर ढंग से दिखाया जा सका है। जब तक आधिकारिक पुराने आंकड़े की नयी श्रृंखला प्रकाशित नहीं हो जाती, तब तक सीधी तुलना नहीं की जा सकती।

फिर भी, यह सोचना गलत है कि 2026 में भारत के आयात और निर्यात पर वैश्विक व्यापार और आर्थिक चुनौतियों का बहुत कम असर पड़ेगा। वैश्विक चुनौतियां—जैसे पश्चिम एशिया में संघर्ष, शिपिंग रूट में रुकावट, माल ढुलाई और ऊर्जा की बढ़ती लागत, और टैरिफ़ नीतियों में बदलाव—भारत के बाहरी क्षेत्र पर दबाव डाल रही हैं, व्यापार घाटे को बढ़ा रही हैं और प्रमुख क्षेत्र में निर्यात की विकास दर को रोक रही हैं। घरेलू खपत बढ़ने और आयात बिल में भारी बढ़ोतरी के कारण देश का वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और ज़रूरी शिपिंग रूट के आसपास सुरक्षा संबंधी मुद्दों के कारण माल ढुलाई की दरें, बीमा खर्च और ऊर्जा आयात की लागत बढ़ गई है। कृषि, टेक्सटाइल और रत्न व आभूषण जैसे पारंपरिक श्रम-प्रधान निर्यात सेक्टर में पश्चिमी देशों से कम मांग, सुरक्षात्मक टैरिफ़ में बदलाव और व्यापारिक तनाव के कारण साफ़ तौर पर सुस्ती देखी जा रही है। रुपये के कमज़ोर होने और अमेरिका के अलावा अन्य बाज़ारों में विविधता लाने की रणनीतियों के कारण वस्तुओं और सेवाओं के संयुक्त निर्यात में समय-समय पर सुधार देखा गया है। फिर भी, पूरे साल जीडीपी विकास दर को पहली तिमाही के ऊंचे स्तर पर बनाए रखना बहुत मुश्किल लग रहा है।

ललित सुरजन की कलम से

भाषण और आंकड़ों से परे

'छत्तीसगढ़ की रमन सरकार ने पंचायत शिक्षकों का संविलियन कर शिक्षकों का स्थायी कैडर निर्मित करने का फैसला लिया है। कुछ ऐसा ही फैसला मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने भी लिया है। मेरा शुरू से मानना रहा है कि जब तक स्कूलों में पूर्णकालीन और प्रशिक्षित शिक्षक नहीं होंगे तब तक शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं हो सकता। वर्ल्ड बैंक के इशारे पर स्थायी शिक्षकों का कैडर धीरे-धीरे कर पूरे देश में समाप्त कर दिया गया। इससे शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। आज अगर वह स्थिति बदलती है तो स्वागत योग्य है। छत्तीसगढ़ सरकार को इस बारे में एक समन्वित दीर्घकालीन नीति बनाकर लागू करना चाहिए। उच्च शिक्षा में भी विसंगतियां व्याप्त हैं। उन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। लेकिन इसके साथ-साथ शाला भवन, उपकरण, पुस्तकालय, खेल का मैदान, इन सब पर ध्यान देना भी उतना ही आवश्यक है। दिल्ली का मॉडल यहां शायद काम आ सकता है!'

(देशबन्धु में 05 जुलाई 2018 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/08/blog-post_9.html

आज पोला अमावस्या

अन्नदाता और उसके सहचर बैलों के सम्मान का पर्व

भाद्रपद अमावस्या भारतीय धार्मिक परंपरा में महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस अवसर पर स्नान, दान, पितरों का स्मरण और तर्पण जैसे धार्मिक कर्म किए जाते हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में इस अमावस्या के अलग नाम और अलग लोकाचार दिखाई देते हैं। छत्तीसगढ़ में इसी अमावस्या का लोकजीवन से जुड़ा रूप पोला के रूप में सामने आता है। यही भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि एक ही तिथि धार्मिक आस्था, कृषि जीवन और लोकसंस्कृति के अनेक रंगों को अपने भीतर समेट लेती है।

भाद्रपद अमावस्या पर जीवंत होती है छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति। छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी हरियाली, नदियों, जंगलों और खनिज संपदा से नहीं है, बल्कि उसकी समृद्ध लोकपरंपराओं और तीज-त्योहारों से भी है। यहां के पर्व प्रकृति, कृषि, पशुधन और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध को अभिव्यक्त करते हैं। इन्हीं लोकपर्वों में पोला अथवा पोरा तिहार का विशेष स्थान है। भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर मनाया जाने वाला यह पर्व मूलत: किसान और उसके सबसे विश्वसनीय कृषि-सहचर बैल के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता का पर्व है।

आज खेती के तौर-तरीके बदल रहे हैं। ट्रैक्टर और आधुनिक कृषि उपकरणों ने बैलों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। शहरों में रहने वाली नई पीढ़ी के लिए बैल अब कृषि जीवन के प्रत्यक्ष सहभागी के बजाय स्मृति और लोकसंस्कृति का हिस्सा बनते जा रहे हैं। लेकिन इससे पोला का महत्व समाप्त नहीं होता। बल्कि आज इस पर्व का संदेश और अधिक व्यापक हो जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि मनुष्य अकेले विकास नहीं कर सकता। उसके जीवन और सभ्यता के निर्माण में प्रकृति, पशु-पक्षियों और असंख्य जीवों का योगदान रहा है।

पोला पर्व का संबंध केवल बैलों से ही नहीं, बल्कि खेती और फसल से भी है। लोकमान्यता है कि इसी समय धान की बालियों में दूध भरना प्रारंभ होता है और अन्नमाता गर्भ धारण करती हैं। किसान के लिए यह आने वाली फसल और समृद्धि की आशा का अवसर होता है। इसलिए पोला वास्तव में प्रकृति, कृषि, पशुधन और किसान इन चारों के बीच स्थापित उस जीवनचक्र का उत्सव है, जिसके आधार पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था सदियों से आगे बढ़ती रही है।

पोला की सबसे सुंदर विशेषताओं में बच्चों की भागीदारी भी है। ग्रामीण अंचलों में मिट्टी अथवा लकड़ी से बने छोटे-छोटे बैल, चूल्हा, चक्की, चुकिया और अन्य खिलौने तैयार किए जाते हैं। बच्चे उन्हें सजाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। यह परंपरा केवल मनोरंजन नहीं है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को बचपन से ही यह सीख मिलती है कि पशु हमारे जीवन और कृषि व्यवस्था के महत्वपूर्ण साथी हैं। लोकपर्व इस प्रकार बिना किसी औपचारिक पाठशाला के बच्चों को अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपरा का पाठ पढ़ाता है।

पोला केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि पारिवारिक उल्लास और सामुदायिक मेल-मिलाप का अवसर भी है। घरों में पारंपरिक पकवान बनाए जाते हैं। छत्तीसगढ़ी खान-पान की समृद्ध परंपरा के अनुरूप ठेठरी, खुरमी सहित अनेक व्यंजन इस अवसर पर तैयार किए जाते हैं। बहन-बेटियों के मायके आने, परिवार के साथ समय बिताने और रिश्तों में स्नेह बढ़ाने की परंपरा भी इस पर्व को सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है।

-सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

आपके पत्र

हादसों के शिकार पढ़ने वाले बच्चे ही क्यों?

दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं यह उन लाखों सपनों की राजधानी भी है, जिन्हें लेकर देश के कोने-कोने से बच्चे, युवा और उनके परिवार यहां आते हैं। कोई आईएएस बनने का सपना लेकर आता है, कोई डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक बनने का। कोई छोटे से गांव से चलकर दिल्ली की किसी कोचिंग की सीढ़ियां चढ़ता है और कोई अपने माता-पिता की वर्षों की बचत लेकर एक छोटे-से कमरे में अपना भविष्य खोजता है। लेकिन विडंबना देखिए, जिस दिल्ली में ये बच्चे भविष्य बनाने आते हैं, वही दिल्ली बार-बार उनके वर्तमान को छीन लेती है।

सवाल अब केवल यह नहीं है कि दिल्ली में हादसे क्यों होते हैं। असली सवाल यह है कि बार-बार वही हादसे क्यों होते हैं और हर हादसे के बाद भी व्यवस्था क्यों नहीं जागती? कुव्यवस्था की भयावह तस्वीर हाल की सत्य निकेतन इमारत दुर्घटना ने फिर सामने रख दी। छात्र-आवास वाली बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की मृत्यु की रिपोर्ट सामने आई और अधिकांश पीड़ित विद्यार्थियों के होने से छात्र आवासों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न उठे।

सबसे पीड़ादायक बात यह है कि विद्यार्थी दिल्ली में केवल पढ़ाई की फीस नहीं देते। वे कमरा किराये पर लेते हैं, भोजन के लिए भुगतान करते हैं, परिवहन का खर्च उठाते हैं और अपने परिवारों की आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक कीमत पर अपने सपनों को खरीदने की कोशिश करते हैं। तो क्या उन्हें बदले में केवल असुरक्षित कमरे मिलेंगे? क्या उनके लिए अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास और स्वच्छ जलनिकासी जैसी सुविधाएं विलासिता हैं?

राजधानी में पढ़ने वाले विद्यार्थी नागरिक नहीं हैं क्या? दिल्ली की प्रशासनिक समस्या का एक और गंभीर पहलू है जिम्मेदारी का बिखराव। नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन विभाग, विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन कई संस्थाएं अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम करती हैं। लेकिन जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी अक्सर किसी एक छोटे कर्मचारी या किसी संचालक पर जाकर रुक जाती है।

हाल की प्रशासनिक जांचों के संबंध में रिपोर्टों में यह बात सामने आई है कि कई त्रासदियों में प्रणालीगत खामियां और प्रशासनिक लापरवाही चिन्हित हुईं, जबकि कार्रवाई अक्सर निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित रही। यही लोकतंत्र की असली परीक्षा है। यदि किसी इमारत को वर्षों तक नियमों के विरुद्ध चलने दिया गया, तो केवल चौकीदार या कनिष्ठ कर्मचारी दोषी कैसे हो सकता है?

लेकिन प्रश्न फिर वही है—यदि इतनी बड़ी संख्या में संस्थान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, तो हादसे से पहले प्रशासन कहां था?

-संजीव ठाकुर

दो साल से तैयार फूड लैब, अब एनएबीएल की रिपोर्ट का इंतजार

8-9 अगस्त को हो चुका निरीक्षण, रिपोर्ट आने के बाद तय होगी मान्यता

देशबन्धु फॉलोअप

जबलपुर, देशबन्धु। करीब दो साल से तैयार खड़ी खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की लगभग 5 करोड़ रुपये लागत वाली अत्याधुनिक फूड टेस्टिंग लैब अब एनएबीएल की अंतिम रिपोर्ट के इंतजार में है। लैब को राष्ट्रीय स्तर की मान्यता दिलाने की प्रक्रिया के तहत 8 और 9 अगस्त को एनएबीएल की टीम द्वारा निरीक्षण किया जा चुका है। अब विभाग को निरीक्षण रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट में यदि निर्धारित तकनीकी मापदंडों पर लैब को उपयुक्त पाया जाता है तो इसके बाद मान्यता मिलने का रास्ता साफ होगा।

लैब में आधुनिक जांच उपकरण और आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद अब तक यहां नियमित रूप से खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच शुरू नहीं हो सकी है। मुख्य वजह एनएबीएल की मान्यता का लंबित रहना है। यही कारण है कि जबलपुर सहित महाकौशल क्षेत्र से लिए जाने वाले खाद्य नमूनों को परीक्षण के लिए अभी भी भोपाल भेजने की व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

रिपोर्ट में आपत्ति हुई तो फिर बढ़ सकता है इंतजार

सूत्रों के मुताबिक एनएबीएल की रिपोर्ट इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण कड़ी है। निरीक्षण के दौरान यदि किसी तकनीकी या व्यवस्थागत कमी की ओर इशारा किया जाता है तो विभाग को उसे दूर करना होगा। वहीं, यदि रिपोर्ट संतोषजनक रहती है तो मान्यता मिलने के बाद लैब में खाद्य नमूनों की जांच शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

फैक्ट फाइल

- लागत: लगभग 5 करोड़ रुपये
- लैब: खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग
- एनएबीएल निरीक्षण: 8 और 9 अगस्त
- वर्तमान स्थिति: निरीक्षण रिपोर्ट का इंतजार
- मान्यता के बाद: खाद्य नमूनों की जांच शुरू
- लंबित अवधि: दो वर्ष से जांच नहीं

महाकौशल को मिलेगा सीधा फायदा

मान्यता मिलने के बाद जबलपुर में ही खाद्य पदार्थों की वैज्ञानिक जांच संभव हो सकेगी। इससे नमूनों को भोपाल भेजने की जरूरत कम होगी और रिपोर्ट मिलने में लगने वाला समय भी घटेगा। खाद्य मिलावट के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिहाज से भी यह सुविधा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दो साल से इंतजार, अब रिपोर्ट पर टिकी उम्मीद

करीब दो वर्ष पहले स्थापित इस लैब को लेकर विभागीय स्तर पर लंबे समय से तैयारियां चल रही थीं। एनएबीएल निरीक्षण से पहले उपकरणों के कैलिब्रेशन, आवश्यक दस्तावेज, तकनीकी मानकों और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया। इसके बाद अगस्त में एनएबीएल टीम ने दो दिन तक लैब का निरीक्षण किया। अब निरीक्षण के दौरान सामने आए बिंदुओं और टीम की रिपोर्ट का इंतजार है।

गंदगी से बजबजा रहे पॉश एरिया के फुटपाथ

कई-कई दिनों तक नहीं उठ रहा कचरा

जबलपुर, देशबन्धु। शहर की कई बस्तियों, गली और मोहल्लों में तो बुरी तरह कचरे से बजबजा ही रहे हैं लेकिन अब पॉश इलाके भी गंदगी से अछूते नहीं रह गए हैं। जिसका अंदाजा नेपियर टाउन-राइट टाउन जैसे इलाकों के फुटपाथों को देखकर लगाया जा सकता है। कुछ प्राइवेट हॉस्पिटल के आसपास के फुटपाथों की हालत तो बिल्कुल ऐसी हो गई तो उन्हें देखकर यह अंदाजा लगाना कठिन हो जाता है कि वे फुटपाथ हैं कि कोई अस्थाई कचरा घर।

फेंका जा रहा मेडिकल वेस्ट

नेपियर टाउन, राइट टाउन में रहने वाले कुछ लोगों ने बताया कि एक तो फुटपाथ पर पड़ा कचरा कई-कई दिन तक नहीं उठाया जाता ऊपर से जो कसर बाकी रह जाती है, उसे कुछ हॉस्पिटल संचालक पूरा कर देते हैं। कुछ वाशिंदों का कहना है कि फुटपाथों पर जहां भी कचरे के ढेर लगे हैं, वहां एक साथ तो नहीं लेकिन थोड़ा-थोड़ा करके मेडिकल वेस्ट फेका जा रहा है।

बैठकी वसूली भी चल रही

अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए कुछ लोग इन फुटपाथों पर दुकानें भी लगाते हैं। जिनसे बकायदा नगर निगम का बाजार विभाग बैठकी वसूली भी करता है। लेकिन गंदगी के बीच दुकान लगाने वाले लोगों को सुविधाएं धेलाभर भी नहीं मिल रही है।ऐसे में आधे फुटपाथ पर जहां दुकानें लग रही हैं और आधा गंदगी से बजबजा रहा है तो पैदल चलने वालों को समझ नहीं आ रहा है कि वे निकलें तो निकलें कहां से। अब हालात ये हैं कि दुकानदारों को मजबूरी में गंदगी के बीच पेट भरने के लिये दुकान चलानी पड़ रही है।

भेड़ाघाट में 24 - 25 अक्टूबर को आयोजित होगा दो दिवसीय नर्मदा महोत्सव

तैयारियों को लेकर लोक निर्माण मंत्री की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में शरद पूर्णिमा पर भेड़ाघाट में इस वर्ष आयोजित किये जाने वाले नर्मदा महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक में महोत्सव के लिए कलाकारों के चयन, प्रचार-प्रसार, सुरक्षा, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सुशील तिवारी 'इंदू', जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, नगर परिषद अध्यक्ष भेड़ाघाट चतुर सिंह लोधी, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, भाजपा युवा मोर्चा ग्रामीण जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में शरद पूर्णिमा पर 24 एवं 25 अक्टूबर को भेड़ाघाट में आयोजित किये जाने वाले नर्मदा महोत्सव की रूपरेखा पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि महोत्सव में भजन, सूफी, शास्त्रीय एवं सेमी-क्लासिकल संगीत को प्राथमिकता दी जाए और कलाकारों को कार्यक्रम की प्रकृति के बारे में पहले से जानकारी दी जाए।

महापौर-निगमायुक्त सहित पूरी टीम को बधाई देते हुए बोले राकेश सिंह

वायु सर्वेक्षण में पुरस्कार प्रत्येक नागरिक का सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय वायु सर्वेक्षण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्कारधानी ने देश के मानचित्र पर अपनी एक अलग और ऐतिहासिक पहचान दर्ज कराई है। इस प्रतियोगिता में देश भर में तीसरा स्थान हासिल करने की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', निगम अध्यक्ष रिंकू विज एवं नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त कर शहर का नाम रोशन करने के लिए पूरी टीम को प्रोत्साहित किया।

केबिनेट मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर वायु सर्वेक्षण प्रतियोगिता में जबलपुर का देश में तीसरा स्थान प्राप्त करना बहुत ही गौरव की बात है। वे बोले कि यह उपलब्धि केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि संस्कारधानी के प्रत्येक नागरिक का सम्मान है, जिनके सहयोग और सजगता से शहर ने यह मुकाम हासिल किया है। इस दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे।

सार-समाचार

तीन दिन तक जलापूर्ति रहेगी बाधित

सुधारा जा रहा मदार छल्ला पानी की टंकी का लीकेज

जबलपुर, देशबन्धु। मदार छल्ला टंकी से जुड़े क्षेत्रों में कल से तीन दिन तक जलापूर्ति बाधित रहेगी। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्मदा जल प्रदाय योजना के अंतर्गत 55 एमएलडी ललपुर जल शोधन संयंत्र से जुड़ी मदार छल्ला उच्चस्तरीय पानी की टंकी के लीकेज हेतु ग्राउटिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुधार कार्य के कारण आज 10 सितम्बर की सुबह लेकर 12 सितंबर की शाम तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। सुधार कार्य के कारण क्षेत्रीय नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', जल प्रभारी दामोदर सोनी और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है। प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जाएगी।

आवारा जानवरों को सड़कों से हटाओ

भीम आर्मी की चेतावनी, नहीं तो आंदोलन होगा

जबलपुर, देशबन्धु। शहर की मुख्य सड़कों और गली-कूचों में आवारा घूम रहे और पालतू जानवरों की वजह से लगातार हो रही दुर्घटनाओं और किसानों की फसल नष्ट होने के मामलों को लेकर भीम आर्मी ने तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष संजू लाल झारिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रहे इन जानवरों के कारण आए दिन गंभीर सड़क हादसे हो रहे हैं और यही जानवर खेतों में घुसकर किसानों की मेहनत की फसल बर्बाद कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम और स्थानीय प्रशासन इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह से चुप्पी साधे बैठा है और कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ज्ञापन सौंपते हुए भीम आर्मी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस समस्या पर जल्द से जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो आगामी सात दिनों के भीतर वे कलेक्टर कार्यालय के सामने उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। संगठन ने स्पष्ट किया कि जनहित और किसानों के नुकसान से जुड़ी इस समस्या को अब और नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया है कि इसके पूर्व में भी शहर में बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाए हैं। जिससे आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ी है।

नचिकेता महाविद्यालय में एनएसएस सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। नचिकेता महाविद्यालय विजयनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में रादुविवि से समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा एवं एनएसएस मुक्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवांशु गौतम मुख्य अतिथि व सदस्य के रूप से उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम सूखा के सरपंच डॉ. रितेश सिंह एवं जिला अस्पताल से डॉ. वैशाली खन्ना उपस्थिति रही। सलाहकार समिति की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति रेखा चंद्रा के साथ समिति सदस्य के रूप में रजिस्ट्रार आर.एस. चंदेल तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रज्ञा दुबे व राहुल बोहरे आदि उपस्थित रहे।

आरपीएफ के पहलवान दिखा रहे कुश्ती के दांव-पेंच

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा आयोजित 37वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत 9 सितम्बर बुधवार को रेलवे स्टेडियम में पुरुष वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में फ्रीस्टाइल कुश्ती के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए। प्रतियोगिता के दौरान दिनेश कुमार कलामे, अपर मंडल रेल प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर, संजीव राणा, सहायक सुरक्षा आयुक्त-I तथा अशोक कुमार, सहायक सुरक्षा आयुक्त-I की गरिमामयी उपस्थिति रही। फ्रीस्टाइल कुश्ती में 61 किग्रा भार वर्ग फाइनल मुकाबले में ललित (उ.रे) ने सुरेन्द्र (आरपीएफ) को चित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। सुरेन्द्र ने रजत पदक प्राप्त किया तथा कुलदीप (रेलवे सुरक्षा विशेष बल) ने कांस्य पदक जीता। वहीं 65 किग्रा भार वर्ग फाइनल मुकाबले में शिवमन (पमरे) ने अमित (आरपीएफ) को 06-02 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। अमित ने रजत पदक प्राप्त किया तथा अमित (पश्चिम रेलवे) ने कांस्य पदक हासिल किया। 70 किग्रा भार वर्ग फाइनल में नवीन (आरपीएफ) ने जयवीर (उ.रे) को 10-00 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जयवीर ने रजत पदक तथा शिसराम गुर्जर (प.रे) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 74 किग्रा भार वर्ग फाइनल में नवीन (उरे) ने ऋषि (रेलवे सुरक्षा विशेष बल) को चित कर स्वर्ण पदक जीता। ऋषि ने रजत पदक तथा राजू यादव (उपूरे) ने कांस्य पदक हासिल किया।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के गुरूवार के कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह गुरूवार 10 सितम्बरर को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। लोक निर्माण मंत्री गुरूवार की सुबह 11.30 बजे भक्ति धाम गौरीघाट में नर्मदा मंडल की मंडल कार्य समिति, दोपहर 12.30 बजे सूपाताल स्थित होटल शी-रॉक में रानी दुर्गावती मंडल की मंडल कार्य समिति, दोपहर 2 बजे त्रिपुरी चौक के समीप मारूति मंडपम में महाराणा प्रताप मंडल की मंडल कार्य समिति तथा दोपहर 3.30 बजे विधायक कार्यालय मदन महल में गिरिराज किशोर कपूर मंडल की मंडल कार्य समिति की बैठक में शामिल होंगे।

पीसीसीएम ने किया मैहर सीमेंट प्लांट की रेल कनेक्टिविटी देखी

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक द्वारा बुधवार को मैहर रेलवे स्टेशन, मालगोदाम एवं क्षेत्र में स्थित विभिन्न रेल आधारित वाणिज्यिक सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य यात्री सुविधाओं में सुधार, माल परिवहन को बढ़ावा देना तथा रेलवे एवं व्यापारिक हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। इस दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जबलपुर शशांक गुप्ता भी उपस्थित थे। मैहर रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मैहर मालगोदाम में व्यापारियों एवं हितधारकों के साथ बैठक कर माल परिवहन से संबंधित समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों पर चर्चा की गई। केजेएस सीमेंट प्लांट के अधिकारियों के साथ रेलवे साइडिंग की कनेक्टिविटी एवं रेल परिवहन को सुगम बनाने के संबंध में चर्चा की गई।

राम मंदिर चंदा चोरी के विरोध में पुतला फूंका

जबलपुर, देशबन्धु। अयोध्या राम मंदिर में दान के करोड़ों रूपए गायब होने के बाद देशभर में इसकी निंदा हो रही है। वहीं शहर में कांग्रेस ने अधारताल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंदिर के ट्रस्टी चंपत राय का पुतला फूंका। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता चमन पासी के नेतृत्व में किये इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार ने बड़े चोरों को बचा लिया और छोटे चोरों को जेल भेज दिया। अरबों रुपए के चंदे की बंदरबांट हो गई। प्रदर्शन के दौरान, मनोज भदौरिया, जग्गू आशिक, इकबाल ताहिर अली, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. प्रमोद लाल, पूरन कोरी, सोहन कटार, एड. इरफान मंसूरी, गंगा ठाकुर, बबलू तिवारी, सुबोध पहाड़िया, राजू तोमर, बीजू तिवारी, संतोष लोधी, विकास विश्वकर्मा, कीर्ति सिंह, बाबा लहरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र लायसेंस निरस्त

जबलपुर, देशबन्धु। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध होने पर दो अनुज्ञप्ति धारियों के स्वीकृत शस्त्र लायसेंस तत्का्ल प्रभाव से निरस्तं कर दिये हैं। इन अनुज्ञप्तिधारियों में थाना मझौली के अंतर्गत ग्राम अनघोरा निवासी राहुल सिंह यादव तथा पाटन थाना के अंतर्गत चौधरी मोहल्ला पाटन निवासी कृष्णाानंद उर्फ कृष्णा प्रसाद बेहुरे शामिल है। दोनों अनुज्ञप्ति धारियों की लायसेंसी बंदूक से हत्याा के प्रकरण संबंधित थानों में पंजीबद्ध है। कलेक्टर द्वारा शस्त्र लायसेंस निरस्त करने की यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के अनुशंसा पर की गई है।

सर्पदंश से मासूम की मौत मामले में फिर उठे सवाल, डॉक्टर को हटाने और निष्पक्ष जांच की मांग

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी में पिछले महीने सर्पदंश से दो वर्षीय मासूम की मौत के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के आशीष मिश्रा ने बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कटंगी अस्पताल के डॉक्टर महापदाश तथा डॉ. आदर्श बिश्नोई को हटाने की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सर्पदंश के बाद मासूम को तत्काल शासकीय अस्पताल कटंगी ले जाया गया था, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार, मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया था। उस समय अस्पताल प्रबंधन की ओर से कहा गया था कि सर्पदंश के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां और इंजेक्शन उपलब्ध थे। डॉक्टर आदर्श बिश्नोई के अनुसार, घटना के समय अस्पताल में प्रसव का मामला चल रहा था, जिसके कारण नर्स तत्काल बच्चे का उपचार नहीं कर पाई। उनका कहना था कि यदि बच्चे को समय पर उपचार मिल जाता तो उसके बचने की संभावना थी, लेकिन उस समय मौके पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। अब समाजवादी पार्टी ने इसी मामले को लेकर प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की है। ज्ञापन में संबंधित डॉक्टरों को हटाने के साथ ही जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की मांग की गई है।

अधिक से अधिक करदाताओं को करें लाभांवित : निगमायुक्त

लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिए निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। करदाताओं और पात्र हितग्राहियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने राजस्व वसूली अभियान के साथ-साथ प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का लाभ करदाताओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक करदाताओं को प्रेरित किया जाए ताकि वे अपने लंबित संपत्तिकर, जलकर और अन्य बकाया देयों का निपटारा कर शासन द्वारा दी जा रही छूट व सुविधाओं का लाभ ले सकें। इस पहल से जहां एक ओर करदाताओं को सरचार्ज से राहत मिलेगी, वहीं निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

निगमायुक्त ने पीएम स्वनिधि, संबल योजना, स्ट्रीट वेंडर्स और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक संबल देने वाली इन योजनाओं के तहत आवेदनों के त्वरित निराकरण और पात्र हितग्राहियों तक सीधे लाभ पहुंचाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने अमृत एवं सीवर परियोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने शहर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति और आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए अमृत योजना और सीवर नेटवर्क के कार्यों को समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया। बैठक में अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, उपायुक्त, सहायक आयुक्त और समस्त विभागीय प्रमुख मौजूद थे।

छठी पर माखन चोर को लगे 56 भोग

जबलपुर,देशबन्धु। नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की... गूंज और कृष्ण जन्म के छठे दिन शहर में छठी उत्सव की धूम रही। घर-घर में नंदलाल की छठी मनाई गई, तो मंदिरों में माखन चोर के लिए 56 भोग सजाए गए। महिलाओं ने कृष्ण के बाल स्वरूप की लीलाओं को जीवंत कर दिया। मौका था श्रीकृष्ण जन्म के बाद मनाए जाने वाले छठी उत्सव का। सुबह से ही महिलाओं ने यशोदा बनकर अपने लड्डू गोपाल को नए वस्त्र पहनाए, काजल का टीका लगाया, नजर उतारी और पालने में झुलाया। कृष्ण को छठी पर माखन-मिश्री, पंजीरी और 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। भक्तों ने माखन चोर को रिझाने के बधाई गीतों का आयोजन भी किया। इस उत्सव की सबसे खास बात रही महिलाओं की भागीदारी। कोई कृष्ण बनी तो कोई यशोदा। किसी ने बाल कृष्ण बनकर माखन चोरी की लीला की, तो किसी ने यशोदा बनकर कान्हा को प्रेम से डांटा। छोटे-छोटे बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में सजाया गया, जिनकी मनमोहक छवि ने सभी का मन मोह लिया। भजन मंडलियों ने 'छठी है मेरे लाला की' और 'यशोदा तेरो लाला' जैसे भजनों पर पूरे माहौल को कृष्णमय बना दिया।

इरा नंदनी कायस्थ महिला क्लब ने मनाया जन्माष्टमी और शिक्षक सम्मान

इरा नंदिनी कायस्थ वुमेन्स क्लब की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में होटल विजन महल में उत्साह और उमंग से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर और शिक्षक सम्मान भी आयोजित किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक अंदाज में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को मनाया और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव की खुशियां साझा कीं। इस कार्यक्रम में डॉ. श्वेता श्रीवास्तव और सौम्य सम्माननीय अतिथि थी। अतिथि और सभी क्लब के सदस्यों ने मिलकर भगवान कृष्ण की आरती की। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के लिए आकर्षक छप्पन भोग की थाली सजाई गई।

वहीं, सुंदर ढंग से झूले का शृंगार कर भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया गया। जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर समाज और मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉक्टरों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। शिक्षकों के समाज निर्माण में योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इरा नंदनी कायस्थ वुमन क्लब की अध्यक्षता श्रीमती शीतल श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अंशुल वर्मा ने धार्मिक त्योहारों का महत्व तथा शिक्षक और चिकित्सकों के सम्मान के साथ उनकी सेवाओं पर प्रकाश डाला। इरा नंदिनी कायस्थ वुमेन्स क्लब एक समाजसेवी संस्था के रूप में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर ग्रुप की सिमरन सक्सेना, निधि श्रीवास्तव, राजश्री खरे, निधि खरे, शालनी वर्मा, रुचि श्रीवास्तव, आयुषी सक्सेना आदि कार्यक्रम को सफल बनाया ।

राधा कृष्ण विद्यालय में छठी का महोत्सव

व्हीकल स्टेट गंगा मैया स्थित राधा कृष्ण विद्यालय में विधि विधान के साथ भगवान श्री कृष्ण की छठी मनाई गई। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती दीपा द्विवेदी ने भगवान श्री कृष्ण की माँ यशोदा का रोल निभाते हुए छठी मनाई और भगवान बाल कृष्ण को 56 भोग ग्रहण कराया। राधा कृष्ण विद्यालय में परम पूज्य महाराज महेंद्र द्विवेदी द्वारा भगवान का पूजन अर्चन किया गया। इसके पश्चात स्कूल के छात्र-छात्राओं को 56 भोग प्रसाद स्वरूप बांटा गया इसके पश्चात भगवान कृष्ण का भजन कीर्तन किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षक और शिक्षिकाएं भी उपस्थित रही।

विद्युत महिला मंडल में लड्डू गोपाल का छठी उत्सव

मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल के तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में लड्डू गोपाल का छठी उत्सव श्रद्धा, हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भक्ति और सांस्कृतिक रंगों का सुंदर समागम देखने को मिला। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्याओं ने विधि-विधान से लड्डू गोपाल की मालिश, स्नान एवं श्रृंगार किया। इसके पश्चात विशेष भोग अर्पित कर उन्हें पालने में झुलाया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश विद्युत महिला मंडल की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती अंजना तिवारी, सचिव डॉ. श्रीमती ज्योति परवार एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सीमा खरे सहित श्रीमती वंदना करें उपस्थित रहीं।

समाज का अंधकार दूर करता है शिक्षक

जबलपुर,देशबन्धु। 'शिक्षक एक ऐसा प्रकाश पुंज है जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर समाज का अंधकार दूर करता है।' यह उद्गार व्यक्त किये कार्यक्रम के अध्यक्ष सुखवीर कोचर ने। अवसर थां सरस्वती शिक्षा मंदिर उ.मा. विद्यालय मदन-महल जबलपुर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह 2026-27 का। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष सुखवीर कोचर द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। सचिव उमेश जैन, उपसचिव श्रीमती कमलेश खत्री, सदस्य डॉ. अविनाश खत्री, श्रीमनमोहन कोचर एवं प्राचार्य नरेश कुमार पाराशर ने महान दार्शनिक पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर शालेय छात्र/छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यकमों के माध्यम से गुरूमहिमा का गान किया। समिति द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षकों/कर्मचारियों का सम्मान श्रीफल व उपहार भेंट कर किया गया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य ने शिक्षकों को समय के साथ-साथ अपडेट रहने हेतु प्रेरित किया, ताकि बच्चों को खुशनुमा माहौल में खेल-खेल में ही कठिन विषयों को बड़ी सरलता से समझाया जा सके। कार्यक्रम के आयोजन व सफलता हेतु समस्त प्रबंधकारिणी समिति के प्रति प्राचार्य ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुषमा पाठक एवं छात्र वासु पासी ने किया। उपप्राचार्या श्रीमती मनीषा भाटिया के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शालेय छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

नरसिंह मन्दिर में छठी व नंदोत्सव आज

जबलपुर,देशबन्धु। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में जन्माष्टमी महोत्सव के कार्यक्रमों की अंतिम कड़ी में भगवान श्री कृष्ण का छठी व नंदोत्सव कार्यक्रम गुरुवार सायंकाल 4 बजे से नरसिंह मंदिर में पूज्य जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंहदेवाचार्य के सान्निध्य में संपन्न होगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय महामंत्री तथा सनातन धर्म महासभा की महिला संयोजक कविता दुबे के संयोजन में आयोजित इस विशाल नंदोत्सव कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील कृष्णकांती पाण्डेय, सपना तिवारी, निधि तिवारी, सविता पाण्डेय, संध्या पाण्डेय, सुनीता मिश्रा, वर्षा, निहा यादव, मधु बढ़गैइयां, दीप्ति चौरसिया, दीपिका तिवारी, ने की है।

साहित्यकार प्रो. राजेन्द्र तिवारी 'ऋषि' स्मरण दिवस मनाया

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश आंचलिक साहित्यकार परिषद, जबलपुर के तत्वावधान में श्री जानकी रमण महाविद्यालय, जबलपुर में स्वर्गीय प्रो. राजेन्द्र तिवारी 'ऋषि' स्मरण दिवस का गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उदय भानु तिवारी के गीत के साथ माँ सारस्वती के पूजन अर्चन किया गया से प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में साहित्यकारों, विद्वानों, कलाकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने स्व. तिवारी के साहित्यिक योगदान और व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में आचार्य हरिशंकर दुबे , आचार्य भगवत दुबे , डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी , गुप्तेश्वर द्वारका गुप्त , डॉ.नरेश दुबे, राजेश पाठक ,विनोद नयन, संतोष नेमा, डॉ अरुणा पाठक , डॉ संध्या जैन श्रुति, विनोद नयन,सहित अनेक साहित्यकारों ने राजेंद्र तिवारी ऋषि के अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कौशल दुबे ने प्रो. राजेन्द्र तिवारी 'ऋषि' के साहित्य, संस्कृति एवं लोक संगीत के क्षेत्र में किए गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका साहित्य आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिय राजेन्द्र ऋषि साहित्य रत्न अलंकरण-पं. राजेश दुबे (बबलू महाराज), राजेन्द्र ऋषि समाजसेवा अलंकरण-श्रीमती बिन्दु पाण्डे, राजेन्द्र ऋषि लोक संगीत अलंकरण- रश्मि तिवारी, राजेन्द्र ऋषि संगीत मणि अलंकरण से अमित दुबे को अलंकृत किया गया। इस अवसर पर स्व. राजेन्द्र 'ऋषि' द्वारा रचित 'श्री कृष्ण काव्य' की भावपूर्ण प्रस्तुति अमित दुबे एवं सहयोगियों द्वारा दी गई। वहीं रिषभ तिवारी की लोक संगीत प्रस्तुति ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन आशुतोष तिवारी ने किया तथा आभार अनुपम तिवारी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर शहर के साहित्यकार सर्वश्री राजसागरी , अभिमन्यु जैन , ए के पाठक, निरंजन द्विवेदी, हमेश मानव, राजेंद्र मिश्रा संतोष नेमा,अनुज नेमा,अनूप तिवारी प्रतिक तिवारी ,अनूप तिवारी, प्रशांत तिवारी, रामेश्वर सोनी , छाया नरगिज, सहित कलाकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल में अंतर सदन खेल प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर,देशबन्धु। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल की अधारताल शाखा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विगत दिनों अंतर सदन खेल प्रतियोगिता - 2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न आंतरिक एवं बाह्य खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें शतरंज, कैरम, नेटबॉल, रस्साकशी, रस्सी कूद, धीमी साइकिल दौड़ एवं कबड्डी सहित अनेक खेल प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा, कौशल एवं खेल क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनुशासन, खेल भावना तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में श्रीमती संगीता गौतम, आदर्श रघुवंशी एवं मुख्तसिर अहमद का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समापन समारोह में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान- विद्यालय परिसर में अंतर सदन खेल प्रतियोगिता - 2026 के समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र, पदक एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया गया।

21 सितंबर को होगा 'भगवान जगन्नाथ चेतना एवं मानसिक स्वास्थ्य' कृति का विमोचन

जबलपुर,देशबन्धु। विशेष ' जगन्नाथ अर्जी पात्र' होगा स्थापित, भक्त मनोकामनाओं एवं समस्याओं की लिखित अर्जी कर सकेंगे समर्पित जबलपुर, 9 सितंबर जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय की महत्वपूर्ण बैठक समन्वय सेवा केन्द्र, जबलपुर में सम्पन्न हुई।

बैठक में आगामी 21 सितंबर सोमवार को सायंकाल 6 बजे से शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार, जबलपुर में आयोजित होने वाले भगवान जगन्नाथ के भव्य एवं दिव्य आध्यात्मिक आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि कार्यक्रम में जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय के संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी द्वारा रचित कृति 'भगवान जगन्नाथ चेतना और मानसिक स्वास्थ्य' का विमोचन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक आयोजन में सहभागी बनने के लिए राकेश सिंह, मंत्री, लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन; आशीष दुबे, सांसद, जबलपुर; जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', महापौर, जबलपुर; संदीप जैन, अध्यक्ष, जबलपुर विकास प्राधिकरण; एवं रिंकू विज, अध्यक्ष, नगर निगम जबलपुर की विशेष उपस्थिति रहेगी। मनोकामनाओं के लिए स्थापित होगा 'श्री जगन्नाथ अर्जी पात्र' कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'श्री जगन्नाथ अर्जी पात्र' होगा। इसमें श्रद्धालु अपनी समस्याओं, मनोकामनाओं एवं शुभ इच्छाओं को लिखित रूप में भगवान श्री जगन्नाथ जी के समक्ष अर्जी के रूप में समर्पित कर सकेंगे।

दैनिक राशिफल

गुरुवार 10 सितम्बर 2026 का पंचांग विक्रम संवत् 2083, शक संवत 1948 हिजरी 1447, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अमावस्या , नक्षत्र-मघा

मेष -आज आपको अपने उग्र स्वभाव पर संयम रखने की जरूरत है। शारीरिक और मानसिक रूप से शिथिलता का अनुभव होगा। अधिक परिश्रम के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी।

वृषभ -आज आप दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ काम कर सकेंगे। इस काम का फल भी आपको अपेक्षानुसार मिलेगा। मायके से लाभदायी समाचार प्राप्त होंगे।

मिथुन -नई योजनाएं शुरू करने के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय करने वालों को सरकार की तरफ से लाभ मिलने और नौकरीपेशा को उच्च अधिकारियों की कृपादृष्टि मिलेगी।

कर्क -आज आप शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। परिणामस्वरूप मन में नकारात्मक विचार पैदा होंगे। किसी के साथ गलतफहमी होने के कारण मनमुटाव हो सकता है।

सिंह -भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ निर्णय के कारण आज आप कोई भी काम त्वरित निर्णय लेकर पूरा करेंगे। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पिता तथा अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या -शारीरिक अस्वस्थता के साथ-साथ मानसिक चिंता में वृद्धि होगी। आंख संबंधी शिकायत पैदा होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होगा। आकस्मिक धन खर्च होगा।

तुला -आज विविध क्षेत्र में लाभ मिलने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रफुल्लित रहेंगे। मित्रों के साथ मुलाकात, रमणीय स्थानों पर प्रवास पर्यटन का आयोजन होगा।

वृश्चिक -आज आपके हरेक कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी- व्यवसाय में प्रगति होगी। अधिकारी और घर में बड़ों से लाभ मिलेगा।

धनु -शरीर में थकान और बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। मन चिंता से व्याकुल रहेगा। आज यात्रा स्थगित रखने की सलाह दी जाती है।

मकर -खान-पान पर ध्यान नहीं रखने से आज तबीयत खराब होने की आशंका है। मरीज़ की चिकित्सा, प्रवास या व्यापारिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। भागीदारों के साथ मतभेद होगा।

कुंभ -भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ मनोबल के साथ प्रेम और रोमांस आपके आज के दिन को अच्छा बनाएंगे। नए लोगों के साथ परिचय और मित्रता होगी।

मीन -घर में सुख- शांति और आनंद का वातावरण बने रहने से आप अपने दैनिक कामों को आत्मविश्वास से कर सकेंगे। आपको स्वाभाविक उग्रता और वाणी पर संयम रखने की जरुरत है।

0,5,6,8,00,58,67,88,84,01,14,12

भूमिगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रतन चंद नामदेव की 31वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

जबलपुर,देशबन्धु। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भूमिगत रहकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं मुंबई फिल्म जगत में मटका संगीत के जनक स्व. रतन चंद नामदेव की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह श्रद्धांजलि सभा शैलेष सतीश नामदेव, एडवोकेट, एडवोकेट योगेश नामदेव एवं मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोज नामदेव के निवास पर, महाराष्ट्र स्कूल के आगे, पी.सी. ज्वेलर्स के बाजू से, दूरसंचार कार्यालय के पास, राइट टाउन, जबलपुर में 10 सितंबर , दिन गुरुवार, प्रात: 11:30 बजे से आयोजित की जाएगी। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन जबलपुर शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन के नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ एवं ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्कारधानी जबलपुर के समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी, वंशज एवं परिजन तथा शहर एवं जिले की विभिन्न साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं-संगठनों के पदाधिकारी, सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं समस्त स्नेहीजनों स्व. रतन चंद नामदेव जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं उनका स्मरण करने का आग्रह किया गया है। आयोजक राजेन्द्र रज्जू सराफ नगर अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन, जबलपुर मनोज नामदेव उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन एवं महासचिव, शहर जिला कांग्रेस कमेटी

संतों के मार्गदर्शन में चलता है राज पाठ

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास का 87 वां वर्धापन दिवस दद्दा परिसर में मनाया गया कार्यक्रम में नरसिंह देवाचार्य महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरी ज्ञानेश्वरी दीदी राजारामचार्य स्वामी पागलानंद स्वामी चंद्रशेखरानंद परमात्मानंद वासुदेव शास्त्री पं रोहित पं देवेंद्र त्रिपाठी सचिन देव मुन्ना महाराज प्रकाशानंद महाराज मैत्री दीदी रामजी शरण स्वामी रामेश्वरानंद महाराज सहित 100 से अधिक संतों का आगमन हुआ। सम्मान समारोह में सर्वप्रथम सनातन धर्म महासभा अग्रवाल सभा अग्रवाल सेवा समिति चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल विद्या भारती रामलीला समिति मानस मंडल पाटन गांव गांव से आए सैकड़ो संकीर्तन मंडल ने सम्मान एवं 108 प्रकार की धुनों की प्रस्तुति हुई। संतों का पूजन डॉ सुधीर अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन रवि बाजपेई आभार प्रदर्शन शरद अग्रवाल ने किया मुख्य रूप से सांसद आशीष दुब , डॉ प्रदीप दुबे , डॉ कैलाश गुप्ता , बृजकांत , हितानंद , विधायक अजय बिश्नोई , अभिलाष पांडे , प्रेम दुबे डॉ जितेंद्र जामदार , संदीप जैन , रिंकू विज , श्याम साहनी , अशोक मनोदया आदि उपस्थित थे।

छावनी जनआक्रोश समिति की बैठक संपन्न, 11 सितंबर को केंट बोर्ड अध्यक्ष को सौंपेंगे आक्रोश पत्र

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर कैंट बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के एक तरफा द्वेषपूर्ण कार्रवाई से क्षेत्रीय निवासियों एवं व्यापारियों में आक्रोश एवं है व्याप्त जबलपुर केंट बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की एकतरफा कार्यवाही से छावनी क्षेत्र के व्यापारी एवं आम निवासी भयाक्रांत एवं आक्रोशित हैं। केंट बोर्ड द्वारा व्यापारियों और आम जनता को नियमों का भय दिखाकर परेशान करने, नियम विरुद्ध कार्रवाई करने के विरोध में आज एक वृहद बैठक का आयोजन सदर रामलीला मैदान में किया गया। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल एवं वरिष्ठ समाजसेवियों की उपस्थिति में छावनी जन आक्रोश समिति का गठन किया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से निम्न मुद्दों पर चर्चा हुई:-1. छावनी परिषद तथा रक्षा संपदा विभाग द्वारा हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना। नियम विरुद्ध तरीके से अनाप-शनाप टैक्स बढ़ाना, ट्रेड लाइसेंस, दुकानों के नामांतरण में विलंब। अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा आम जनता, व्यापारियों, ठेले-टपरे वालों को परेशान करना। केंट बोर्ड में शराब दुकान के अतिक्रमण पर छूट, अवैध तरीके से दुकान/मकान सील करने की कार्रवाई। बिना बोर्ड रेजोल्यूशन के काम करना, खंबताल तालाब की सफाई व गहरीकरण में घोटाला। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शुक्रवार, 11 सितंबर को दोपहर 3:00 बजे सदर काली माई मंदिर के सामने से सभी समिति सदस्य एकत्रित होकर केंट बोर्ड सीईओ के नाम अध्यक्ष ब्रिगेडियर को छावनी परिषद में आक्रोश पत्र सौंपेंगे। मांगे नहीं मानने पर अर्थी जुलूस, पुतला दहन, सदर बंद, जनता और व्यापारियों के साथ छावनी परिषद का घेराव किया जाएगा। छावनी जन आक्रोश समिति की बैठक सदर रामलीला मैदान में आयोजित की गई थी जिसमें प्रमुख रूप से कन्हैया रामकृष्ण तिवारी, राजेश रजक, जागेश राव, पंकज गुप्ता, भागचंद पटेल,रोशन गौतेल, नकुल गुप्ता, पवन यादव, हरी केसवानी, सतीश अग्रवाल, डॉ अजय वाधवानी,एड रंजीत राजपूत, सुजीत सिंह ठाकुर, दिनेश कुशवाह, विजय कोरी,श्रीनिवास नायडू, गांधी चौकसे,संजय सोनकर, मिंटू कुरील, सुजीत मेहतो, इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्रीमती बिन्नी बाई गोल्हानी- मालगुजार परिसर गोहलपुर निवासी श्री राम कुमार गोल्हानी की धर्मपत्नी श्रीमती बिन्नी बाई गोल्हानी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रेणू ग्रोवर- हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री नरेंद्र ग्रोवर की धर्मपत्नी श्रीमती रेणू ग्रोवर (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री जगदीश जायसवाल- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री जगदीश जायसवाल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री इंद्र प्रकाश बाथरे- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री इंद्र प्रकाश बाथरे (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संतोष कुमार दुबे- बड़ा पत्थर रांझी निवासी श्री मदन लाल दुबे के पुत्र श्री संतोष कुमार दुबे (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री किशन लाल देवानी- रशीदगंज मस्जिद के बाजू वाली गली नया मोहल्ला मढ़ाताल निवासी श्री किशन लाल देवानी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री पापा कोरी- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री पापा कोरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती काजल जाट- कंजर मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री चंद्रकिशन जाट की धर्मपत्नी श्रीमती काजल जाट (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री नरेंद्र दुबे- गौरीघाट निवासी श्री दिलीप दुबे के पुत्र श्री नरेंद्र दुबे (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम नारायण शर्मा- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री राम नारायण शर्मा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल में किया गया।

श्रीमती कुसुम बाई चौधरी- गली नं. 5 अम्बेडकर नगर पोलीपाथर निवासी श्री सेवकलाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम बाई चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्री हरीचंद चौधरी- कांचघर दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री हरीचंद चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्रीमती कलावती देवी कुशवाहा- कृष्णा कॉलोनी सुहागी निवासी श्री नंदलाल कुशवाहा की धर्मपत्नी कलावती देवी कुशवाहा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

श्री मयूर कुमार जाट- छोटी ओमती दुर्गा साईं मंदिर के पास निवासी श्री मयूर कुमार जाट (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा नागेश- बरसाना मोहल्ला प्रेमनगर निवासी श्री अनिल कुमार नागेश की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा नागेश (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट में संपन्न हुआ।

महिला जांच अधिकारी के साथ कार्यालय में घुसकर मारपीट

जिला पंचायत कार्यालय की घटना, प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। जिला पंचायत कार्यालय में पदस्थ महिला कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच लंबित थी। महिला कर्मचारी के पति ने कार्यालीय मे घुसकर महिला जांच अधिकारी के साथ मारपीट की। जिसके कारण उसे चोटे आई है। पुलिस ने पीड़ित महिला अधिकारी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया।

बेलबाग थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत कार्यालय में पदस्थ आरती सोनी के खिलाफ अर्थिक अनियमिकतों के संबंध में विभागीय जांच लंबित थी। विभागीय जांच की जिम्मेदारी जिला पंचायत में पदस्थ जिला परियोजन प्रबंधक श्री मति मंजूला झा को विभागीय जांच की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। महिला अधिकारी बुधवार की दोपहर को अपने कार्यालय में बैठी हुई थी। इसी दौरान महिला कर्मचारी आरती सोनी का पति योगेश सोनी उनके कार्यालय में पहुँच गया। महिला कर्मचारी के खिलाफ लंबित विभागीय जांच के संबंध में योगेश जांच अधिकारी के साथ विवाद करने लगा। इसके बाद आरोपी ने महिला जांच अधिकारी पर हमला कर दिया। हाथ-घूंसे से मारपीट किये जाने के कारण महिला अधिकारी को चोटे आई है। महिला अधिकारी ने आबाज सुनकर कार्यालय के अन्य कर्मचारी महिला अधिकारी के कक्ष में पहुँचते,उसके पहले की आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने पीडित महिला अधिकारी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी सरगर्मी से तलाश प्रारंभ कर दी हैं। इस घटना से कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया था।

एक की ट्रेन से कटकर तो दूसरे की जहर के सेवन से मौत

अधारताल और माढ़ोताल क्षेत्र की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थाना क्षेत्र में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई तो वहीं माढ़ोताल के ग्राम मुड़िया निवासी एक युवक ने जहर का सेवन कर लिया, जिसकी भी मौत हो गई। उक्त दोनों मामलों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मामलों को जांच में लिया है।

अधारताल पुलिस को ट्रालीमैन संतोष कुशवाहा ने सूचना दी कि एक अज्ञात युवक उम्र करीब 30-35 वर्ष की ट्रेन से टकराकर मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर मृतक की शिनाख्ती के प्रयास शुरु कर दिये है। इसी प्रकार माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि ग्राम मुड़िया पाटन निवासी 22 वर्षीय विवेक पटेल ने पाटन बाईपास के पास किसी जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया, जिसे उसका भाई उपचार के लिये मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत विवेक पटेल को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई कर मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

मारपीट कर लूटी राशि, अब देने से कर रहे इंकार

पीड़ित ने बरेला थाने में दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाना क्षेत्र में दो असमाजिक तत्वों ने पापुलर फैक्ट्री के एक कर्मी से मारपीट करते हुए साढ़े आठ हजार रुपये की राशि लूट ली। जब आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप किया तो आरोपियों ने राशि वापस करने का आश्वासन दिया और मामला रफा दफा कर दिया, लेकिन कई बीतने के बाद भी पीड़ित आनंद मोहन यादव को उसकी राशि वापस नहीं मिली। जिसके बाद उसने बीती रात पुलिस में शिकायत दर्ज करायी।

पुलिस को आनंद मोहन यादव उम्र 31 वर्ष निवासी मंगलपुरं टोला मनईटापुर, थाना गुलरिहा जिला गोरखपुर उत्तर प्रदेश, वर्तमान पता वार्ड न 06 तरूण साहू, के किराये के मकान में बरेला ने बताया कि वह पापुलर फैक्टरी बिलहरी में काम करता है। बिगत 29 अगस्त की रात करीब नौ बजे अस्सू गोटिया की मोटर सायकल देने बाजार मोहल्ला मंडी गया था। बाजार मोहल्ला मंडी में ट्रास्फार्मर के पास पप्पू बर्मन और श्याम शराब के नशे में खड़े हुए थे। जिन्होंने उसका रूपयो से भरा बैग झपट लिया और मारपीट करते हुए बैग से 86 सौ रुपये निकाल लिये। उसी समय अस्सू ठाकुर और अमित आ गये, तो दोनों आरोपी वहां से भाग गये। जिसके बाद अस्सू के बुलाने पर दोनों आरोपी वापस आये और रुपये वापस करने का कहने लगे, लेकिन आज दिनांक तक आरोपियों ने उसके रुपये वापस नहीं किये। शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज करते हुए मामले को विवेचना में लिया है।

चाचा-भतीजे पर चाकू से जानलेवा हमला

रांझी क्षेत्र में आधी रात बदमाशों ने घर में घुसकर वारदात को दिया अंजाम

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी स्थित किशन होटल काली मंदिर के समीप रहने वाले सुरेश कोल पर आपसी विवाद के चलते अनिकेत कोल व उसके साथियों ने चाकुओं से प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में वृद्ध के शरीर पर गंभीर चोटें आई है। वहीं हमला होते देख भतीजे ने बीच बचाव किया तो उस पर भी हमला कर दिया, हमले के बाद आरोपी घर में तोड़फोड़ करते हुए भाग निकले।

रांझी पुलिस ने बताया कि सुरेश कोल उम्र 62 वर्ष निवासी किशन होटल काली मंदिर के पास रांझी ड्रायवरी करते है। उनके साथ पुष्पलता कोल नामक महिला रहती है। बीती रात एक बजे के लगभग सुरेश कोल का पुष्पलता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिस पर पुष्पलता ने अपने बेटे अनिकेत को खबर दे दी, जिस पर अनिकेत कोल अपने साथी साहिल कोल, शिवम कोल एवं रचित कोल के साथ मौके पर पहुंचा। जिसने मां पुष्पलता के इशारे पर सुरेश कोल के साथ गाली गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया, जिससे सुरेश के पेट में चोट आई, इसके बाद अनिकेत व उसके साथियों ने पुन: चाकू से हमला कर सीने, पैर व जांघ में वार किये, सुरेश कोल पर हमला होते देख भतीजे अंशुल ने बीच बचाव किया तो उस पर भी चाकुओं से हमला किया। हमले के बाद आरोपियों ने घर में रखा सारा सामान क्षतिग्रस्त कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग घरों से निकल आये, जिन्हे देख हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाकर हमलावरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

सूदखोरों के जाल में फंसने पर बेचना पड़ा मकान, लाखों का कर्ज बकाया

पीड़ित की शिकायत पर करीब एक दर्जन लोगों पर सूदखोरी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा क्षेत्र निवासी एक दवा व्यापारी को सूदखोरी पर राशि लेना काफी महंगा पड़ा। चक्रवर्ती ब्याज दर से सूदखोरों ने राशि वसूलना शुरू किया और इसके लिए पूरा गिरोह तैयार कर लिया। सूदखोरों के जाल में फंसे संतोष से अपनी राशि वसूलने आरोपी एक दूसरे से राशि ब्याज पर दिलाते और फिर मनमाना ब्याज वसूलते। उधार ली गई राशि का तीन गुना वापस करने के बाद भी सूदखोर पीड़ित से तीन गुना राशि की मांग कर उसे डरा-धमका रहे है। जिसकी शिकायत पीड़ित संतोष कुनबी ने गढ़ा थाने में दर्ज कराई है। शिकायत पर पुलिस ने करीब एक दर्जन सूदखोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मदन महल भारत कालोनी निवासी 47 वर्षीय संतोष कुनबी दवा खरीदने और बेचने का काम करते है। विगत वर्षों में उन्हें व्यवसाय में काफी नुकसान हुआ और उनकी मॉं का भी स्वास्थ्य खराब हो गया। साथ ही छोटे भाई की शादी का भी बोझ आ गया। जिस पर उन्होंने ग्राम सूखा निवासी अनिल पटेल से सितम्बर 2025 में 5 लाख रूपये उधार लिये थे। जिसका केवल ब्याज के रूप में 3 लाख 61 हजार रूपये अदा कर चुके, परन्तु अभी भी 5 लाख रूपये की मूल रकम की मांग कर अनिल पटेल उन्हें परेशान कर रहा है। इसी तरह शक्ति नगर निवासी उमेश पटेल से वर्ष 2025 में 1 लाख 75 हजार रूपये उधार लिये थे। जिसके 1 लाख 68 हजार रूपये ब्याज के रूप में दे चुका है, उमेश पटेल द्वारा 3 लाख 50 हजार रूपये की मांग कर रहा है। बेदीनगर निवासी आशू नेल्सन से अक्टूबर वर्ष 2022 एवं वर्ष 2023 में कुल 6 लाख रूपये उधार लिये थे, जिसका 9 लाख 65 हजार का भुगतान कर चुका है, फिर वह छह लाख मूल और उस पर आठ माह के ब्याज की मांग कर परेशाना कर रहा है। इसके अलावा कृपाल चौक निवासी अंकुर डाबर से वर्ष 2025 में 80 हजार रूपये उधार लिये थे, जिसके दो लाख अदा किये, अजय महोबिया से लगभग डेढ़ वर्ष पहले 50 हजार रूपये उधार लिये थे, जिसके 20 हजार रूपये वापस कर दिये, बचे हुये 30 हजार रूपये के बदले में 91 हजार रूपये बसूल चुका है, और भी 1 लाख 98 हजार रूपये की मांग कर परेशान कर रहा है, गुप्तेश्वर निवासी सन्नी अरोरा से लगभग डेढ़ वर्ष पहले 30 हजार रूपये उधार लिया था जिसके बदले में 42 हजार रूपये दे चुका है जो अभी 42 हजार रूपये की मांग कर परेशान कर रहा है। इसके अलावा बंटी उर्फ रितेश श्रीवास्तव, रतन, श्रेयांश सोनी, रंजीत पटेल, पिंटू, सचिन चौकसे भी दो गुनी राशि वसूल करने के बाद उससे और राशि की मांग कर उसे डरा धमका रहे है। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने उक्त राशि अपना मकान बेचकर अदा की थी। आरोपियों ने षडयंत्र रचकर बारी-बारी से ब्याज का पैसा लौटने के लिये दूसरे से उसे ब्याज पर रूपये दिलाते गये तथा रूपये अधिक हो जाने पर किसी तीसरे से ब्याज पर रूपये दिलाते है। सभी ने एक राय होकर षणयंत्र पूर्वक उसे ब्याज पर रूपये देकर अधिक राशि वसूलते हुये गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दी है। शिकायत पर पुलिस ने उक्त सूदखोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सागर शराब कांड के बाद एक्शन में जबलपुर पुलिस

अवैध शराब ठिकानों पर रेड, 22 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले से पूरे सूबे में हड़कंप मचा हुआ है। जिसकों लेकर सरकार भी सवालों पर घिर आई है, जिसकों लेकर अवैध शराब कारोबारियों पर सख्ती से कार्रवाई के निर्देश दिये गये है। जिसका एक्शन बुधवार को जबलपुर में देखने को मिला। जहां घमापुर, खमरिया, रांझी, ओमती, बरगी व पनागर में अवैध शराब के अड्डों पर पुलिस ने रेड मारी। जहां से 22 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मौके पर 2570 लीटर लाहन भी नष्ट किया। साथ ही कच्ची शराब बनाने के उपकरण भट्ठियां और सिलेण्डर भी जब्त किये। पुलिस ने 235 लीटर कच्ची शराब व 48 पाव देशी शराब भी जब्त की है।

घरों में तैयार हो रहीं थी कच्ची शराब

घमापुर तेलमिल के पास रहने वाला मेहर कुचबंधिया अपने घर में साथी गोपाल धारकर, दीप कुचबंधिया, पवन कुचबंधिया के साथ भट्ठी लगाकर कच्ची शराब बना रहा था। जहां पुलिस ने रेड मारी। पुलिस को देखकर दीपू एवं पवन कुचबंधिया भाग निकले। वहीं मेहर कुचबंधिया एवं गोपाल धारकर को पुलिस ने धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से 15-15 लीटर के 5 डिब्बे में 75 लीटर कच्ची शराब, शराब बनाने के उपकरण 2 भट्टी, 1 सिलेण्डर जब्त किया गया। इसके बाद पुलिस ने शेरु कुचबंधिया के घर पर दबिश दी। जहां वह अपने घर में अपने साथी सूरज स्वामी, विक्की कुचबंधिया, फैंकएकली के साथ मिलकर भट्टी लगाकर कच्ची शराब बना रहा था। जहां से पुलिस ने 60 लीटर कच्ची शराब बरामद की। उक्त दोनों स्थानों से कच्ची शराब उतारने हेतु लगभग 2000 लीटर लाहन भरा हुआ मिला, जिसे भी नष्ट किया गया।

हाईकोर्ट की नई वेबसाइट में तकनीकी खामियों पर नाराजगी

न्यायिक समय बर्बाद होने पर आईटी स्टाफ की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, सात दिन में जांच रिपोर्ट तलब

जबलपुर,देशबन्धु। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की नई वेबसाइट में लगातार आ रही तकनीकी दिक्कतों पर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने गंभीर नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनिंद्र कुमार सिंह की पीठ ने पारित आदेश में कहा कि वेबसाइट ई-हियरिंग को सपोर्ट नहीं कर रही है और इसमें कई तकनीकी गड़बड़ियां हैं। इन खामियों के कारण न्यायिक समय बर्बाद हुआ। पीठ ने कहा कि वेबसाइट के संबंध में आईटी स्टाफ की अक्षमता को गंभीरता से लिया जा रहा है। आदेश में मुख्य न्यायाधीश से संबंधित आईटी स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा गया है।

सात दिन में बताने होंगे कारण-पीठ ने रजिस्ट्रार (आईटी-सीएसए) केएस कुशवाहा को विस्तृत जांच कराने और यह बताने के निर्देश दिए कि हाई कोर्ट के कामकाज में बाधा क्यों उत्पन्न हो रही है। दोषी पाए जाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई कर सात दिन के भीतर पीठ को रिपोर्ट देने को कहा गया है।

टीसीएस, इंफोसिस या एलएंडटी से होगा स्वतंत्र ऑडिट

पीठ ने हाई कोर्ट के आईटी सिस्टम की स्वतंत्र जांच के लिए टीसीएस, इंफोसिस या एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का निर्देश दिया है। टीम में भारत सरकार के सी-डॉट और मासकॉम के अधिकारी भी शामिल किए जा सकते हैं। तीसरे पक्ष का यह ऑडिट 30 दिन में पूरा कर रिपोर्ट कोर्ट में पेश करनी होगी।

संस्कारधानी का सुषमा सावंत ने बढ़ाया मान, छग में आज संभालेंगी न्याय की कमान

आज बिलासपुर में लेंगी शपथ, न्यायिक सेवा के 32 वर्षों का अनुभव

जबलपुर,देशबन्धु। संस्कारधानी की धरती ने जिस बेटी को शिक्षा और संस्कार दिए, अब वही बेटी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की न्यायिक पीठ पर बैठकर न्याय की नई जिम्मेदारी संभालेगी। शहर में पली-लिखीं सुषमा सावंत को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। सुषमा सावंत की इस नियुक्ति ने संस्कारधानी का मान बढ़ाते हुए शहर को गौरान्वित किया है।

दरअसल केंद्र सरकार ने मंगलवार को नियुक्ति की अधिसूचना जारी की। वे आज 10 सितंबर को बिलासपुर में शपथ लेंगी। सुषमा सावंत का जन्म 24 नवंबर 1969 को छिंदवाड़ा में हुआ। वे जबलपुर के कृपा शंकर वर्मा की पुत्री हैं। जानसन गर्ल्स स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के बाद एमएच कालेज से बीएससी और हितकारिणी कालेज से विधि स्नातक किया। 1994 में सिविल जज के रूप में न्यायिक सेवा में प्रवेश किया। विवाह के बाद छत्तीसगढ़ को कर्मभूमि बनाया।

महासमुंद, बिलासपुर और राजनांदगांव में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहीं। बिलासपुर कुटुंब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की निदेशक का दायित्व भी संभाला। मई 2012 में विधि एवं विधायी कार्य विभाग की अतिरिक्त सचिव बनीं। अप्रैल 2024 में राजनांदगांव की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और 13 अक्टूबर 2025 से विभाग की प्रमुख सचिव हैं। इस पद पर पहुंचने वाली राज्य की पहली महिला अधिकारी हैं। सुप्रीम कोर्ट कालेजियम की 18 अगस्त की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से यह नियुक्ति हुई है। उनके साथ संतोष शर्मा और सुधीर कुमार भी हाई कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। तीनों के शपथ लेने के बाद 22 स्वीकृत पदों वाले हाई कोर्ट की न्यायिक क्षमता और बढ़ेगी।

चैक बाउंस की आरोपी महिला को छह माह की सजा

1.58 लाख की राशि एक माह में अदा करनी होगी

जबलपुर,देशबन्धु। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी डॉ. गौरव गर्ग की अदालत ने चैक बाउंस के मामले में महिला राखी अग्रवाल को दोषी पाया है। अदालत ने आरोपी महिला को छह माह की सजा व एक लाख 58 हजार रुपये की राशि एक माह में अदा करने के निर्देश दिये है। राशि अदायगी न होने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

यह परिवाद समदड़िया ग्रीन सिटी निवासी एंजल जैन ने अधिवक्ता सुजन जैन के माध्यम से दायर किया था। जिनकी ओर से अदालत को बताया गया कि परिवादी एंजल का जवाहरगंज निवासी राखी अग्रवाल के पति अभिषेक अग्रवाल से मित्रवत संबंध थे। जिन्होंने अपनी आर्थिक आवश्यकता बताते हुए एक लाख बीस हजार रुपये की राशि प्राप्त की। जिसके एवज में 11 फरवरी 2024 को एचडीएफसी बैंक का चैक दिया। जो निर्धारित तिथि पर आवेदक ने अपने खाते में जमा किया, लेकिन अपर्याप्त राशि होने के कारण उक्त चैक अनादरित हो गया। इसके बाद अनावेदक के कहने पर पुन: चैक लगाया गया, जिस पर स्टाप पेमेंट कर दिया गया। इस तरह अनावेदक ने परिवादी की दी हुई राशि हड़प ली। जिसके बाद कानूनी नोटिस देकर उक्त मामला दायर किया गया। पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद अदालत ने उक्त निर्देश दिये।

शपथ के बाद कल पहली बार हाईकोर्ट पहुंचेंगे नए मुख्य न्यायाधीश कोगजे

सुबह 10 बजे गार्ड आफ आनर, 10:30 बजे कोर्ट हाल नंबर एक में होगा अभिनंदन समारोह

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे 11 सितंबर को पहली बार जबलपुर स्थित हाईकोर्ट परिसर पहुंचेंगे। उनके आगमन पर सुबह 10 बजे हाईकोर्ट परिसर में रजिस्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से गार्ड आफ आनर दिया जाएगा। इसके बाद उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश के स्वागत व अभिनंदन के लिए सुबह 10:30 बजे कोर्ट हाल नंबर एक में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया के आदेश पर जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी न्यायाधीश मुख्य न्यायाधीश के चैंबर में एकत्र होंगे।

वहां से मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश कोर्ट हाल नंबर एक पहुंचेंगे। खास बात यह है कि इंदौर और ग्वालियर खंडपीठों के न्यायाधीशों के साथ-साथ वहां के बार एसोसिएशनों के अध्यक्ष, सदस्य तथा बार काउंसिल के सदस्य भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभिनंदन समारोह में शामिल होंगे। रजिस्ट्रार जनरल धर्मिंदर सिंह की ओर से जारी कार्यक्रम में सभी संबंधितों से समारोह में सहभागिता का अनुरोध किया गया है। नए मुख्य न्यायाधीश के आगमन को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन में तैयारियां शुरू हो गई हैं।

अनुमति प्राप्त कर किया गया निर्माण कार्य

भोपाल के कलियासोत तथा बडे तालाब का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। भोपाल नगर निगम के द्वारा कलियासोत तथा बडे तालाब के पचास मीटर के दायरे में आने वाले मकान को अवैध करार देते हुए तोड़ने के संबंध में जारी आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ के द्वारा संबंधित याचिकाओं की सुनवाई संयुक्त रूप से गयी। एकलपीठ ने निर्मित मकान के तोडने पर रोक बरकरार रखते हुए अगली सुनवाई 15 अगस्त को निर्धारित की है।

गौरतलब है कि नगर निगम भोपाल के द्वारा अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण व व्यावसायिक गतिविधि संचालित किये जाने के संबंध में जारी किये गये नोटिस व पारित आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में 106 याचिकाएं दायर की गयी थी। एकलपीठ सभी याचिकाओं की सुनवाई संयुक्त रूप से कर रही है। एकलपीठ के द्वारा सोमवार को 42 याचिकाओं की सुनवाई करते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान दस नम्बर,कलियासोत व बडा तालाब के पचास मीटर के एरिया में व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने के संबंध में नगर निगम के द्वारा जारी आदेश तथा शो-कॉज नोटिस जारी किये जाने के संबंध में दायर याचिकाओं की सुनवाई की गयी थी। एकलपीठ ने शो-कॉज नोटिस जारी किये जाने संबंधित याचिकाओं का निराकरण करते हुए याचिकाकर्ता के जवाब पर कारण सहित विधि अनुसार आदेश जारी करने निर्देश नगर निगम को दिये थे।

भोपाल नगर निगम के द्वारा कलियासोत तथा बडे तालाब के पचास मीटर दायरे में निर्मित मकानो को अवैध करार देते हुए तोडने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एकलपीठ के द्वारा संयुक्त रूप से सुनवाई की गयी। एकलपीठ को बताया गया कि मास्टर प्लान 2005 के अनुसार निर्धारित अनुमति प्राप्त कर निर्माण कार्य किया गया है। समयाभाव के कारण सभी याचिकाकर्ता अपना पक्ष प्रस्तुत नही कर सके। एकलपीठ ने याचिकाओं पर अगली सुनवाई 15 सितम्बर को निर्धारित की है।

ए क्लास से बी क्लास नपा में सीएमओ का तबादला नियम विरुद्ध : हाईकोर्ट

शहडोल सीएमओ मामले में युगलपीठ ने एकलपीठ का आदेश रखा यथावत

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट की युगलपीठ ने शहडोल नगर पालिका की सीएमओ आशा भंडारी के तबादले के मामले में एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने एकलपीठ के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत अपील निरस्त कर दी। दो जून 2026 को आशा भंडारी का शहडोल से नगर पालिका अनूपपुर स्थानांतरण किया गया था। उन्होंने स्थानांतरण आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। एकल पीठ ने कहा था कि ए क्लास नगर पालिका के सीएमओ का तबादला ए क्लास से बी क्लास नगर पालिका में नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर पीठ ने आशा भंडारी को शहडोल सीएमओ के पद पर कार्य करते रहने का आदेश दिया था। साथ ही जयसिंहनगर से शहडोल सीएमओ बनाए गए निशांत सिंह का पदस्थापना आदेश भी निरस्त कर दिया था। इस फैसले को निशांत सिंह ने अपील के जरिए चुनौती दी। युगलपीठ ने अपील निरस्त करते हुए एकलपीठ के आदेश को यथावत रखा।

एसबीसी चुनाव में अब तक 94 प्रत्याशी बाहर

22वें एलिमिनेशन राउंड के बाद सात ने पार किया निर्धारित कोटा

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना में एलिमिनेशन राउंड का 22वां दिन पूरा हो गया। कुल 122 प्रत्याशियों में से अब तक 94 चुनाव से बाहर हो चुके हैं। शुक्रवार को क्रमांक 70 डा. प्रवीण तिवारी (रीवा) और क्रमांक 102 शेख अलीम (इंदौर) के मतों की गणना के बाद दोनों एलिमिनेट हुए।

निर्धारित कोटा पार करने वाले सात प्रत्याशियों में राकेश सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार सक्सेना, आर.के. सिंह सैनी, विवेक सिंह, संदीप मेहता, नित्यानंद मिश्रा और हितोषी जय हार्डिया शामिल हैं। इन्हें प्रक्रिया पूरी होने पर निर्वाचित माना जाएगा मतगणना में पुरुष प्रत्याशियों में नरेन्द्र कुमार जैन, मनीष तिवारी, जितेन्द्र कुमार शर्मा, गोरख मिश्रा और अखंड प्रताप सिंह बढ़त में हैं। महिला आरक्षण के कारण अंतिम पांच महिला प्रत्याशियों का समीकरण भी परिणाम में महत्वपूर्ण रहेगा।

21 बार बजेगा वादे का ऑडियो, भाजपा से पूछेंगे कब जिला बनेगा सिहोरा?

विधायक को स्मरण पत्र सौंप आंदोलन के प्रथम चरण का समापन

2 अक्टूबर को भाजपा संभागीय कार्यालय के सामने होगा प्रदर्शन

सिहोरा, देशबन्धु। चुनावी मंच से किया गया वादा अब भाजपा के लिए सवाल बनता जा रहा है। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने आंदोलन का पहला चरण पूरा करते हुए बुधवार को विधायक संतोष बरकड़े को स्मरण पत्र सौंपने की अपनी घोषणा पूरी की। विधायक के बाहर रहने पर उनके प्रतिनिधि के तौर पर अनुपम सराफ से पत्र लिया। समिति ने इसके साथ ही आंदोलन के अगले चरण का ऐलान कर दिया।

समिति ने 2 सितंबर से सिहोरा के जिम्मेदार भाजपा नेताओं को स्मरण पत्र सौंपकर उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी द्वारा विधानसभा चुनाव के ठीक पहले सिहोरा जिला बनाने को लेकर की गई घोषणा का ऑडियो सुनाया।

समिति ने नेताओं से सवाल किया कि जब चुनाव के समय जनता के बीच मंच से सिहोरा जिला बनाने की बात कही गई थी, तो सत्ता में आने के बाद उस घोषणा पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं दे रही?

समिति के सदस्यों ने कहा कि स्मृति ईरानी जैसे राष्ट्रीय स्तर के नेता द्वारा किया गया प्रस्ताव सत्ता की चकाचौंध में भुला देना उचित नहीं है। भाजपा को भविष्य में फिर जनता के सामने चुनाव में जाना है और उस समय जनता अपने वादों का हिसाब जरूर मांगेगी।

पहले आग्रह, अब आंदोलन

समिति का कहना है कि सिहोरा जिला की मांग को लेकर जिम्मेदार नेताओं से पहले भी कई बार आग्रह किया जा चुका है, लेकिन सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आया। इसलिए अब समिति केवल आश्वासन के भरोसे रुकने वाली नहीं है।

समिति ने साफ कर दिया है—अब बात आग्रह से आगे बढ़कर जवाबदेही तक जाएगी।आंदोलन के अगले चरण में 2 अक्टूबर को जबलपुर स्थित भाजपा संभागीय कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान स्मृति ईरानी की चुनाव पूर्व घोषणा का ऑडियो 21 बार बजाते हुए प्रश्न उठाएगी कि सिहोरा की जनता से चुनाव पूर्व किया गया वादा कब पूरा होगा?स्मृति ईरानी की घोषणा पर सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की?सिहोरा को जिला बनाने की पहल आखिर किस स्तर पर अटकी है? '

विधायक के सामने रखे दो विकल्प

विधायक संतोष बरकड़े के नाम स्मरण पत्र सौंपते समय समिति ने उनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे।

पहला मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के समक्ष विधायक सिहोरा द्वारा सिहोरा जिला बनाने का लिखित अध्यावेदन प्रस्तुत किया जाए और आयोग के सामने सिहोरा का मजबूत पक्ष रखा जाए। दूसरा यह कि विधायक स्वयं भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी को साथ लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करें और चुनाव पूर्व की गई घोषणा को अमल में लाने की मांग करें।

अब निगाहें 2 अक्टूबर पर हैं जब भाजपा के संभागीय कार्यालय के सामने 21 बार चुनावी वादे की आवाज गूंजेगी और भाजपा नेतृत्व से एक ही सवाल पूछा जाएगा— 'सिहोरा जिला कब? '

बुधवार को स्मरण पत्र सौंपने वालों में समिति के अनिल जैन, कृष्ण कुमार कुररिया,रामजी शुक्ला,संतोष पांडे,शरद सेठ,प्रदीप दुबे,पुरषोत्तम गुप्ता,मोहन सोंधिया,राजेश कुररिया,सुमित शुक्ला,आलोक जैन,जितेंद्र श्रीवास,दशरथ पटेल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

किसी को दुखी कर कोई सुखी नहीं हो सकता : मुनिश्री निर्दोष सागर

पनागर, देशबन्धु। किसी को दुखी करने पर दूसरे को सुख प्राप्ति की आशा नहीं करना चाहिए, दुख देने वाले को पलट कर दुख ही प्राप्त होगा वह चाहे कि मैं किसी को दुखी कर दूं उसकी आत्मा दिखा दूं और मुझे सुख मिल जाए यह संभव नहीं है। इस दुनिया में आदि अनंत काल से दुख देने वाले को दुख ही मिलेगा आज नहीं तो कल मिलेगा परसों मिलेगा आने वाले समय में कभी भी मिलेगा जो बोया है इस ही काटना पड़ेगा लेकिन निश्चित ही मिलेगा यह संसार का नियम है इसलिए अगर सांसारिक प्राणी को सुख की कामना करना है तो उसे दूसरे को दुख देकर सुख पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। ये मांगलिक प्रवचन के दौरान पूज्य आचार्य संत शिरोमणि श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य पूज्य मुनि निर्दोष सागर महाराज जी ने आज अपनी प्रवचन के दौरान श्री शांतिनाथ जिनालय बड़े जैन मंदिर प्रांगण में भक्त जनों के समक्ष कही।

उन्होंने यह भी कहा कि आप अपनी बात बोले लेकिन ऐसी बोले कि जो दूसरे को कारण प्रिया हो क्योंकि आपके मुख से निकले वचन आपको सम्मान भी दिला सकते है और आपको नुकसान भी पहुंचा सकते हैं प्रत्येक व्यक्ति को नपे तुले शब्दों का प्रयोग करना चाहिए और सोच समझकर सुनकर अपने शब्दों को बोलना चाहिए।

सार-सामाचार

बिजली बिल बकायादारों के विरुद्ध हुई कार्रवाई

गोसलपुर, देशबन्धु। सिहोरा डिवीजन अंतर्गत बिजली बिल वसूली के लिए 8 अगस्त को सघन अभियान चलाया गया। संभाग के बड़े एवं लम्बे से समय से भुगतान न करने वाले बकायादारों को पूर्व में भुगतान के लिए नोटिस जारी किए गए थे, जिस पर उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान न किए जाने पर अधीक्षण अभियंता के निर्देशन में कार्यपालन अभियंता एवं संभाग के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता द्वारा टीम बनाकर अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गोसलपुर खितौला, इंद्राना, मझौली एवं मझगवां में बकायादारों के कुल 95 कनेक्शन विच्छेदित किए गए।

गोसलपुर वितरण केंद्र के अंतर्गत सहायक अभियंता यशवंत चौधरी एवं कनिष्ठ अभियंता रमेश सिन्हा के दल द्वारा ग्राम सिलुआ में लंबे समय से भुगतान न करने पर 2 उपभोक्ताओं की मोटर साइकिल जब्त की गई। इसी प्रकार खितौला अंतर्गत सहायक राकेश गढ़वाल एवं सहायक अभियंता वीरेंद्र उइके के दल ने मोटर पम्प एवं अन्य सामग्री जब्त की। मझगवा वितरण केंद्र के अंतर्गत डीआरए प्रकिया के तहत उपभोक्ताओं की पेशी संपन्न की गई, जिसमें कुल 20 उपभोक्ताओं ने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा एवं बकाया राशि का भुगतान कराया अभियान में कुल 114 उपभोक्ताओं द्वारा 8.5 लाख रुपये की बकाया राशि का भुगतान किया।

ग्रामीण क्षेत्रों के गैस उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत, अब मात्र 25 दिन में रिफिल होगा सिलेंडर

गोसलपुर, देशबन्धु। क्षेत्र के घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। संस्कार गैस एजेंसी गोसलपुर के संचालक अनिल कुमार जैन ने जानकारी दी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडर बुकिंग की समयावधि को काफी कम कर दिया गया है।

अब ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरेलू उपभोक्ता 45 दिन के बजाय हर 25 दिन में अपना गैस सिलेंडर रिफिल बुक कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। बुकिंग की नई अवधि अब 45 दिन की जगह केवल 25 दिन में सिलेंडर की बुकिंग होगी। गोसलपुर एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। बताया गया कि यह नियम तत्काल प्रभाव से प्रभावी हो गया है। एजेंसी के संचालक अनिल कुमार जैन ने बताया की एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था में सुधार और लंबित रिफिल मामलों में आई कमी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है इस बदलाव से ग्रामीण इलाकों के उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर मिल सकेगा और उन्हें लंबी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

जुझारी मे इनामी दंगल आज

गोसलपुर, देशबन्धु। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी घुल्हाई अमावस्या के पावन अवसर पर गोसलपुर के समीप जुझारी में विशाल इनामी दंगल का आयोजन किया जा रहा है दंगल का आयोजन आज गुरूवार को ग्राम के अखाड़ा परिसर में दोपहर 2 बजे से होगा। आयोजन समिति के राजा दुबे ने बताया की इस दंगल में जबलपुर कटनी नरसिंहपुर उमरिया अनूपपुर, शहडोल मंडला सहित छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र यूपी के नामी पहलवान अपना दमखम दिखाने आएंगे। विजेता पहलवानों के लिए आकर्षक नकद ईनाम रखा गया है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य अनिल चौधरी ने कहा कि जुझारी का यह दंगल क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखता है यह सिर्फ कुश्ती नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भाईचारे का प्रतीक है। इस अवसर पर विधायक संतोष बरखडे सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

शोक संतृप्त परिवार से मिले विधायक बरकडे

गोसलपुर, देशबन्धु। गत दिवस कछपुरा निवासी नोखे लाल पटेल और गोसलपुर निवासी अनुपम जैन रानू के निधन पश्चात शोक संतप्त परिवार से मिलने क्षेत्रीय विधायक संतोष बरकड़े पहुंचे उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और इस दुख की घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया। विधायक श्री बरकड़े ने शोकाकुल परिवार के साथ कुछ समय बिताया परिजनों की बात सुनी। इस दौरान उन्होंने कहा दुख की इस घड़ी में हम सब आपके साथ हैं विधायक के इस आत्मीय दौरे से शोक संतप्त परिवार को संबल मिला इस अवसर पर उनके साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गोसलपुर क्षेत्र की पंचायतों में लटके रहते हैं ताले

गोसलपुर, देशबन्धु। गोसलपुर अंचल की ग्राम पंचायतों में इन दिनों अव्यवस्था का आलम है। अधिकांश पंचायत भवनों में सुबह से शाम तक ताले लटके रहते हैं सचिव समय पर गांव नहीं पहुंचते कई-कई दिन तक सचिवों के दर्शन तक नहीं होते जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

हितग्राही परेशान, योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा- स्थानीय ग्रामीणों ने बताया की वे पंचायत के चक्कर काट रहे हैं। जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, समग्र ई-केवाईसी, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पीएम आवास और राशन कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए हितग्राहियों को रोज पंचायत आना पड़ता है, लेकिन सचिव के अभाव में उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है।

मुख्यालय पर न रहकर कर रहे हैं खानापूर्ति

ग्रामीणों का आरोप है की सचिव मुख्यालय पर न रहकर मुख्यालय से बाहर निवास कर रहे हैं और कभी-कभार आकर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। पंचायत के रोजगार सहायक भी मनमानी कर रहे हैं।

शासन के आदेशों की उड़ रही धज्जियां -उल्लेखनीय है कि शासन और जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में भी कई बार स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं कि सभी सचिव नियमित रूप से पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे और पंचायत भवन निर्धारित समय पर खुले रहेंगे, इसके बावजूद आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। वही दूसरी ओर जनपद सीईओ औचक निरीक्षण नहीं करती है। शासन के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

कलेक्टर से शिकायत की तैयारी-जनसेवा समिति के विजय दुबे कमल पटैल इकाश पटैल और ग्रामवासियों ने निर्णय लिया है की शिकायत कलेक्टर जबलपुर जिला पंचायत सीईओ से की जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है की पंचायतों को प्रतिदिन समय पर खोला जाना सुनिश्चित किया जाए।

पाटन जबलपुर मार्ग पर, मृत पशु के शव बने समस्या

पाटन, देशबन्धु। जिले के पाटन ब्लॉक में मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं का जमावड़ा और उनसे होने वाली आए दिन की दुर्घटनाएं अब एक गंभीर समस्या बन चुकी हैं। हाल ही में पाटन जबलपुर मार्ग के गुरुपिपरिया ग्राम पंचायत के अंतर्गत मारुती धर्मकाटा के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से कुचलकर गौवंश की हुई मौत के बाद भी प्रशासनिक अफसर एवं ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव ने मृत गौवंश के शव को उठवाने की जहमत नहीं की। मुख्य सड़क पर गौवंश के शव से राहगीरों को दुर्घटना होने का डर सता रहा है। इस मामले को लेकर जिम्मेदार मौन साधे बैठे है। राहगीरों ने बताया की मृत शव एवं मुख्य मार्गों में हर समय भारी संख्या में आवारा मवेशी बैठने से यातायात बाधित होने के साथ साथ आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। रात के समय सड़कों परं अंधेरा और पशुओं की मौजूदगी के चलते स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। इस विकराल समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा गौ-संरक्षण और कांजी हाउस,गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रूपये की योजनाएं तो बनाई जाती है,लेकिन वे कागजों तक सीमित रह जाती है। वही धरातल पर पुख्ता इंतजाम न होने का खामियाजा बेजुबान पशुओं और आम जनता दोनों को भुगतना पड़ता है।

पंचायत स्तर पर नहीं कोई व्यवस्था-

इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत गुरुपिपरिया पाटन के सचिव शक्ति नारायण पटेल से बात की तो उन्होंने बताया कि गौवंश का मृत शव उठवाने पंचायत स्तर पर कोई व्यवस्था नहीं है। नगर निगम या नगर परिषद के माध्यम से मृत गौवंश का शव उठवाते हैं और उसका भुगतान पांचवे वित्त से किया जाता है।

अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। चरगुवा क्षेत्र में कथित रूप से चल रही अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी को लेकर भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए ज्ञापन सौंपा।

संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों से अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने पहुंचे संगठन के कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन से सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। उनका आरोप है कि शराब का अवैध कारोबार जारी रहने से युवा वर्ग पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जाए, जहां अवैध रूप से शराब का भंडारण अथवा बिक्री किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की आवश्यकता है।

मौत का कुआं बना बंजारी माता मंदिर के पास करदही नदी का पुराना पुल

जबलपुर/सिहोरा, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 (जबलपुर-सिहोरा मार्ग व्हाया गांधीग्राम), जो कि पुराना एनएच-7 मार्ग है, पर स्थित करदही नदी का पुराना पुल इन दिनों गंभीर हादसों का केंद्र बन चुका है। बंजारी माता मंदिर के समीप बने इस ब्रिटिशकालीन/पुराने पुल की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि यह कभी भी किसी बड़े जानलेवा हादसे का सबब बन सकता है।

बेस और सुरक्षा दीवारें ढहकर नदी में समाईं-पुल के दोनों ओर की प्रारंभिक सुरक्षा दीवारें (रेलिंग/पैरापेट वॉल) और आधारभूत बेस पूरी तरह ढहकर करदही नदी में समा चुके हैं। पुल के मुहाने पर कोई भी सुरक्षा घेरा या संकेतक नहीं बचा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि बंजारी माता पुल से गुजरते समय जरा सी चूक होने या वाहन का पहिया सड़क की पटरी से नीचे उतरते ही वाहन सीधे गहरी नदी में जा गिरता है।

कई वाहन हो चुके हैं हादसे का शिकार-सुरक्षा दीवारों के अभाव में अब तक कई चार पहिया वाहन, कारें और दोपहिया चालक अनियंत्रित होकर सीधे नदी में समा चुके हैं। आए दिन हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ठोस ध्यान नहीं दे रहा है। विशेष रूप से रात के अंधेरे में या बारिश के मौसम में यह पुल चालकों के लिए बिल्कुल नजर नहीं आता, जिससे यह इलाका पूरी तरह 'ब्लैक स्पॉट' में तब्दील हो चुका है।

नए पुल के निर्माण में लेटलतीफी, राहगीरों में खौफ-नए पुल के निर्माण में हो रही लगातार देरी से स्थानीय निवासियों, राहगीरों और वाहन चालकों में भारी रोष और भय का माहौल है।

इस व्यस्त मार्ग से रोजाना हजारों गाड़ियां गुजरती हैं, लेकिन विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है।

बड़े हादसे से पहले जागे प्रशासन-स्थानीय ग्रामीणों और नियमित यात्रियों ने जिला प्रशासन तथा संबंधित निर्माण एजेंसी से मांग की है कि जब तक नए पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक इस पुराने पुल पर तत्काल मजबूत रिपेयरिंग, मजबूत बैरिकेडिंग, रेडियम संकेतक और दोनों ओर सुरक्षा दीवारें बनाई जाएं, ताकि किसी भी संभावित बड़ी जनहानि को टाला जा सके।

15 वर्ष जमे रहने के बाद भी नहीं छूटा मलाईदार कुर्सी का मोह!

तबादला नीति की उड़ रही धज्जियां, कृषि एसडीओ की लंबे समय से पाटन में पदस्थापना पर उठे सवाल

पाटन, देशबन्धु। शासन की तबादला नीति में जिम्मेदार पदों पर अधिकारियों की लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थापना पर रोक के बावजूद कृषि विभाग में पाटन ब्लॉक की कृषि एसडीओ की कथित तौर पर 15 वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थापना को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि स्थायी नियुक्ति से पूर्व भी उन्होंने कुछ वर्षों तक संविदा पर पाटन में सेवाएं दी थीं। यदि यह जानकारी सही है तो पाटन में उनकी कुल सेवा अवधि और भी अधिक बढ़ जाती है।

तबादला नीति पर उठ रहे सवाल-बताया जा रहा है कि हाल ही में एसडीओ का कृषि विभाग में प्रमोशन भी हुआ है, इसके बावजूद पाटन की एसडीओ कृषि की जिम्मेदारी से उन्हें हटाया नहीं गया। लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहने को लेकर किसान संगठनों और स्थानीय लोगों में बहुत नाराजगी है। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों को सामान्यत: एक ही स्थान पर लंबे समय तक पदस्थ रखने से प्रशासनिक पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।

खाद-बीज और कीटनाशक दुकानों से सांठगांठ का लगाया आरोप-स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि लंबे समय से

पाटन में पदस्थ रहने के कारण कृषि विभाग की एसडीओ के क्षेत्र के खाद,बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं तथा बिचौलियों से कथित नजदीकियां बढ़ गई हैं। कुछ लोगों द्वारा दुकानदारों से कथित मासिक लेन-देन के गंभीर आरोप भी लगाए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है।

मुख्यालय को लेकर भी उठ रहे सवाल

एसडीओ का मुख्यालय पाटन में होने के बावजूद जबलपुर से अप-डाउन करने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, स्थानीय स्तर पर फर्जी किरायानामा तैयार कर वर्षों से हेडक्वार्टर अलाउंस लेने तथा जबलपुर में बैठकर ही सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज कराने के आरोप भी सामने आए हैं। इन आरोपों की विभागीय जांच कराई जाना आवश्यक है,ताकि तथ्य और स्पष्ट हो सकें।

कर्मचारी के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला भी चर्चा में-कृषि विभाग में पदस्थ एक ड्राइवर कर्मचारी के साथ लंबे समय से कथित शोषण एवं अपमानजनक व्यवहार के आरोप भी पूर्व में सामने आ चुके हैं। बताया जाता है कि पदस्थापना से जुड़े मामले को लेकर उक्त कर्मचारी न्यायालय की शरण में गया था और वहां से उक्त कर्मचारी को राहत भी मिली थी। आरोप है कि न्यायालय के निर्देशों के बावजूद कर्मचारी से ड्राइवर के स्थान पर चपरासी का कार्य कराया जा रहा है। इस पूरे मामले में न्यायालय के आदेशों एवं विभागीय रिकॉर्ड की जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

किसान संगठन भोपाल में करेंगे शिकायत

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा कृषि एसडीओ की लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापना सहित खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण व्यवस्था तथा अन्य कथित अनियमितताओं को लेकर भोपाल में संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष शिकायत करने की तैयारी की जा रही है।

किसान संगठन का कहना है कि पाटन ब्लॉक में खाद एवं कृषि सामग्री की दुकानों का सघन एवं निष्पक्ष औचक निरीक्षण कराया जाए,ताकि किसानों को निर्धारित गुणवत्ता एवं उचित दर पर कृषि सामग्री उपलब्ध हो सके।

जिले से बाहर स्थानांतरण की किसानों ने की मांग-किसानों एवं स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि एसडीओ की लंबे समय से चली आ रही पाटन पदस्थापना की उच्चस्तरीय जांच कर उन्हें तत्काल जिले से बाहर स्थानांतरित किया जाए। लोगों का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण के कारण लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापना बनी हुई है।

किसानों का कहना है कि यदि शासन तबादला नीति, हेडक्वार्टर अलाउंस, सार्थक एप पर दर्ज उपस्थिति, न्यायालयीन आदेशों के पालन तथा खाद-बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं से कथित संबंधों की निष्पक्ष जांच कराए तो कई तथ्यों का खुलासा हो सकता है। अब देखना यह है कि शासन और कृषि विभाग इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करता है।

इमरान खान के लिए एक और पुराने साथी ने उठाई आवाज, कहा-मैं उन्हें हर पल याद करता हूं

पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जेल में बंद टीम के अपने साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के बहुत कम दिग्गज क्रिकेटरों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान 2022 से जेल में हैं। वह हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पूर्व कप्तान अकरम ने 'द एथलेटिक' से कहा कि मैंने तीन साल से उनसे बात नहीं की है। उनके साथ राजनीतिक तौर पर जो हो रहा है। वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत अपना काम करती है लेकिन जहां तक उनकी सेहत का सवाल है वहां कोई समझौता नहीं हो सकता। पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे। इससे पहले करीब 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिखकर इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने और मानवीय व्यवहार करने की मांग की थी।

जिस चीन पर पाकिस्तान को था भरोसा, उसी ने बना ली दूरी, इस मोहभंग की वजह क्या?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की बिजली कंपनी के निजीकरण की दौड़ से चीनी कंपनी बाहर हो गई है। चीन की कंपनी के इस कदम को पाकिस्तान के पावर सेक्टर में चीनी दिलचस्पी से जोड़कर देखा जा रहा है। जानें पूरा मामला और इसकी वजह। पाकिस्तान की बिजली कंपनी पर चीन की नजर थी, फिर क्या हुआ? डील के अगले चरण से चीनी कंपनी बाहर

पाकिस्तान और चीन की करीबी दोस्ती जगजाहिर है। लेकिन अब इसमें दरार पड़ती नजर आ रही है। चीन ने पाकिस्तान के बिजली क्षेत्र अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। दरअसल चीन की एक कंपनी पाकिस्तान की बड़ी बिजली वितरण कंपनी फैसलाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के निजीकरण की दौड़ से बाहर हो गई है। जो कंपनी बाहर हुई है वह चीन की सरकारी कंपनी पावरचाइना की एक सहायक कंपनी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान अपनी सरकारी बिजली वितरण कंपनियों में निजी निवेश लाने की कोशिश कर रहा है। निक्की एशिया ने इस घटनाक्रम को पाकिस्तान के पावर सेक्टर में चीन की घटती दिलचस्पी के संकेत के तौर पर देखा है।

फैसको की डील में क्या हुआ?- पाकिस्तान सरकार ने फैसको के निजीकरण के लिए घरेलू और विदेशी निवेशकों से रुचि पत्र यान ई मांगे थे। सरकार 51 से 100 फीसदी तक हिस्सेदारी के साथ कंपनी का मैनेजमेंट कंट्रोल निजी निवेशकों को देने की योजना पर काम कर रही है। फैसको के लिए कुल 12 निवेशकों ने ईओआई जमा किए थे। इनमें तीन कंपनियां तुर्किये की, एक चीन की और आठ पाकिस्तानी निवेशक या समूह शामिल थे। चीनी पक्ष के तौर पर जियांग्शी इलेक्ट्रिक पावर कंस्ट्रक्शन ने रुचि दिखाई थी। यह पॉवर चाईनासमूह से जुड़ी कंपनी है।

शुरुआत में यह चीन की भागीदारी पाकिस्तान के बिजली वितरण क्षेत्र में एक अहम कदम मानी जा रही थी। लेकिन अगस्त के अंत में तस्वीर बदल गई। पाकिस्तान की निजीकरण आयोग बोर्ड ने फैसको के लिए 10 कंपनियों को प्री-क्वालिफाई किया, जबकि जियांग्शी इलेक्ट्रिक पावर कंस्ट्रक्शन उनमें शामिल नहीं थी।

ट्रंप और पुतिन के बीच एक घंटे तक टेलीफोन पर हुई बातचीत, क्या कुछ बड़ा होने वाला है?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार को करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर रहा है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा में यूक्रेन युद्ध और हाल में अमेरिकी अधिकारियों की मॉस्को व कीव यात्रा प्रमुख मुद्दे रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने हाल में मॉस्को और कीव का दौरा किया था। इन यात्राओं को ट्रंप प्रशासन की रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते की दिशा में नई पहल के तौर पर देखा जा रहा है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बातचीत को बेहद साफ और खुली चर्चा बताया। उन्होंने कहा कि पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की यात्राओं के नतीजों पर अपने विचार साझा किए। पुतिन ने ट्रंप को यूक्रेन के मोर्चे पर मौजूदा हालात के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि युद्ध को जल्द समाप्त कराने में अमेरिका की ओर से वास्तव में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। रूस लगातार युद्ध के मैदान में अपनी स्थिति को मजबूत बताता रहा है। मॉस्को का दावा है कि उसकी सेना विभिन्न मोर्चों पर आगे बढ़ रही है और युद्ध में उसके सैन्य लक्ष्य अब भी पहले की तरह कायम हैं।

ट्रंप-पुतिन के बीच किन मुद्दों पर हुई बात- फोन पर हुई बातचीत के दौरान पुतिन ने यूरोप को लेकर रूस की स्थिति भी स्पष्ट की। उशाकोव के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति ने ट्रंप से कहा कि रूस की यूरोपीय देशों के खिलाफ कोई आक्रामक योजना नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब यूरोपीय देशों में रूस की संभावित गतिविधियों और यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों के खिलाफ कथित तोड़फोड़ अभियान को लेकर चिंता बनी हुई है। मॉस्को ने इन आरोपों को खारिज किया है। रूस लंबे समय से यूरोप और पश्चिमी देशों के उन आरोपों को खारिज करता रहा है, जिनमें उस पर पड़ोसी देशों और नाटो सदस्यों के खिलाफ भविष्य में सैन्य कार्रवाई की आशंका जताई जाती है। इस बीच, अमेरिका और रूस के बीच उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ने से यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। अगस्त के अंत में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख जॉन रैटक्लिफ ने भी मॉस्को का अचानक दौरा किया था। उन्होंने रूस को किसी नाटो सदस्य देश पर हमला नहीं करने की चेतावनी दी थी।

सुडोकू 7388

	2	5			8			6
		8			2			
	6		3		7			5
	9							7
		3		4		6		
1							9	
5			8		3		6	
			1			7		
4			9			5	1	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

मणिपुर के युद्ध स्मारक पहुंचे उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

इंफाल। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को मणिपुर के बिष्णुपुर जिले स्थित मोइरांग में भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) संग्रहालय और युद्ध स्मारक का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले आईएनए के सैनिकों के बलिदान को नमन किया। मोइरांग स्थित आईएनए संग्रहालय में नेताजी और आईएनए से जुड़े पत्र, दुर्लभ तस्वीरें, सैन्य रैंक के बैज और युद्ध से जुड़ी कई ऐतिहासिक वस्तुएं संरक्षित हैं। यह संग्रहालय आजादी के आंदोलन में आईएनए की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूपेन हजारिका को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महान संगीतकार, कवि और फिल्मकार भारत रत्न डॉ.भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भारतीय संगीत में उनके असाधारण योगदान तथा असम व पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने में उनकी भूमिका को याद किया। मोदी ने पोस्ट में हजारिका को 'प्रतिष्ठित सांस्कृतिक व्यक्तित्व' बताते हुए कहा कि उनकी आवाज असम से कहीं आगे तक गूंजती थी।

सचिन पायलट ने राहुल व प्रियंका से की मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। पायलट की पंजाब का प्रभारी नियुक्त होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व से यह पहली मुलाकात है। हाल ही में कांग्रेस में पायलट को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। उन्हें भूपेश बघेल की जगह यह दायित्व मिला है। पंजाब में पार्टी के भीतर जबरदस्त खींचतान है व पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि पायलट समस्या का समाधान निकाल लेंगे।

सड़क हादसे में बच्चे समेत छह मजदूरों की मौत

गोंदिया। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप वाहन (बोलेरो) के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में तीन साल के बच्चे समेत कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गोंदिया शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर नागरा-मोहरनटोली इलाके के पास उस समय हुआ जब मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से मजदूरों और उनके परिवारों को लेकर तेलंगाना जा रही एक पिकअप गाड़ी सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गई। पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए और कई लोग मलबे में बुरी तरह फंस गए।

सबसे ज्यादा सैलरी वाले प्रधानमंत्री कौन हैं, हर महीने मिलते हैं इतने करोड़ रुपये

सिंगापुर के प्रधानमंत्री और मंत्रियों की सैलरी में बहुत बड़ा इजाफा हुआ है। खास बात है कि इससे पहले ही यहां के मंत्री सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले सरकारी अधिकारियों की सूची में शामिल थे। जानिए अब उन्हें हर महीने कितने रुपये मिलेंगे। सिंगापुर के मंत्रियों के वेतन में 15 साल बाद बढ़ोतरी की गई है। वे पहले ही दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने मंगलवार को कहा कि अगर वेतन में बदलाव नहीं किया गया तो राजनीति में शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना मुश्किल होगा। इसके अलावा पीएम की सैलरी में भी इजाफा हुआ है। वोंग ने संसद में कहा कि संशोधित वेतन ढांचे के तहत सबसे निचले स्तर के मंत्री का वार्षिक वेतन 11 लाख सिंगापुर डॉलर (करीब 8.68 लाख अमेरिकी डॉलर) से बढ़ाकर 18 लाख सिंगापुर डॉलर (करीब 14.2 लाख अमेरिकी डॉलर) किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए निर्धारित वेतन 22 लाख सिंगापुर डॉलर (करीब 17 लाख अमेरिकी डॉलर) से बढ़कर 36 लाख सिंगापुर डॉलर (करीब 28 लाख अमेरिकी डॉलर) हो जाएगा। इसके अलावा अन्य सांसदों के भत्तों में भी वृद्धि की जाएगी।

कितना वेतन मिलेगा- प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सबसे निचले स्तर के अधिकतर मंत्री मौजूदा कार्यकाल के अंत तक करीब 13.5 लाख सिंगापुर डॉलर अर्जित कर सकेंगे। इसके बाद वेतन 18 लाख सिंगापुर डॉलर के मानक तक नहीं पहुंचेगा, बल्कि प्रदर्शन और जिम्मेदारियों के आधार पर तय किया जाएगा। वोंग ने यह नहीं बताया कि उनका नया वेतन कितना होगा। हालांकि, नौ प्रतिशत समायोजन के बाद उनका वेतन करीब 24 लाख सिंगापुर डॉलर (करीब 18.9 लाख अमेरिकी डॉलर) हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह अगले पांच वर्षों तक वेतन वृद्धि की पूरी राशि दान कर देंगे। सिंगापुर में राजनीतिक पदों पर मिलने वाला वेतन एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि मंत्रियों का वेतन आम नागरिकों की तुलना में काफी अधिक है। सरकार ने इस व्यवस्था का बचाव करते हुए कहा कि यह निजी क्षेत्र और सार्वजनिक सेवाओं से सक्षम लोगों को राजनीति में लाने तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन बनाए रखने के लिए जरूरी है।

देंगे दान वोंग ने कहा है कि वह बढ़ी हुई पूरी सैलरी को अच्छे कामों के लिए दान दे देंगे।

उन्होंने कहा, राजनीति में सैलरी मुश्किल और भावनात्मक मुद्दा है। वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी का सिंगापुर संसद में दबदबा है। खास बात है कि इस इजाफे के पहले भी वह कई नेताओं से ज्यादा वेतन हासिल कर रहे थे। इसमें अमेरिका और जी 7 देशों के अन्य नेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, %इसमें शामिल रकम ज्यादातर नागरिकों की कमाई से कहीं ज्यादा है, इसलिए मैं समझता हूं कि सिंगापुर के लोग इसकी बारीकी से जांच पड़ताल क्यों करते हैं और क्यों बहुत से लोग इस मामले को लेकर इतनी मजबूत राय रखते हैं।

वर्ग पहेली 7388

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	■
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. कम पढ़ा-लिखा, कट्टर अक्षर पूजक, मुल्ला या मौलबी
३. पहाड़ के नीचे की भूमि
५. पति (उर्दू)
६. विवाह विच्छेद (उर्दू)
७. वैद्यों को मिलने वाली एक उपाधि
८. दिखलाना
१० गुत्थी, फंसाव, या किसी समस्या का दूर होना
१२. कमल
१३. जिसके पास कोई हथियार न हो निःशस्त्र १४. नशे में अंड-बंड बोलना पथभ्रष्ट होना १६. झुका हुआ
१८. जिसमें मन न लगे, अरुचिकर (उर्दू)
२०. सरस्वती, दुर्गा
२१. किसी भाषा के अक्षरों की क्रमबद्ध सूची
२३. ऐतिहासिक इमारत

ऊपर से नीचे:-

१. हथेली
२. मुल्तवी, जिसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई हो
३. आवेश में आना, क्रुद्ध होना
४. क़ातिल
५. क्रय करना, मोल लेना (उर्दू)
८. पेचीदगी, कठिनता, घुमावदार होना
१०. संधि, मेल, समझौता
११. टूट कर गिरना, (पेड़ से पत्ते या सिर के बालों का) बरसना
१२. उठना, उठाना, बढ़ती, उन्नति
१३. ममता रहित, निष्ठुरता
१४. ताकतवर
१५. वर देने वाला
१७. अनुवाद (उर्दू)
१८. पत्नी (उर्दू)
१९. नया, नवीन
२२. मुंह से निकलने वाला लसदार तरल पदार्थ

भाषण के बीच चीन ने थमाई पर्ची, फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने मंच से पढ़कर कर दिया बेनकाब!

दक्षिण कोरिया में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय डिफेंस समिट के दौरान उस समय बड़ी नाटकीय स्थिति पैदा हो गई, जब फिलिपींस के रक्षा मंत्री गिलबर्टो सी. तेओदोरो को भाषण देते समय अचानक चीन का एक नोट थमा दिया गया। इस नोट में दक्षिण चीन सागर पर बीजिंग के रुख और दावों का ब्योरा दिया गया था। मंच पर ही चीनी दूतावास के अधिकारियों की इस अजीब हरकत से भड़के फिलिपींस के रक्षा मंत्री ने खुले मंच से चीन के इरादों पर सवाल उठाए और उस पर धौंस जमाने, गुंडागर्दी करने और आक्रामकता दिखाने का सीधा आरोप जड़ा।

क्या है पूरा मामला?- दरअसल इंटरनेशनल डिफेंस फोरम पर जब तेओदोरो अपने संबोधन में क्षेत्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर बोल रहे थे, तभी चीन के प्रतिनिधिमंडल की ओर से उनके पास एक नोट पहुंचाया गया। इस नोट में दक्षिण चीन सागर पर चीन का क्या रुख है इसके बारे में लिखा था। तेओदोरो ने तुरंत सबके सामने उस नोट के बारे में बताते हुए कहा कि एक खुले और लोकतांत्रिक मंच पर इस तरह दबाव बनाने की कोशिश चीन के घटिया रवैये को दर्शाती है। फिलिपींस के रक्षा मंत्री ने कहा कि चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना अवैध और एकतरफा मालिकाना हक जमाना चाहता है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों और यूएन के समुद्री कानून का खुला उल्लंघन है।

दक्षिण चीन सागर में क्यों बढ़ा है तनाव?- पिछले कुछ महीनों में फिलिपींस और चीन के कोस्ट गार्ड जहाजों के बीच दक्षिण चीन सागर के विवादित सेकंड थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल के पास कई बार खतरनाक टकराव हुआ है। चीनी जहाजों की तरफ से फिलिपींस की री-सप्लाई बोट पर वाटर कैनन चलाने, लेजर लाइट से अंधा करने और टक्कर मारने की कई घटनाएं सामने आई हैं।

वर्ग पहेली-7387

१ ब	ही	२ खा	ता	■	■	३ अ	प	४ वि	त्र
र	■	द्य	■	५ अ	टू	ट	■	ज्ञ	■
६ सा	कि	न	■	नु	■	७ क	ला	ध	८ र
त	■	लि	■	९ सा	य	ल	■	■	क्त
■	१० ब	का	११ सु	र	■	■	१२ रो	च	क
■	का	■	धा	■	१३ सं	बं	ध	■	ल
१४ भ	या	१५ तु	र	■	ग्रा	■	१६ क	१७ पा	ल
ग	■	ला	■	१८ क	म	१९ ल	■	दु	■
२० द	रिं	दा	■	दा	■	२१ ल	ल	का	२२ र
ड़	■	२३ न	र	पि	शा	च	■	■	व

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

कवायद जम्मू-कश्मीर में केंद्र की पीएम सूर्य सरोवर योजना को लगे पंख

मानसब और मानसर में फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं की तैयारी

जम्मू, (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर ने केंद्र की पीएम सूर्य सरोवर योजना के तहत फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के विकास के लिए कश्मीर में मानसबल झील और जम्मू डिवीजन में मानसर झील को चुना है, और व्यवहार्यता मूल्यांकन और आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। जम्मू-कश्मीर ऊर्जा विकास एजेंसी (जेकेडीए) के एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल में झीलों और

जलविद्युत परियोजना जलाशयों सहित उपयुक्त अंतर्देशीय जल निकायों का उपयोग करके तैरते सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। अधिकारी के बकौल, जम्मू-कश्मीर से अब तक दो जल निकायों को चुना गया है-कश्मीर में मानसबल और जम्मू मंडल में मानसर।

व्यवहार्यता अध्ययन और अनुमति प्रक्रिया फिलहाल जारी है। संबंधित वितरण कंपनियों (डीआईएसकॉम) की सहमति प्राप्त होने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जिसके बाद चयनित जल

निकायों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा। उनका कहना था कि डिस्कॉम को पहले अपनी सहमति देनी होगी। एक बार सहमति मिल जाने के बाद, सर्वेक्षण किया जाएगा और उसके अनुसार परियोजना को मंजूरी दी जाएगी। इस पहल के तहत, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए जल सतहों का उपयोग करने

- **डीआईएसकॉम की सहमति प्राप्त होने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी जिसके बाद चयनित जल निकायों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा**
- **2026 तक प्रदेश में लगाए गए 38 हजार 955 सौर पैनल**

के विकल्प के रूप में फ्लोटिंग सोलर तकनीक पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए बड़े भूभाग की आवश्यकता नहीं होगी। यह दृष्टिकोण उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हो सकता है जहां बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं के लिए उपयुक्त सन्निहित भूमि पार्सल की पहचान करना कठिन है। चयनित स्थलों के विकास पर अंतिम निर्णय लेने से पहले उनका विस्तृत तकनीकी और व्यवहार्यता मूल्यांकन किया जाना आवश्यक होगा।

बताया जाता है कि यह कदम जम्मू-कश्मीर द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों के साथ उठाया गया है, जिसमें जेकेडीए केंद्र शासित प्रदेश भर में उपयोगिता-स्तरीय सौर पार्कों के लिए पर्याप्त भूमि पार्सल की पहचान करने के लिए जिला प्रशासनों के साथ भी काम कर रहा है। बताया जाता है कि जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लगभग 39 हजार परिवारों को छत पर सौर पैनल लगाया गया है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने लिखित जवाब में बताया कि 24 जुलाई, 2026 तक प्रदेश में 38 हजार 955 सौर पैनल लगाए गए हैं। इनमें से 38 हजार 318 पैनल 3 किलोवाट-1 से अधिक क्षमता वाले हैं, जबकि 387 पैनल 2-3 किलोवाट-1 श्रेणी में और 103 पैनल 2 किलोवाट-1 तक की क्षमता वाले हैं।

खेल जगत

देहरादून टी-20 लीग उत्तराखंड के क्रिकेटरों के लिए एक अहम मंच : आकाश

नई दिल्ली। उत्तराखंड के तेज गेंदबाज आकाश मधवाल का कहना है कि देहरादून टी20 लीग जैसे टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर खुद को साबित करने का मौका देते हैं और इससे उन्हें आगामी घरेलू सीजन की चुनौतियों के लिए तैयार होने में भी मदद मिलती है। इस टूर्नामेंट में मसूरी थंडर्स की कप्तानी कर रहे मधवाल ने कहा कि राज्य के खिलाड़ी इस टूर्नामेंट को उसी जोश और गंभीरता से ले रहे हैं जैसा वे आईपीएल या भारत के लिए खेलते समय दिखाते हैं। मधवाल ने 'आईएएनएस' से खास बातचीत में कहा, 'सबसे पहले, खिलाड़ी के तौर पर हमें हर मैच में खुद को साबित करना होता है। हम खेल को हल्के में नहीं लेते। जब भी हम खेलने जाते हैं और मैदान पर उतरते हैं, तो हमारे लिए हर मैच भारत या आईपीएल के मैच जैसा ही होता है, चाहे हम कोई भी क्रिकेट खेल रहे हों। उत्तराखंड के तेज गेंदबाज ने राज्य में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे और मौकों में हुई बढ़ोतरी पर भी जोर दिया।

एशियाई खेल : पुरुष व महिला हॉकी मैच

भारतीय टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगी : दिलीप

- महिला टीम की हर खिलाड़ी एशियाई खेलों की अहमियत से वाकिफ, सर्वश्रेष्ठ देने को बेताब
- पाक के खिलाफ अब हमारा दबदबा, पर जरूरत भावनाओं पर काबू रखने की

■सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 सितम्बर (देशबन्धु)। पूर्व हॉकी ओलंपियन व कप्तान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने यहां मंगलवार को खास बातचीत में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के आईची- नगोया (जापान) में इस महीने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर सीधे 2028 के लॉस एंजेल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का भरोसा जताया है। दिलीप तिर्की ने कहा, 'नीदरलैंड और बेल्जियम में एफआईएच पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप 2026 में हमारी लड़कियों ने 1974 में पहले संस्करण में चौथे स्थान पर रहने के बाद अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को बराबरी पर रोक, केवल उपविजेता नीदरलैंड से करीबी मैच में 0-2 से हार, दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से जर्मनी जैसी मजबूत टीम को 3-1 से हरा कर पांचवें स्थान पर रह कर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर सीधे 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की आस जगाई है। बेशक चीन की महिला टीम बहुत मजबूत टीम है और वह विश्व कप में हमारी लड़कियों द्वारा दो-दो की बराबरी पर रोके जाने को लेकर पलटवार करने को बेताब होंगी। बावजूद इसके भारतीय महिला हॉकी टीम उससे पूरी शिद्दत से मुकाबले को तैयार हैं। बेशक चीन से मुकाबला कड़ा होगा लेकिन हमें उसके खिलाफ अपनी टीम के कसौटी पर खरा उतरने की उम्मीद है। हालांकि इससे पहले हमें मेजबान जापान के खिलाफ ही नहीं हरेक टीम के खिलाफ चौकस रहना होगा। जहां तक भारत की पुरुष हॉकी टीम के विश्व कप 2026 में आठवें स्थान पर रहने की बात है तो वहां हमारी टीम ने टुकड़ों-टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और खासतौर पर इंग्लैंड के खिलाफ बढ़त लेने के बाद रक्षापंक्ति की कुछ क्षणिक गलतियों के चलते हार से हमारा सब गणित गड़बड़ा गया। एशियाई खेलों में हमारी रक्षापंक्ति को और मुस्तैदी दिखाने के साथ क्षणिक गलतियों से बचने और दोनों गोलरक्षकों - सूरज करकेरा और मोहित एचएस को और ज्यादा भरोसे और विश्वास से किले की चौकसी की जरूरत होगी। हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि हमारी पुरुष ही नहीं महिला हॉकी टीम की हर खिलाड़ी एशियाई खेलों की अहमियत से वाकिफ है और इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीत कर 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में कोई कसर नहीं छोडेंगी। हॉकी विश्व कप में हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि हमारी पुरुष हॉकी टीम के कप्तान ड्रैग फ्लिकर ने हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर सबसे ज्यादा आठ गोल किए और वह सबसे ज्यादा गोल करने वाले तीन शीर्ष खिलाड़ियों में रहे जबकि हमारे स्ट्राइकर - अभिषेक (तीन), सुखजीत सिंह(2) और दिलप्रीत(1)- मिलकर कुल छह मैदानी गोल ही कर पाए लेकिन हमें अपने स्ट्राइकर से एशियाई खेलों में ज्यादा मैदानी गोल की उम्मीद है।' उन्होंने कहा,' जहां तक चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैच की बात तो उसके खिलाफ अब लंबे समय से हमारा दबदबा रहा है। 2022 एशियाई खेलों में हांगझू में हमने पाकिस्तान को 10-2 से और अभी बीते महीने पुरुष हॉकी विश्व कप में 5-3 से हराया। इस बार पाकिस्तान की टीम हमारे पूल में नहीं है और इससे शुरू में मुकाबला नहीं होगा। पाकिस्तान के खिलाफ हमारे मैच हमेशा सभी का ध्यान खींचते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हॉकी कौशल से ज्यादा चुनौती अपनी भावनाओं पर काबू रखने की होती है। बावजूद इसके मैं कहूंगा कि हमारी पुरुष हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ उससे पार पाने के लिए जेहनी तौर पर बेहतर तैयार है। हमारी हॉकी विश्व कप में खेलने वाली टीम में मात्र एक बदलाव आदित्य अर्जुन लालगे की जगह एशियाई खेलों के लिए राज कुमार पाल को शामिल करके किया गया है। दरअसल एशियाई खेलों के लिए टीम में बहुत पहले देने पड़ती है और इसलिए इसमें ज्यादा बदलाव की गुंजाइश नहीं है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए जहां तक आगे बदलाव की बात है तो तब की तब सोचेंगे। फिलहाल हमें अपनी मौजूदा भारत पुरुष हॉकी टीम से ही एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक बरकरार रखने का पूरा भरोसा है।

2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलरक्षक : सूरज करकेरा, मोहित एचएस।
रक्षापंक्ति : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, संजय, सुमित, जुगराज सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, यशदीप सिवाच।
मध्य पंक्ति : मनप्रीत सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह।
अग्रिम पंक्ति : अभिषेक नैन, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकरा, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह।

एशियाई खेलों में फोकस एक समय एक मैच पर : हरमनप्रीत

नई दिल्ली। दुनिया के बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 में आठवें स्थान की निराशा को भुला कर आईची नगोया(जापान) में एशियाई खेलों में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने के संकल्प के साथ मंगलवार रात जापान रवाना हो गई। भारत की पूरी कोशिश 2023 में हांगझू में एशियाई खेलों में जीता अपना स्वर्ण पदक बरकरार रख सीधे 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व कप में टुकड़ों टुकड़ों में ही अपनी चमक दिखाई और निरंतरता का उसके खेल में अभाव दिखा और इसी के चलते वह इंग्लैंड और बेल्जियम से करीबी मैच हारी। विश्व कप में अपने प्रदर्शन की गलतियों से सबक लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम जापान में एशियाई खेलों में सधा प्रदर्शन कर खिताब बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बीते एक दशक में बढ़िया प्रदर्शन कर खुद को एशियाई हॉकी की बड़ी ताकत साबित किया है। भारत ने 2023 में हांगझू एशियाई खेलों तथा एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता। भारत बेशक एक बार फिर एशियाई खेलों में अपना दबदबा बरकरार रखने को बेताब होगा और इसमें स्वर्ण पदक जीत फिर सीधे एक 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में कसर नहीं छोड़ेगा। भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा,' हम फिलहाल बहुत आगे की नहीं सोचना चाहते। एशियाई खेलों में हमारा फोकस एक समय केवल एक मैच पर होगा। कोई मैच आसान नहीं होगा क्योंकि आप निरंतर बढ़िया प्रदर्शन कर चाहते हैं और जरा सी भी ढील गवारा नहीं कर सकते। हमारा लक्ष्य हर मैच में बेहतर प्रदर्शन कर नॉकआउट चरण में सही समय पर अपनी रंगत पाना है।

चीनी ताइपे को हराकर भारत पहुंचा सेमीफाइनल में

- कप्तान अनमोल एक्का ने दागे शानदार छह गोल
- आर्यन ने दूसरे क्वार्टर में गोल कर भारत का खाता खोला

ज. पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली, 9 सितम्बर । कप्तान फुलबैक और ड्रैग फ्लिकर अनमोल एक्का के पेनल्टी कॉर्नर पर दागे छह गोल की बदौलत पांच बार के चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को मोकी (चीन) में बुधवार को गोल वर्षा कर 15-0 से करारी शिकस्त देकर चार मैचों में तीन जीत व एक ड्रॉ की बदौलत पूल ए में दस अंकों के साथ शीर्ष रह कर एएचएफ पुरुष हॉकी एशिया कप के सेमीफाइनल में स्थान बना लिया। वहीं दक्षिण कोरिया की टीम जापान पर 3-2 से जीत के साथ पूल ए में चार मैचों से नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रह कर सेमीफाइनल में पहुंच गई।

भारत की जूनियर पुरुष टीम को चीनी ताइपे की रक्षापंक्ति ने मजबूती से अपने किले की चौकसी कर गोल नहीं करने दिया। दो मिनट के क्वार्टर ब्रेक के दौरान कोच फ्रेडरिक सोएज के गुरु मंत्र के बाद भारतीय जूनियर पुरुष टीम अलग ही रंग में नजर आई। आर्यन खेस ने दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला। अगले मिनट प्रभदीप सिंह और 22 वें मिनट में गुरसेवक सिंह ले गोल कर भारत की जूनियर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। कप्तान अनमोल एक्का ने मैच 25 वें मिनट में मैच का अपना पहला गोल भारत को 4-0 से तथ अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28 वें मिनट और अनमोल एक्का ने सेट पीस पर मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत को हाफ टाइम तक 6-0 से आगे कर दिया था। भारत ने हाफ टाइम के शुरू के तीन मिनट में दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए और कप्तान अनमोल एक्का ने इन्हें गोल में बदल कर भारत को 8-0 से तथा अजीत यादव ने मैच के 35 वें मिनट में हॉकी की कलाकारी दिखाते हुए बेहतरीन गोल कर भारत को 9-0 कर दिया। अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल 45 वें मिनट में मैच का अपना पांचवां गोल कर भारत की बढ़त 10-0 कर दी। भारत ने चौथे आखिरी क्वार्टर में गोल दागने का सिलसिला जारी रखा । हरपाल ने 48 वें मिनट में गोल कर भारत को 11-0 से और कप्तान अनमोल एक्का ने 51 वें मिनट में अपना मैच का छठा और आखिरी गोल कर भारत को 12-0 से आगे कर दिया।

खिताब की ओर ईस्ट जोन

चौथे दिन की समाप्ति तक 584 रन की बढ़त

दलीप ट्रॉफी

चेन्नई, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन तक मैच में शानदार पकड़ बना ली है। पहली पारी में 708 रन बनाकर साउथ जोन को 336 रनों पर समेटने के बाद ईस्ट जोन ने बुधवार के खेल तक अपनी दूसरी पारी में 212/5 का स्कोर खड़ा कर लिया है। यहां से टीम के पास 584 रन की बढ़त है। इसी के साथ ईस्ट जोन ने 2011/12 और 2012/13 सीजन में लगातार जीत के बाद अपना खिताब लगभग पक्का कर लिया है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए। इस पारी में अभिमन्यु ईश्वरन (72) और वैभव सूर्यवंशी (44) के बीच सलामी जोड़ी के रूप में 100 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद कप्तान ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन (85) के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन और कुमार कुशाग्र (101) के साथ पांचवें विकेट के लिए 230 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद अनुकूल रॉय (45) के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी की। ईशान 30 चौकों और 7 छक्कों के साथ 270 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से त्रिपुरण विजय ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट चटकाए। इनके अलावा, शेख रशीद ने 1 विकेट प्राप्त किया। इसके जवाब में, साउथ जोन पहली पारी में 336 रनों पर सिमट गई। इस टीम के लिए देवदत्त पड्डिकल ने 62 रन बनाए, जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 9 चौकों के साथ 99 रन की पारी खेली।

सार संक्षेप

आईसीसी रैंकिंग : एस्टरहुइजेन-प्रेटोरियस को शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

दुबई। नामीबिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम साउथ अफ्रीका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन को आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में मिला है। एस्टरहुइजेन ने ताजा रैंकिंग में 65 पायदान की छलांग लगाई है। 25 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने ट्राई सीरीज की 5 पारियों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 126 रन बनाए। नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में एस्टरहुइजेन का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने 88 रनों की बेहतरीन पारी खेली। ट्राई-सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद साउथ अफ्रीका के युवा खिलाड़ी लुआन-ड्रे प्रेटोरियस को भी काफी फायदा पहुंचा है। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने चार पारियों में 226 रन बनाकर 61 पायदान ऊपर चढ़े हैं और वह टी20 इंटरनेशनल में बल्लेबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर आ गए हैं। भले ही नामीबिया ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा, लेकिन टीम के दो बल्लेबाजों को ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। टूर्नामेंट में बल्ले से योगदान देने के बाद कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 16 स्थान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि सलामी बल्लेबज लॉरेन स्टीनकैंप 32 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 73वें स्थान पर आ गए हैं।

लीह पॉल्टन इंग्लैंड महिला टीम की मैनेजिंग डायरेक्टर बनीं

लंदन। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व बल्लेबाज लीह पॉल्टन को इंग्लैंड विमेन टीम का मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। पॉल्टन नवंबर में अपना कार्यभार संभालेंगी। पॉल्टन, क्लेयर कॉनर की जगह लेंगी। 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली लीह पॉल्टन इंग्लैंड विमेन, इंग्लैंड विमेन ए और इंग्लैंड विमेन अंडर-19 के साथ-साथ देश के विमेन हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम को भी देखेंगी। यह नियुक्ति इंग्लैंड के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। टीम अगले साल घरेलू मैदान पर विमेन एशेज में ऑस्ट्रेलिया का सामना भी करेगी। पॉल्टन के पास विमेन क्रिकेट प्रशासन और खिलाड़ियों के विकास के क्षेत्र में काम करने का व्यापक अनुभव है। उन्होंने पिछले छह साल क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स में एलीट फीमेल क्रिकेट की प्रमुख के तौर पर काम किया है। न्यू साउथ वेल्स में उन्होंने दो विमेंस बिग बैश लीग फ्रेंचाइजी, विमेंस स्टेट क्रिकेट और एक बड़े टैलेंट पाथवे कार्यक्रम में क्रिकेट परफॉर्मेंस ऑपरेशन को देखा है।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर टिकटों की भारी मांग

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि छह साल बाद भारत के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर लोगों में काफी दिलचस्पी है और आने वाले इंटरनेशनल होम समर सीज़न के लिए 50,000 से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। क्रिकेट नेशन के सदस्यों, स्काई (स्काई) और एएनजेड ग्राहकों के लिए दो हफ्ते की प्री-सेल के बाद, आम जनता के लिए टिकटों की बिक्री शुरू हुई। भारत के कई मैचों के टिकट लगभग बिक चुके हैं। क्राइस्टचर्च में होने वाले दूसरे टी20 मैच के 75 प्रतिशत से ज़्यादा टिकट बिक चुके हैं, जो इस सीरीज़ के लिए लोगों की जबरदस्त मांग को दिखाता है। भारत 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमें 22 अक्टूबर से पांच टी 20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेंगी।

एवीसी मेंस वॉलीबॉल एशियन चैम्पियनशिप

भारत को मिला क्वार्टर फाइनल का टिकट

फुकुओका (जापान), 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत एवीसी मेंस वॉलीबॉल एशियन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। भारतीय टीम पूल में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सबसे अच्छी रैंकिंग वाली टीमों में से एक के तौर पर आगे बढ़ी है। बुधवार को ओमान पर बहरीन की 3-0 से जीत ने भारत की अंतिम आठ में जगह पक्की कर दी। 2019 के बाद से भारत इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। फुकुओका में हो रहा यह टूर्नामेंट लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों और 2027 एफआईवीबी मेंस वॉलीबॉल वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफिकेशन इवेंट है।भारत ने मंगलवार को एवीसी मेंस वॉलीबॉल एशियन चैंपियनशिप में अपनी पहली जीत दर्ज की, जिससे क्वार्टर फाइनल में बची हुई आखिरी जगह पाने की उनकी उम्मीदें बनी रहीं। मंगलवार के शुरुआती मैच में, भारत ने पूल बी में तीसरे स्थान के लिए हुए निर्णायक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 3-0 (25-22, 25-18, 25-21) से हराया। इस जीत से भारतीय टीम पूल में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सबसे अच्छी रैंकिंग वाली टीमों में से एक के तौर पर क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनी रही।

रोमांचक शूट-ऑफ में शीतल देवी ने साधा गोल्ड पर निशाना

- शीतल का कजाकिस्तान की आइजादा सेइदान के बीच कड़ा मुकाबला हुआ

पैरा आर्चरी सीरीज

अहमदाबाद, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शीतल देवी ने रोमांचक शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए पैरा कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उनकी अगुआई में भारत ने बुधवार को वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III का शानदार अंदाज में समापन करते हुए अंतिम दिन 2 गोल्ड और 4 ब्रॉन्ज सहित कुल 6 मेडल जीते। वर्ल्ड नंबर 1 शीतल का कजाकिस्तान की आइजादा सेइदान के साथ कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों तीरंदाजों ने अपने शुरुआती राउंड में परफेक्ट 30 स्कोर किए और दूसरे राउंड के बाद स्कोर 59-59 से बराबरी पर था। तीसरे राउंड में, आइजादा ने 28 और शीतल ने 27 स्कोर किए, जिससे आइजादा को एक प्वाइंट की बढ़त मिल गई। चौथा राउंड 29-29 पर बराबरी पर छूटा, जिससे भारतीय खिलाड़ी अंतिम राउंड में एक प्वाइंट्स से पीछे थीं। शीतल ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 स्कोर किए, जबकि आइजादा ने 28 स्कोर किया। इससे स्कोर 144-144 से बराबर हो गया और मुकाबला शूट-ऑफ में चला गया। आखिरकार, भारतीय तीरंदाज को रोमांचक जीत मिली। गोल्ड मेडल दांव पर था और शीतल ने परफेक्ट 10 स्कोर किया, जबकि आइजादा सिर्फ 9 ही स्कोर कर पाईं। इससे पहले, शीतल ने टोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इस गोल्ड मेडल के साथ उन्होंने इस इवेंट में दो मेडल अपने नाम किए।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 133 रन पर समेटा

बर्मिंघम, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने पाकिस्तान को तीसरे और आखिरी टेस्ट के पहले दिन बुधवार को घातक गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में मात्र 133 रन पर समेट दिया। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में हार के बाद अपनी टीम में व्यापक बदलाव किये थे लेकिन परिणाम अंत में पहले जैसा ही रहा। पाकिस्तान के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन। इस सीरीज़ में यही पैटर्न देखने को मिला है। सिर्फ तीन बल्लेबाज ही दहाई के अंक तक पहुंच पाए और इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाजों ने पहले गेंदबाजी करने के जो रूट के फैसले को पूरी तरह सही साबित किया। पहले घंटे में चार विकेट गिरे, लंच तक 7 विकेट और तीसरे घंटे में ड्रिंक्स ब्रेक से ठीक पहले पूरी टीम 33.5 ओवर में आउट हो गई। गस एटकिंसन को छोड़कर, इंग्लैंड के बाकी तेज़ गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। पाकिस्तान की ओर से सिर्फ सऊद शकील और अंत में मोहम्मद अब्बास ने कुछ संघर्ष दिखाया। तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है, लेकिन यह पिच किसी भी तरह से 133 रन पर ऑल-आउट होने वाली नहीं थी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

- यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा

यूएस ओपन

नई दिल्ली, 9 सितम्बर (एजेंसियां)। बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

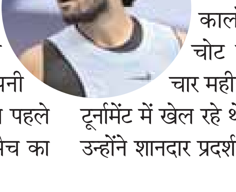

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंचीं

- एरिना सबालेंका से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क। जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए मुकाबले में पेगुला ने एमा नवारो को 2 घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। जेसिका ने लगातार तीसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में पेगुला थोड़ी असहज दिख रही थीं। एमा नवारो ने उन्हें कुछ मुश्किल समय दिया, लेकिन पेगुला बेहतरीन वापसी की और मैच अपने नाम किया। जीत के बाद पेगुला के व्यवहार में राहत साफ दिख रही थी। उन्होंने कोर्ट पर मुश्किलों से लड़ने की बात मानी। पेगुला ने जीत के बाद कहा, 'यह सच में बहुत मुश्किल था। यहां उमस थी। मैं अपनी बेस्ट सर्व नहीं कर पा रही थी। मैं आज वहां बहुत सारी मुश्किलों से लड़ रही थी।' जेसिका ने मैच देखने आए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, 'यहां आने के लिए आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। आप लोगों के सामने खेलना सम्मान की बात है। इससे बढ़कर कुछ नहीं है। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला का कुल मिलाकर यह चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है।

[अर्थ जगत

जियो पेमेंट सॉल्यूशंस ने सीमा पार भुगतान सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जियो पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड ने सीमा पार भुगतान मंच शुरू करने की घोषणा बुधवार को की है। इस सुविधा का मकसद भारतीय निर्यातकों को वैश्विक ग्राहकों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान स्वीकार करने में मदद करना और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना है। जेपीएसएल की नई सुविधा के जरिये घरेलू निर्यातक वर्चुअल खातों, अंतरराष्ट्रीय कार्ड और स्थानीय भुगतान माध्यमों से विदेशी ग्राहकों से भुगतान प्राप्त कर सकेंगे।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से सेंसेक्स 813 अंक लुढ़का

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 9 सितंबर को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में भारी बिकवाली का दौर जारी रहा। आईटी और बैंकिंग शेयरों में चौतरफा मंदी के चलते दोनों मुख्य सूचकांक बड़े नुकसान के साथ लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर चले तगड़े दबाव के कारण सेंसेक्स 800 से अधिक अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 50 भी 23,500 के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे फिसलन दर्ज करते हुए बंद हुआ।

कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 813.35 अंक की भारी गिरावट के साथ 74,764.23 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 203.60 अंक (टूटकर 23,431.50 पर आ गया। बाजार में चौतरफा बिकवाली के बीच 1,815 शेयरों में बढ़त रही, जबकि 2,372 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए और 174 शेयरों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आईटी शेयरों में भारी हाहाकार, पर अडानी और टाटा स्टील चमके-निफ्टी50 हीटमैप के आंकड़ों के अनुसार, आज सबसे ज्यादा तबाही आईटी सेक्टर के दिग्गजों में देखी गई। इन्फोसिस (-4.34 प्रतिशत) और एचसीएल टेक (-3.70प्रतिशत) निफ्टी के सबसे बड़े लूजर्स साबित हुए।

टॉप गेनर्स (तेजी वाले शेयर)- मंदी के माहौल में भी अडानी एंटरप्राइजेज +5.13 प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ 3,104.70 पर बंद होकर टॉप गेनर रहा। इसके अलावा, मैक्स हेल्थकेयर(+4.48प्रतिशत),अडानी पोर्ट्स(+3.80 प्रतिशत), कोल इंडिया (+2.56 प्रतिशत),टाटा स्टील (+2.50 प्रतिशत) और हिंडाल्को (+1.77 प्रतिशत) के शेयरों में भी तगड़ी खरीदारी दर्ज की गई।

टॉप लूजर्स (गिरावट वाले शेयर)-इंफोसिस और एचसीएल टेक के अलावा एचडीएफसी लाइफ (-3.71प्रतिशत)), टेक महिंद्रा (-3.27 प्रतिशत),विप्रो (-2.62 प्रतिशत)), एचडीएफसी बैंक (-2.26 प्रतिशत),टीसीएस (-2.11प्रतिशत) और रिलायंस इंडस्ट्रीज (-1.23 प्रतिशत) में बिकवाली का भारी दबाव रहा।

मेटल और एनर्जी सेक्टर्स ने बचाई लाज-सेक्टोरल फ्रंट पर केवल निफ्टी मेटल (+1.8 प्रतिशत) और एनर्जी (+0.6 प्रतिशत) इंडेक्स ही हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहे। इसके विपरीत, निफ्टी आईटी इंडेक्स 3 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर बाजार का सबसे बड़ा विलेन बना। इसके अलावा रियल्टी इंडेक्स में 2 प्रतिशत तथा मीडिया, एफएमसीजी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स में लगभग 1-1 प्रतिशत की गिरावट आई।

महंगे क्रूड का असर! सोने में गिरावट, चांदी चमकी

नयी दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई की चिंता और ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद बढ़ी है। जिससे सोने पर दबाव पड़ सकता है। हालांकि, महंगाई से बचाव के साधन के रूप में सोने की मांग बनी हुई है। अगस्त में निवेश और हेजिंग मांग बढ़ने के साथ चीन समेत केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से सोने में मजबूत तेजी दर्ज हुई। कॉमैक्स

बुधवार (9 सितंबर) को सोने में गिरावट, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। ग्लोबल मार्केट कॉमैक्स पर सोना 4,415 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 66.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,52,350 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,39,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 399 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,180 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,52,579 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 210 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,369 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,52,400 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,52,101 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही । एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 193 रुपये की तेजी के साथ 2,39,620 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,39,427 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 273 रुपये की तेजी के साथ 2,39,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,39,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,39,081 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी सुस्त-अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमैक्स पर सोना 4,399 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 4,439 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 22.90 डॉलर की गिरावट के साथ 4,416.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 66.44 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 67 डॉलर था।

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार

115 डॉलर तक जाने का अनुमान

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। बुधवार को ब्रेंट क्रूड वायदा करीब 2 फीसदी चढ़कर कारोबार के दौरान 100.19 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इससे पहले ब्रेंट क्रूड 25 मई 2026 को 100 डॉलर के ऊपर था। यानी करीब साढ़े तीन महीने बाद कच्चे तेल ने फिर यह स्तर पार किया है। जून के आखिर में ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर 70.14 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई थी। इसके बाद से इसमें करीब 43 फीसदी की तेजी आ चुकी है। इस तेजी की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव और पश्चिम एशिया से तेल की सप्लाई को लेकर चिंता है।

कच्चा तेल क्यों हो रहा महंगा?-चॉइस ब्रोकिंग की कमोडिटी फंडामेंटल एनालिस्ट पिंकी यादव के मुताबिक, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। अमेरिका ने खार्ग द्वीप के पास ईरानी तेल टैंकरों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान की ओर से मिसाइल हमले हुए। वहीं, हूती लड़ाकों ने सऊदी अरब की जजान रिफाइनरी को भी निशाना बनाया। होर्मुज जलडमरूमध्य में सप्लाई प्रभावित होने के कारण चीन भी दूसरे देशों से ज्यादा तेल खरीद रहा है। इससे अफ्रीका, कनाडा और लैटिन अमेरिका से आने वाले कच्चे तेल की कीमतों पर भी दबाव बढ़ा है।

एशिया की रिफाइनरियों पर भी असर-मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट मोहम्मद इमरान के मुताबिक, 2026 में डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई में बड़ी कमी देखने को मिल रही है। अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज में रुकावट के कारण पश्चिम एशिया से एशियाई देशों तक तेल पहुंचने में दिक्कत आ रही है।

ईवी की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

अगस्त में ई-कारों की बिक्री 52 प्रतिशत और दोपहिया की 67 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है। त्योहारी सीजन से ठीक पहले अगस्त में इलेक्ट्रिक यात्री वाहन और दोपहिया की बिक्री में सालाना आधार पर मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, तीमाही आधार पर इनके पंजीकरण में मामूली कमी आई है।

फेडरेशन ऑफ ऑटो-मोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले साल की 20,213 गाड़ियों की तुलना में 51.9 फीसदी बढ़कर 30,696 गाड़ियों पर पहुंच गई है। कुल यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर अब 7.6 फीसदी हो चुकी है जो पिछले साल अगस्त में 5.8 फीसदी थी। इलेक्ट्रिक दोपहिया श्रेणी में इससे भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इनका पंजीकरण 67.1 फीसदी की बढ़त के साथ 1,83,204 वाहनों पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 1,09,628 यूनिट पर था। दोपहिया वाहन श्रेणी में ईवी विस्तार पिछले साल के 7.7 फीसदी के मुकाबले 10.7 फीसदी की गति से हुआ है। हालांकि, दोनों ही श्रेणियों में जुलाई माह की तुलना में थोड़ी नरमी दर्ज की गई है। इलेक्ट्रिक यात्री वाहन पंजीकरण में मासिक स्तर पर 6.8 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि इलेक्ट्रिक दोपहिया में यह कमी 10.4 फीसदी तक देखी गई है। जुलाई में बाजार पैठ क्रमशः 7.9 फीसदी और 11.2 फीसदी रही, जो इस बार थोड़ी कम रही। फाडा के सीईओ, सहर्ष दामानी ने कहा, 'अगस्त में पंजीकरण में नरमी का कारण आगे त्योहारी सीजन हो सकता है। आमतौर पर त्योहारों से पहले ऐसा ठहराव आता है। इसलिए यह कोई असामान्य बात नहीं है।' अगस्त का महीना आम तौर पर धीमा रहता है, क्योंकि इस दौरान कोई बड़ा त्योहार नहीं होता और न ही आर्थिक गतिविधियों में मौसमी उछाल दिखाई देता है।

एसबीआई ने निकाली 207 पदों पर वैकेंसी

मुंबई। बैंक में नौकरी पाने के लिए तैयारी कर रहे योग्य उम्मीदवारों के लिए एसबीआई सुनहरा मौका दे रही है। साल 2026 में एसबीआई ने 207 स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर पदों के लिए वैकेंसी निकाली है। इन खाली पदों में जोनल हेड, रीजनल हेड, रिलेशनशिप मैनेजर-टीम लीड, इन्वेस्टमेंट ऑफिसर, वाइस प्रेसिडेंट-वेल्थ और असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट-वेल्थ जैसे पद शामिल हैं। इच्छुक उम्मीदवार 25 सितंबर तक बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	95. 11
एक यूरो	110. 59
एक ब्रिटिश पाउंड	128. 52
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	68. 47
एक जापानी येन	0. 62

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 106 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 134 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-146 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स - 85 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-149600 चांदी-240600

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-149600 चांदी-240600

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 9000-10000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 12500-13000, एकस्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7300-7500 चना दाल मार्का 7500-8000, मसूर दाल एवरेज 7200-7500, मसूर दाल फाइन 7500-8000, उड़द छिलका 8500-9500, फाइन 9500-10000, उड़द धुली 10000-10500, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9000- 9500, फाइन 10000-10500। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3200-3300, बेस्ट 3700-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4800-5000,एचएमटी-5000-5500 फाइन-6000-6200, जेजेएल चालू 6500-6800, फाइन 7000-7200, बासमती कनकी चालू 3000-3300, बासमती कनकी मीडियम 3800-4000, बेस्ट 4500-5000, मोगरा- 5000-5500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-7500, बासमती 9000-10000, बेस्ट 10000-12000 पोहा- 4600-4700, फाइन 5200-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन-

भारत का एलपीजी आयात छह माह में 281 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। *पश्चिम एशिया में युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का असर अब भारत के रसोई गैस बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले छह महीनों में भारत के एलपीजी आयात का नक्शा ही बदल गया है।*

जो अमेरिका कुछ महीने पहले भारत की एलपीजी जरूरत का छोटा हिस्सा पूरा करता था, वह अब सबसे बड़ा करीब तीन गुना बढ़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। मार्च से अगस्त 2026 के बीच भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी हो गई। सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के दौरान यह सिर्फ 7.9 फीसदी थी। यानी छह महीने में अमेरिकी हिस्सेदारी करीब सात गुना हो गई। **असली वजह है होर्मुज-** भारत की एलपीजी जरूरत का ई करीब 60 फीसदी हिस्सा आयात से पूरा होता है। सामान्य स्थिति में भारत के करीब 90 फीसदी एलपीजी आयात पश्चिम एशिया से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आते हैं। युद्ध के कारण इस अहम समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई और भारत को वैकल्पिक स्रोत तलाशने पड़े। केप्लर के शिपिंग आंकड़ों के मुताबिक, मार्च-अगस्त में भारत ने कुल 71.4 लाख टन एलपीजी आयात की।

अब क्या घटेंगे चीनी के दाम? घरेलू बाजार में 2.5 लाख टन स्टॉक बेचेंगी रिफाइनरियां

मुंबई। *त्यौहारों के सीजन में जहां चीनी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, उसी मौसम में चीनी की कीमतों ने होश उड़ा दिए हैं. चीनी की कीमतों में इजाफा होते देख कई लोगों को लग रहा था कि अब त्यौहारों की मिठास कम पड़ जाएगी. लेकिन सरकार और शुगर रिफाइनरीज मिलकर लोगों को थोड़ी राहत देने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं. इसी कड़ी में अब शुगर रिफाइनरीज घरेलू बाजार में कई लाख टन चीनी बेचने वाली है.*

दरअसल हाल ही में श्री रेणुका शुगर्स के एमडी और सीईओ सुशील कुमार ने कहा है कि भारतीय रिफाइनरियां घरेलू बाजार में करीब ढाई लाख टन चीनी बेचने की प्लानिंग कर रही हैं. जिससे कि बाजार में चीनी के दामों पर लगाम लगाई जा सके.

क्यों की जा रही ये कवायद?-सरकार और शुगर रिफाइनरीज चाहती हैं कि इस त्यौहरी सीजन में किसी के भी त्यौहार की मिठास कम ना हो, ऐसे में उनसे जितना हो पा रहा है उस हिसाब से चीनी के दामों को कम करने की कोशिश की जा रही है. चीनी का ये ढाई लाख टन स्टॉक बेचने का फैसला भी इसी के चलते लिया गया है. हालांकि कुछ दिन पहले ही चीनी के दामों में गिरावट भी देखने को मिली थी. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ताजा आंकड़े पेश कर कुछ दिन पहले ही बताया था कि देश में चीनी का औसत खुदरा भाव पिछले हफ्ते के 65.08 रुपये से घटकर 62.57 प्रति किलो पर आया है.

जनता को नहीं मिली राहत-हैरान करने वाली बात ये है कि चीनी के थोक रेट 17 रुपये प्रति किलो तक गिर गए हैं. लेकिन फिर भी जनता को कोई राहत अब तक नहीं मिली है. मिल स्तर पर चीनी के दामों में 17 से 20 रुपये प्रति किलो तक की भारी गिरावट आई. बावजूद इसके गली-मोहल्ले में परचून की दुकानों पर आम आदमी को सिर्फ 2 से 3 रुपये कम रेट पर चीनी मिल रही है.

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6200, 8 एम एम 5780, 10 एम एम 5600,12 एम एम, 5600 एवं 16 एम 5600 रु.। तार- 77 रु. किलो।

अमेरिका-कनाडा के बीच गहराया ट्रेड वॉर

अमेरिका ने डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और मोटरसाइकिलों पर लगाया बैन

मुंबई। *अमेरिका ने कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर बैन लगाने की घोषणा की है। वाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि ये बैन 3 हफ्तों में लागू होगा। इससे पहले, मंगलवार को कनाडा ने अमेरिका से इंपोर्ट होने वाले 20 अरब डॉलर के सामान पर जवाबी टैरिफ लगा दिया था। इन कदमों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर और तेज हो गया है।*

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेस एडमिनिस्ट्रेशन को दिए निर्देश-कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के सामानों को अमेरिका की बड़ी और लॉन्ग टर्म सरकारी खरीद से बाहर करने की दिशा में मंगलवार को कदम उठाया। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेस एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया कि वो कनाडा के प्रोडक्ट्स को इन सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के लिए तब तक अयोग्य घोषित करे जब तक कनाडा, अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए पूर्ण एवं उचित पारस्परिकता की अनुमति नहीं देता।

आत्मनिर्भर बनने की रणनीति पर काम करेगा कनाडा- वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों में तेजी लाने का संकल्प जताया। मार्क कार्नी ने इससे पहले, मंगलवार को कहा था कि कनाडा की रणनीति ज्यादा आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम अपनी जिंदगी अपनी इच्छा के मुताबिक जी सकें।

यूरोपियन यूनियन के साथ संबंधों की संभावनाएं तलाशेगा कनाडा-कनाडा के एक अधिकारी ने बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन के साथ ऐसे संबंधों की संभावनाएं तलाश रहा है, जो सदस्यता से थोड़ा कम स्तर के हो सकते हैं। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार, नई संधि पर बातचीत या सहयोग के अन्य रूप विकसित करना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और श्रमिक संगठनों से इस बारे में विचार-विमर्श कर रहा है कि यूरोपियन यूनियन के साथ गहरे संबंध किस रूप में हो सकते हैं, लेकिन अभी किसी मॉडल का चयन नहीं किया गया है।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है।
अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु कॉम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

स्कूल वैन के चके के नीचे आया मासूम, मौके पर मौत

अचानक गेट खुलने से गिरा छात्र, वैन चालक गिरफ्तार

कटनी, देशबन्धु। प्रदेश में स्कूल वैन में ठूंस-ठूंसकर बच्चों को ले जाया जा रहा है। छोटे-छोटे से मासूम इस तरह पढ़ने जाने के लिये मजबूर हैं। लेकिन क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल ले जाना अब खतरनाक हो गया है। कबाड़ वाहनों हो चुके वाहनों से भी बच्चों को स्कूल लाया ले जाया जा रहा है। जिसके कारण कटनी जिले के विजयराघौगढ़ में बड़ा हादसा हो गया। स्कूल वैन का गेट अचानक खुल जाने के कारण एक 10 साल का मासूम गिर गया और पहिये की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्कूल वैन के रखरखाव पर भी सवाल उठने लगे हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची विजयराघवगढ़ थाना पुलिस ने स्कूल वैन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, विजयराघवगढ़ निवासी दिनेश यादव का 10 वर्षीय बेटा जीत यादव दूसरी कक्षा में पढ़ता था। रोज की तरह बुधवार को वह स्कूल जाने के लिए वैन में सवार हुआ था। इसी दौरान चलती वैन का गेट अचानक खुल गया, जिससे जीत नीचे गिर गया और वैन का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक आनन-फानन में बच्चे को विजयराघवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा, लेकिन उसे अस्पताल में छोड़कर मौके से भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद जीत को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। लोगों ने चालक की गिरफ्तारी के साथ ही लापरवाही बरतने वाले स्कूल संचालक के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की मांग की।

विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि स्कूल वैन से गिरने के बाद दूसरी कक्षा के छात्र जीत यादव की मौत हुई है। घटना के बाद परिजनों ने चक्काजाम किया था, जिन्हें समझाकर मार्ग खुलवाया गया। पुलिस ने द्वारिका पब्लिक स्कूल की वैन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

बसों की जांच, वैन अछूती

वहीं प्रदेशभर की स्कूलों की बसों की जांच की गई। लेकिन वैनों में जांच के नाम पर सिर्फ गैस किट ही निकलवाई गई। इनके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद लगातार बसों पर ही प्रशासन ने ध्यान दिया। अब इस घटना के बाद परिवहन विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रदेशभर में वैन से बच्चों को स्कूल भेजने वाले अभिभावकों को भी डर सताने लगा है।

इनका कहना है-

कटनी के विजयराघौगढ़ में हुई घटना अत्यंत दुखद है। जिले के कई बच्चे वैन से स्कूल जाते हैं। हमारी भी जिम्मेदारी है कि स्कूली बसों और वैन के रखरखाव के संबंध में जानकारी लें। इसलिये समय-समय अभियान चलाकर वाहनों की चैकिंग चलाई जाएगी। अभिभावकों को भी सतर्कता बरतनी चाहिये।

-**श्रीमती रिंकू शर्मा**, आरटीओ

विद्युतीकरण को मिली रफ्तार 1,763 स्कूलों में काम पूरा

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 2,752 स्कूलों का किया था सर्वे

जबलपुर, देशबन्धु। विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में विद्युतीकरण का कार्य बहुत तेजी से कराया जा रहा है। जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत आने वाले 24 जिलों के ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्रवाई तेज गति से की जा रही है, जहां बिजली का आभाव था। जानकारी के मुताबिक 31 अगस्त 2026 तक की स्थिति के विद्युत वितरण कंपनी ने राज्य शिक्षा केंद्र के चिन्हित 2,752 गैर-विद्युतीकृत विद्यालयों का सर्वेक्षण किया है। सर्वे के दौरान 394 विद्यालयों में पहले से विद्युत कनेक्शन पाए गए। साथ ही यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ विद्यालयों में भवन उपलब्ध ना होने और अन्य कारणों के चलते तत्काल कनेक्शन संभव नहीं है। शेष 2,254 विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है।

ऐसे समझें पूरी स्थिति

जानकारी के मुताबिक सर्वे के दौरान 814 विद्यालय ऐसे मिले हैं, जहां बिना किसी अतिरिक्त विस्तार कार्य के सीधे विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा सकते हैं, जबकि 1,440 विद्यालयों में विद्युत लाइन/नेटवर्क विस्तार की आवश्यकता पाई गई है। कंपनी द्वारा इन दोनों श्रेणियों में कार्य को गति देते हुए अब तक कुल 1,763 विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। इनमें बिना विस्तार कार्य वाले 814 विद्यालय तथा विस्तार कार्य पूर्ण कर 949 विद्यालयों को विद्युत सेवा से जोड़ा जा चुका है।

11 सितंबर से नया मौसमी तंत्र होगा सक्रिय

12 तारीख से फिर भारी बारिश के आसार

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में तेज बारिश को दौर थम गया है। अब केवल खंडवर्षा ही देखने को मिल रही है। जबलपुर में पिछले कुछ दिनों से बारिश गायब है। यहां खंडवर्षा दर्ज की जा रही है। दिन तेज धूप निकली तो वहीं कुछ इलाकों में अलग-अलग समय पर खंडवर्षा हुई। जिससे उमस ने जोर पकड़ लिया। जबलपुर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री, न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि जिले के विभिन्न स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने, झंझावात और झोकेदार तेज हवाएं चलने की संभावनाएं हैं।

मौसम विभाग के अनुसार 9 से 11 सितंबर तक अधिकांश इलाकों में मौसम अपेक्षाकृत शांत रहेगा। 11 सितंबर को पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत हैं। इसके असर से 12 सितंबर से मध्य प्रदेश में बारिश की गतिविधियां फिर बढ़ सकती हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 12 सितंबर को छतरपुर, पन्ना, दमोह और कटनी में भारी बारिश हो सकती है। नए मौसमी तंत्र के आगे बढ़ने के साथ प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

प्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों की हड़ताल खत्म, स्टाइपेंड 50 प्रतिशत बढ़ा, अब मिलेंगे 21500

जबलपुर/भोपाल, देशबन्धु। भोपाल में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों पर पुलिसिया रवैये के विरोध तथा मासिक भत्ते में इजाफे की मांग को लेकर बुधवार को जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने कामबंद हड़ताल कर दी। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने ओपीडी कक्षों का पूर्ण बहिष्कार किया, जिसके चलते संभागभर से पहुंचे सैकड़ों मरीजों को पर्ची बनवाने से लेकर परामर्श तक भारी अव्यवस्था झेलनी पड़ी। जूनियर डाक्टरों का आरोप है कि वे कठिन परिस्थितियों में लगातार ड्यूटी देने के बावजूद शासन उनकी बुनियादी मांगों की उपेक्षा कर रहा है। राजधानी में साथी डॉक्टरों के साथ घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने इस रोष को और भड़का दिया है, जिससे संपूर्ण विंध्य-महाकौशल अंचल की शासकीय स्वास्थ्य प्रणाली पर गहरा संकट मंडराने लगा है। प्रांतीय स्तर पर उन्हें वर्तमान में महज 14,300 रुपए का अल्प मासिक मानदेय प्रदान किया जा रहा है। इसे बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदेशभर के डॉक्टरों ने कामबंद हड़ताल कर दी।

लेकिन शाम होते तक सरकार को इनके आगे झुकना पड़ा और स्टाईपेंड बढ़ाने की घोषणा करनी पड़ी। उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि इंटर्नस्, जूडॉ व एमटीए प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक हुई। इंटर्न डॉक्टर्स की मांगें मान ली गई हैं। अब 21,500 रुपए स्टाइपेंड मिलेगा। छात्रों पर लाठीचार्ज और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के मामले में 2 पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है।

उपमुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा के बाद हड़ताल समाप्त कर दी गई है। वहीं इंटर्न डॉक्टरों ने भी मांगे मान लिए जाने के बाद खुशी जाहिर की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने 50 प्रतिशत स्टाइपेंड बढ़ाया है। डॉक्टर हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत हैं।

विदेश में होते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपके हित में फैसला सुनाया। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टर 3 दिन से आंदोलन कर रहे थे। भोपाल में कमला पार्क के पास बड़ा प्रदर्शन चल रहा था। इसका असर प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी सेवाओं पर पड़ा। तीसरे दिन डॉक्टर्स ने आंदोलन खत्म करने का ऐलान किया। जबलपुर, भोपाल सहित प्रदेश के अन्य जिलों में बुधवार दोपहर 12 बजे तक ओपीडी बंद रही।

जबलपुर-गया के बीच 3-3 फेरा चलेगी पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, देशबन्धु। पितृपक्ष के अवसर पर गया में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 01701/01702 जबलपुर-गया-जबलपुर पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन को 3-3 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों के लिए 10 सितम्बर से कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्रों एवं ऑनलाइन आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से आरक्षण कराया जा सकता है।

रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गाड़ी संख्या 01702 गया-जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल 28 सितम्बर, 3 एवं 8 अक्टूबर को गया स्टेशन से दोपहर 15:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी-ऑन-सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, मैहर, कटनी एवं सिहोरा रोड होते हुए सुबह 8:10 बजे जबलपुर पहुचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर-गया एक्सप्रेस स्पेशल 29 सितम्बर, 4 एवं 9 अक्टूबर को जबलपुर स्टेशन से रात्रि 21:25 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड होते हुए दोपहर 14:30 बजे गया पहुंचेगी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर बढ़ा असंतोष, प्रदेशभर में बहिष्कार की तैयारी

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग और शिक्षक संगठनों के बीच टकराव की स्थिति बनती जा रही है। विभाग परीक्षा को इसी वर्ष 31 दिसंबर से पहले कराने की तैयारी में जुटा है, वहीं जबलपुर संभाग में शिक्षक संगठनों ने परीक्षा की अनिवार्यता और पात्रता के मानदंड स्पष्ट किए बिना किसी भी प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया है। संभाग के शिक्षकों के बीच इस मुद्दे को लेकर बैठकों और आपसी चर्चा का दौर तेज हो गया है। संगठनों का कहना है कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को दोबारा पात्रता परीक्षा के दायरे में लाना व्यावहारिक और न्यायसंगत नहीं है।

जबलपुर संभाग में फैसले का इंतजार- जबलपुर संभाग के जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और डिंडोरी जिलों में शिक्षक इस मामले में विभाग के लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि किन शिक्षकों को परीक्षा देनी होगी और किन्हें इससे छूट मिलेगी। फिलहाल स्पष्ट आदेश सामने नहीं आने से शिक्षकों के बीच अलग-अलग तरह की चर्चाएं चल रही हैं। संगठनों ने संकेत दिया है कि नियम स्पष्ट होने के बाद ही संभाग स्तर पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। जबलपुर में शिक्षक संगठनों की सक्रियता इस पूरे मामले को महत्वपूर्ण बना रही है। यहां संगठन पदाधिकारी लगातार शिक्षकों से संपर्क कर रहे हैं और परीक्षा के विरोध में एकजुटता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षक पात्रता परीक्षा के आयोजन को लेकर एक और महत्वपूर्ण सवाल परीक्षा एजेंसी का है। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा ऑफलाइन माध्यम से इतनी बड़ी परीक्षा आयोजित करने में असमर्थता जताए जाने के बाद विभाग को वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करना पड़ रहा है।

बहन को जमीन का कब्जा मिला, टावर पर चढ़ा भाई

डिंडौरी, देशबन्धु। डिंडौरी जिले के शहपुरा तहसील के बिछिया गांव में बुधवार को जमीन के विवाद में एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। राजस्व विभाग की टीम पुलिस के साथ सोनम राय को जमीन का कब्जा दिलाने पहुंची थी।

टीम के लौटते ही जमीन पर पहले कब्जा रखने वाले श्याम लाल राय का बेटा राजू राय टावर पर चढ़ गया और कूदने की धमकी देने लगा। करीब दो घंटे बाद समझाने पर वह नीचे उतरा। शहपुरा तहसीलदार आरपी मार्को के मुताबिक सोनम राय की जमीन का कब्जा दिलाने का आदेश था। इसी के तहत राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ बिछिया गांव पहुंची। जमीन का सीमांकन करने के बाद सोनम राय को कब्जा दिलाया गया। जमीन पर सोनम राय के बड़े पिता श्याम लाल राय का कब्जा था। टीम के लौटने के दौरान श्याम लाल का बेटा राजू राय मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसने नीचे कूदने की धमकी दी और जमीन पर कब्जा दिलाने का विरोध किया। राजस्व और पुलिस अधिकारियों ने राजू राय को समझाया कि जमीन उसके नाम पर नहीं है। परिजनों और अधिकारियों की समझाइश के बाद करीब दो घंटे बाद वह टावर से नीचे उतर आया। तहसीलदार आरपी मार्को ने बताया कि राजू राय के खिलाफ बिछिया पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

एंबुलेंस न मिलने से 2 घंटे तड़पती रही महिला, मौत

5 महीने में 8वीं प्रसूता ने तोड़ा दम

कटनी, देशबन्धु। कटनी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली के कारण एक और गर्भवती महिला की जान चली गई। ढीमरखेड़ा तहसील के खमरिया गांव की 24 साल की गुलाब बाई कोल ने अस्पताल की दहलीज पर दम तोड़ दिया। पति मोजन कोल ने बताया कि नौ महीने की गर्भवती पत्नी को तेज प्रसव पीड़ा होने पर 108 जननी एक्सप्रेस को फोन किया गया था। कॉल सेंटर से बार-बार आश्वासन मिलता रहा, लेकिन दो घंटे बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। मजबूर होकर परिजन किराए की गाड़ी से खमतरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कागजी कार्रवाई में गई जान- बुधवार दोपहर करीब 1 बजे परिजन प्रसूता को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां तुरंत इलाज शुरू करने के बजाय परिजन को आधे-एक घंटे तक कागजी कार्रवाई और कमरों के चक्कर लगवाए गए। जब तक परिजन महिला को डिलीवरी वार्ड तक ले जा पाते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मामले में कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी ने जांच कराने और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फाइलों में 17, सड़क पर 7 एंबुलेंस- कटनी जिले में आपातकालीन सेवाओं का बुरा हाल है। कागजों में जिले के लिए 17 जननी एंबुलेंस आवंटित हैं, लेकिन सड़क पर सिर्फ 7 गाड़ियां ही चल रही हैं। बाकी 10 वाहनों का कोई अता-पता नहीं है।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 102
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 130
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 142

मो.- 9039925999

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 146
मुर्गा मीडियम	- रु. 134
मुर्गा बड़ा	- रु. 106
मुर्गा जम्बो	- रु. 106

मो.-9039925000, 9425800409

जादू-टोने के शक में देवरानी की हत्या

शहडोल, देशबन्धु। जिले के सीधी थाना क्षेत्र के छत्ता गांव में जादू-टोने के शक में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 60 वर्षीय महिला की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में मृतका की जेठानी को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी को शक था कि मृतका उसके घर पर जादू-टोना करती है, जिससे उसकी बेटी की तबीयत खराब रहती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था।

जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार सुबह की है। मृतका सुखरनिया सिंह गोंड़ अपने घर के पास मवेशियों को चारा खिला रही थीं। इसी दौरान उनकी जेठानी मुन्नी बाई वहां पहुंची। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है। आरोप है कि विवाद के दौरान मुन्नी बाई ने चुनरी से सुखरनिया का गला घोंट दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही सीधी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी मुन्नी बाई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस हत्या के पीछे की वजह और घटना के पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। बेटी की बीमारी को लेकर था जादू-टोने का शक पुलिस के अनुसार, मुन्नी बाई की बेटी अक्सर बीमार रहती थी। उसे संदेह था कि सुखरनिया उसके घर पर जादू-टोना करती हैं, जिसकी वजह से बेटी की तबीयत खराब रहती है। इसी शक को लेकर दोनों महिलाओं के बीच पहले भी विवाद हुआ था। पुलिस फिलहाल इसी विवाद को हत्या की वजह मानकर जांच कर रही है।

गला घोंटकर उतारा मौत के घाट